डाक पंजीयन संख्या/643/2016-2018/2016
RNI-MPHIN/2015/62199

नई सोच, नई पहल

पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

वर्ष 07, अंक 06, अगस्त 2021 मूल्य 30 रु, पृष्ठ 44

संपादक की कलम से

ओलंपिक में भारत ने रचा इतिहास

इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस इस वजह से और अहम है कि इस साल टोक्यो ओलंपिक-2020 में भारत ने अब तक के अपने ओलंपिक इतिहास के सबसे ज्यादा पदक जीते है, जिसमें 1 स्वर्ण, 2 रजत और 4 कांस्य पदक जीते हैं। इस ओलंपिक गेम्स में एथलेटिक्स के इतिहास में पहला स्वर्ण पदक भाला फेंक प्रतियोगिता में देश के होनहार युवा 23 वर्षीय नीरज चोपड़ा ने जीता है और देश को विश्व पटल पर गौरवान्वित करने का काम किया है। इसके साथ ही कुश्ती में रवि कुमार दहिया ने रजत पदक जीतकर भारत का मान बढाया है। भारोत्तोलन प्रतियोगिता में देश की बेटी सेखोम मीराबाई चानू ने रजत पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। पी0वी0 सिंधु ने बैडमिंटन में कांस्य पदक जीता है, पी0वी0 सिंधु दो ओलंपिक गेम्स (रियो 2016, टोक्यो-2020) में पदक जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी हैं। भारत की बेटी लवलीन बोरगोहेन ने बॉक्सिंग में कांस्य पदक जीतकर देश का गौरव बढाया है। पुरुष हॉकी टीम ने भी टोक्यो ओलंपिक गेम्स में 41 साल बाद पदक जीता है, बेशक पदक कांस्य हो लेकिन पुरुष हॉकी टीम ने देश का गौरव बढ़ाने का काम किया है, इसके साथ ही देश की बेटियों ने ओलंपिक गेम्स के सेमीफाइनल में पहुंचकर भविष्य के लिए अपने इरादे जता दिए हैं। टोक्यो ओलंपिक गेम्स में भारत की दोनों हॉकी टीम्स (महिला और पुरुष) ने भारत का हॉकी में स्वर्णिम इतिहास लाने की भविष्य में आस बढ़ा दी है। कुश्ती में भी पहलवान बजरंग पूनिया ने कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवान्वित करने का काम किया है। इसके साथ ही टोक्यो ओलंपिक गेम्स में भारतीय दल के अन्य खिलाड़ियों ने भी गजब का खेल दिखाया है और उम्मीद जगाई है कि पेरिस ओलंपिक गेम्स-2024 में पदकों की संख्या और बढ़ेगी। अगर देश के होनहार युवाओं को देश में ही सरकारों या स्वंयसेवी संस्थाओं द्वारा उपयुक्त प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाये तो देश में और प्रतिभायें निखर के आयेंगी और भारत देश का मान विश्व पटल पर होगा। स्वतंत्रता दिवस प्रसन्नता और गौरव का दिवस है। इस दिन सभी भारतीय नागरिकों को मिलकर अपने लोकतंत्र की उपलब्धियों का उत्सव मनाना चाहिए और एक शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं प्रगतिशील भारत के निर्माण में स्वयं को समर्पित करने का संकल्प लेना चाहिए। क्योंकि भारत देश सदियों से अपने त्याग, बलिदान, भक्ति, शिष्टता, शालीनता, उदारता, ईमानदारी और श्रमशीलता के लिए जाना जाता है। तभी सारी दुनिया ये जानती और मानती है कि भारत भूमि जैसी और कोई भूमि नहीं, आज भारत एक विविध, बहुभाषी, और बहु-जातीय समाज है। जिसका विश्व में एक अहम स्थान है। आज का दिन अपने वीर जवानों को भी नमन करने का दिन है जोकि हर तरह के हालातों में सीमा पर रहकर सभी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित और स्वतंत्र महसूस कराते हैं। साथ-साथ उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करने का भी दिन हैं, जिन्होंने हमारे देश को आजाद कराने में अहम भूमिका निभाई। आज 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारत के प्रत्येक नागरिक को भारतीय संविधान और गणतंत्र के प्रति अपनी वचनबद्धता दोहरानी चाहिए और देश के समक्ष आने वाली चुनौतियों का मिलकर सामूहिक रूप से सामना करने का प्रण लेना चाहिए। साथ-साथ देश में शिक्षा, समानता, सद्भाव, पारदर्शिता को बढ़ावा देने का संकल्प लेना चाहिए। जिससे कि देश प्रगति के पथ पर और तेजी से आगे बढ़ सके।

भरत सिंह चौहान

संपादक

टोक्यो ओलंपिक गेम्स में भारत की दोनों हॉकी टीम्स (महिला और पुरुष) ने भारत का हॉकी में स्वर्णिम इतिहास लाने की भविष्य में आस बढ़ा दी है। कुश्ती में भी पहलवान बजरंग पूनिया ने कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवान्वित करने का काम किया है। इसके साथ ही टोक्यो ओलंपिक गेम्स में भारतीय दल के अन्य खिलाड़ियों ने भी गजब का खेल दिखाया है और उम्मीद जगाई है कि पेरिस ओलंपिक गेम्स-2024 में पदकों की संख्या और बढ़ेगी। अगर देश के होनहार युवाओं को देश में ही सरकारों या स्वंयसेवी संस्थाओं द्वारा उपयुक्त प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाये तो देश में और प्रतिभायें निखर के आयेंगी और भारत देश का मान विश्व पटल पर होगा।

पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका

वर्ष 07, अंक 08, अगस्त 2021

मूल्य 30 रु, पृष्ठ 44

संरक्षक	**बहादुर सिंह चौहान**
संपादक	**भरत सिंह चौहान**
प्रबंध संपादक	**शैलेश सिंह कुशवाह**
उपसंपादक	अर्पित गुप्ता
	शशिभूषण चौहान (मप्र)
	पुष्पेन्द्र तोमर
	संदीप प्रधान
	प्रदीप नागेन्द्र सिकरवार
	विपिन तोमर
कानूनी सलाहकार	एड. आर. के. जोशी
एडिटिंग	इमरान गौरी
राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी	आर एस रजक

रश्मि चौहान, न्यूज ऐंकर

ब्यूरो प्रमुख

पंकज त्रिपाठी	**मध्य प्रदेश**
राजानल शर्मा	**छत्तीसगढ़**
नरेन्द्र शर्मा	**हरियाणा**
केशव प्रसाद शर्मा	**चंबल संभाग**
ए. के. झा	**बिहार**
अमित कुमार	**जम्मू-कश्मीर (यूटी)**
अमन राय	**बर्दवान पश्चिम बंगाल**
नारायण लाल	**बेंगलुरु**
दीपक रलहन	**पंजाब**
नैनाराम सिरवी	**पाली, राजस्थान**
केवल राम मालवीय	इंदौर
हरिओम चतुर्वेदी	शिवपुरी
राजेश लोधी	रायसेन
रीतेश कटरे	बालाघाट
सुरजीत राजावत	ग्वालियर
नीतेश शर्मा	ग्वालियर
विनोद पाठक	श्योपुर
प्रेमकिशोर शर्मा	आगरा मंडल
शशिकांत खरे	झांसी
सोनू कुमार माथुर	एटा, (उत्तर प्रदेश)
प्रवेन्द्र सिंह	आगरा (उत्तर प्रदेश)
हरिनिवास दुबे	मथुरा (उत्तर प्रदेश)
रूपसिंह	इटावा, (उत्तर प्रदेश)
किरण राठौर	औरैया, (उत्तर प्रदेश)
अरूण शुक्ला	भिण्ड
मोहन मांझी	गोहद
अमित शर्मा	ग्वालियर

कार्यालय

जी. एस. प्लाजा, गोले का मंदिर ग्वालियर मध्य प्रदेश

हेल्पलाईन: 0751-4901403, 8269307478

www.pushpanjalitoday.com, Email-pushpanjalitoday@gmail.com

पुष्पांजली टुडे टीम

सादिक मिर्जा	ऑल इंडिया रिपोर्टर
संतोश सिंह भदौरिया	चम्बल संभाग
गौरव शर्मा	चम्बल संभाग
महेन्द्र शर्मा	चम्बल संभाग
राधा तोमर	अम्बाह
अंकित कुमार	अजीतमल, औरेया
भीमसेन तोमर	अम्बाह
सुनील सिंह तोमर	अम्बाह
ब्रजेश सिंह भदौरिया	फूप
रंजीत बघेल	सेंवढ़ा, दतिया
दीपक कुमार	खेरागढ़, आगरा
छोटे सिंह भदौरिया	मालनपुर
संतोष सिंह भदौरिया	गोरमी
हरिओम परिहार	खनियाधाना
हरिओम चतुर्वेदी	करैरा
अरिमर्दन सिंह भदौरिया	भिण्ड, क्राइम रिर्पोटर
निर्मला	भिण्ड
राहुल तलरेजा	मऊ, इंदौर
शिवकांत ओझा	रौन
आदित्य सिकरवार	पोरसा
वासुदेव मिश्रा	ग्वालियर
रवीना शर्मा	श्योपुर
अमित पाठक	ललितपुर उप्र
चेतना कारले	खरगोन
मुन्ना खान	खरगोन
उमाकांत शर्मा	भिण्ड
विवेक पाण्डेय	भिण्ड
बृजपाल सिंह गुर्जर	मेहगांव

इस अंक में

लाल किले से पीएम.... 08

रक्षा बंधन.... 37

सिनेमा.... 39

जल जीव जगत की.... 40

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान। कंचन प्रिंटिंग प्रेस निम्बालकर का बाड़ा, तेजी की बजरिया नियर पी.एंड.एन. बैंक नया बाजार लश्कर ग्वालियर म.प्र. से मुद्रित तथा दीपू इलेक्ट्रोनिक्स हनुमान मंदिर के पास, गोवर्धन कॉलोनी भिण्ड रोड, गोला का मंदिर जिला ग्वालियर म.प्र. से प्रकाशित। संपादक भरत सिंह चौहान। (समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार) दूरभाष 8269307478

क्या हैं स्वतंत्रता के सही मायने?

15 अगस्त का दिन पूरे भारत में स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन भारत को 200 सालों के ब्रिटिश शासन से आजादी मिली थी। स्वतंत्रता दिवस वो दिन है जो हमें हमारे स्वतंत्रता सैनानियों के त्याग को याद दिलाता है। भारत को मिली ये आजादी बहुत महत्वपूर्ण थी, क्योंकि इसके लिए देश के वीरों ने अपने प्राणों की कुर्बानी दी और काफी संघर्ष किया। महात्मा गांधी, भगत सिंह, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल, डॉ.राजेंद्र प्रसाद, मौलाना अबुल कलाम आजाद, सुखदेव, गोपाल कृष्ण गोखले, लाला लाजपत राय, लोकमान्य बालगंगाधर तिलक, चंद्र शेखर आजाद के बलिदान के कारण ही आज हम आजाद भारत में सांस ले पा रहे हैं। जिस देश में चंद्रशेखर, भगत सिंह, राजगुरू, सुभाष चन्द्र, खुदिराम बोस, रामप्रसाद बिस्मिल जैसे क्रान्तिकारी तथा गाँधी, तिलक, पटेल, नेहरु, जैसे देशभकत मौजूद हों उस देश को गुलाम कौन रख सकता था। आखिर देशभक्तों के महत्वपूर्ण योगदान से 14 अगस्त की अर्धरात्री को अंग्रेजों की दासता एवं अत्याचार से हमें आजादी प्राप्त हुई थी। ये आजादी अमूल्य है क्योंकि इस आजादी में हमारे असंख्य भाई-बन्धुओं का संघर्ष, त्याग तथा बलिदान समाहित है। ये आजादी हमें उपहार में नही मिली है। भारत में स्वतंत्रता दिवस को बहुत अहम दिन माना जाता है। 200 साल की लम्बी लड़ाई के बाद 15 अगस्त 1947 को भारत को ब्रिटिश हुकूमत से पूर्ण रूप से आजादी मिली। स्वतंत्रता दिवस, 1947 में ब्रिटिश शासन के अंत और स्वतंत्र भारतीय राष्ट की स्थापना का प्रतीक है। यह दो देशों- भारत और पाकिस्तान में उपमहाद्वीप के विभाजन की सालगिरह का प्रतीक है, जो 14 से 15 अगस्त

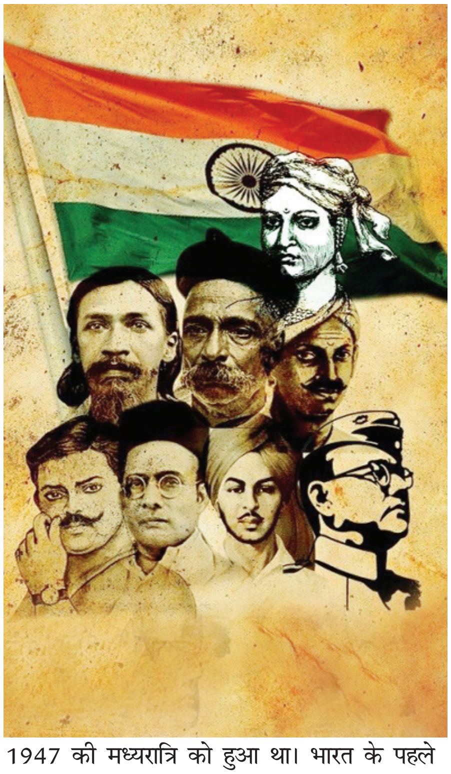

1947 की मध्यरात्रि को हुआ था। भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने 14 अगस्त मध्यरात्रि को ट्रिस्ट विद डेस्टिनी भाषण के साथ भारत की आजादी की घोषणा की। तब से हर साल 15 अगस्त को भारत में स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है, जबकि पाकिस्तान में स्वतंत्रता दिवस 14 अगस्त को मनाया जाता है। 15 अगस्त 1947 में भारत आजाद हुआ था। इसलिए भारत इस दिन को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाता है। यह भारत का राष्ट्रीय दिवस है। स्वतन्त्रता दिवस से सभी भारतीयों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। भारत देश बेशक एक स्वतंत्र गणराज्य सालों पहले बन गया हो। लेकिन इतने सालों बाद आज भी देश में धर्म, जाति और अमीरी गरीबी के आधार पर भेदभाव आम बात है। लोग आज भी जाति के आधार पर ऊंच-नीच की भावना रखते हैं। आज भी लोगों में सामंतवादी विचारधारा घर करी हुयी है और कुछ अमीर लोग आज भी समझते हैं कि अच्छे कपड़े पहनना, अच्छे घर में रहना, अच्छी शिक्षा प्राप्त करना और आर्थिक विकास पर सिर्फ उनका ही जन्मसिद्ध अधिकार है। इसके लिए जरूरत है कि देश में संविधान द्वारा प्रदत्त शिक्षा के अधिकार के जरिए लोगों में जागरूकता लायी जाये। जिससे कि देश में धर्म, जाति, अमीरी-गरीबी और लिंग के आधार पर भेदभाव न हो सके।

बेशक हम अपना 75वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे हों लेकिन आज भी देश महिलाओं को पूर्णतः स्वतंत्रता नहीं है, आज भी देश में महिलाओं को बाहर अपनी मर्जी से काम करने से रोका जाता है। महिलाओं पर तमाम तरह की बंदिशें परिवार और समाज द्वारा थोपी जाती हैं जो कि संविधान द्वारा प्रदत्त महिलाओं को उनके मौलिक अधिकारों का हनन करती है। आज भी देश में महिलाओं के मौलिक अधिकार चाहे समानता का अधिकार हो, चाहे स्वतंत्रता का अधिकार हो, चाहे धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार हो, चाहे शिक्षा और संस्कृति सम्बन्धी अधिकार हो; समाज द्वारा नारियों के हर अधिकार को छीना जाता है या उस पर बंदिशे लगायी जाती हैं, जोकि एक स्वतंत्र देश के नवनिर्माण के लिए शुभ संकेत नहीं है। कोई भी देश तब अच्छे से निर्मित होता है जब उसके नागरिक चाहे महिला हो या पुरुष हो उस देश के कानून और संविधान को पूर्ण रूप से सम्मान करे और उसका कड़ाई से पालन करे।

ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने रचा इतिहास, गोल्ड का सपना पूरा

भारत के लिए टोक्यो ओलिंपिक इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए दर्ज हो गया। जैसी अपने होनहार खिलाड़ियों से भारत को उम्मीद थी इन सभी ने कुछ वैसा ही कर दिखाया। टोक्यो ओलिंपिक में भारत ने अपने पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए पदकों की संख्या को 7 पहुंचा दिया है। लंदन ओलिंपिक में भारत ने सबसे ज्यादा 6 पदक जीते थे जिसका रिकॉर्ड अब टूट चुका है। भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने भालाफेंक में देश के लिए पहला गोल्ड मेडल जीता है भारतवासियों को जीत का जश्न मनाने का मौका मिला। ओलिंपिक में भारत दल का यह अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन हो गया है। इस बार भारतीय खिलाड़ियों ने पदकों की संख्या को 7 तक पहुंचाते हुए इतिहास रच दिया है। नीरज चोपड़ा का गोल्ड भारत के लिए यह रिकॉर्ड ब्रेकिंग मेडल रहा। शनिवार को पहलवान बजरंग पुनिया ने कांस्य पदक जीत भारत को लंदन ओलिंपिक में हासिल किए गए 6 पदकों की बराबरी दिलाई थी। भारत को लंदन में हुए 2012 ओलिंपिक में 6 मेडल मिले थे जो 2008 में हुए बीजिंग ओलिंपिक से तीन ज्यादा था। इसके अलावा भारत को 2016 के रियो ओलिंपिक में 2 मेडल मिले थे तो वहीं 1952 और 1900 में भी दो-दो मेडल ही भारत के खाते में आए थे।

भारत ने तोक्यो ओलंपिक में भारोत्तोलक मीराबाई चानू के रजत पदक से शानदार शुरूआत की जिसके बाद बीच में कुछ कांस्य पदक मिलते रहे लेकिन देश के अभियान का अंत नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक से धूमधड़ाके के साथ हुआ। ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धा में भारत को पहला पदक मिला जो 13 साल बाद पहला स्वर्ण पदक भी था। इसके अलावा हॉकी में 41 वर्षो से चला आ रहा पदक का इंतजार भी खत्म हुआ, भारोत्तोलन में पहला रजत पदक और नौ वर्षो बाद मुक्केबाजी में पहला पदक भारत की झोली में आया जबकि बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू दो ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनीं। ज्यादातर पदार्पण कर रहे खिलाड़ियों ने पोडियम स्थान हासिल किये और एक ओलंपिक में सबसे ज्यादा पदक भी मिले और देश के लिये इतना सबकुछ एक ही ओलंपिक के दौरान हुआ। टोक्यो ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 7 मेडल अपने नाम किए. भारत ने 1 स्वर्ण, 2 रजत और 4 कांस्य पदकों के साथ ओलंपिक का समापन किया है. अब तक ओलंपिक खेलों में यह भारतीय खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. नीरज चोपड़ा ने इतिहास रचते हुए देश को पहला गोल्ड मेडल दिलाया. इससे पहले पहलवान बजरंग पूनिया ने भी कुश्ती में ब्रॉन्ज जीतकर देश के पदकों की संख्या बढ़ाई थी. आपको बता रहे हैं कि इस ओलंपिक में किन भारतीय खिलाड़ियों ने पदक

नीरज चोपड़ा को चूरमा तो पीवी सिंधु को मिली आइसक्रीम की पार्टी, भारतीय ओलंपिक दल से मिले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

टोक्यो ओलंपिक 2020 में देश का मान बढ़ाकर लौटे भारतीय खिलाड़ियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खास मुलाकात की। इस मौके पर मोदी ने खिलाड़ियों के बातचीत की और फिर सभी के साथ ब्रेकफास्ट भी किया। ओलंपिक 2020 में देश को गोल्ड मेडल दिलाने वाले नीरज चोपड़ा को उनका फेवरेट चूरमा परोसा गया, जबकि पीवी सिंधु को प्रधानमंत्री ने आइसक्रीम की पार्टी दी। वहीं, 41 साल के सूखे को खत्म करके ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम ने मोदी को ऑटोग्राफ की गई हॉकी स्टिक गिफ्ट की। इस बार का ओलंपिक भारत के लिए यादगार रहा और देश ने पहली बार कुल 7 मेडल अपने नाम किए। पीएम मोदी ने एक-एक खिलाड़ी के साथ मिलकर बातचीत की और खिलाड़ियों के मेडल के साथ फोटो भी खिंचवाई।

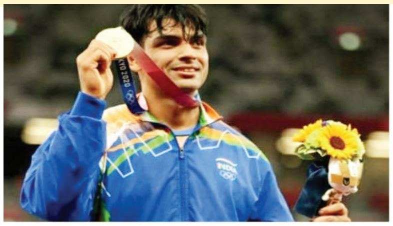

नीरज चोपड़ा

हरियाणा के नीरज चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक में जैवलिन थ्रो में 87.58 मीटर भाला फेंक कर एक नया इतिहास रच दिया. नीरज ने भारत को गोल्ड मेडल दिलाया. इसके साथ नीरज देश के लिए पर्सनल गोल्ड जीतने वाले पहले ट्रैक एंड फील्ड एथलीट भी बन गए. नीरज ने अपने दूसरे प्रयास में पहला स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया.

मीराबाई चानू

मीराबाई चानू वो भारतीय महिला वेटलिफ्टर हैं, जिसने टोक्यो ओलंपिक के आगाज पर रजतपदक जीतकर भारत को पहली जीत दिलाई. चानू ने देश को यह सफलता 49 किलोग्राम वर्ग में दिलाई. चानू ने क्लीन एंड जर्क में 115 किलो भार उठाया, जबकि स्नैच में 87 किलो से कुल 202 किलो वजन उठाकर सिल्वर मेडल हासिल किया.

लवलीना बोरगोहेन

भारतीय मुक्केबाज़ लवलीना बोरगोहेन ने टोक्यो ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया और भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया. लवलीना की शुरुआत बेहद अच्छी रही, लेकिन सेमीफाइनल में वह जीत नहीं हासिल कर पाईं और उनको हार का सामना करना पड़ा. लेकिन उन्होंने देश को निराशन नहीं होने दिया और ब्रॉन्ज मेडल दिलाकर भारत का सम्मान बढ़ाया.

बजरंग पूनिया

फ्रीस्टाइल कुश्ती में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाने वाले भारतीय पहलवान बजरंग पुनिया ने भी अपने शानदार प्रदर्शन से ओलंपिक में एक नया इतिहास रचा. उन्होंने फ्रीस्टाइल कुश्ती के 65 किग्रा भार वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता. इस तरह से बजरंग ने भारत के खाते में चौथा कांस्य पदक जोड़ा. इस मुकाबले में बजरंग ने कजाकिस्तान के दौलत नियाबेकोव को हराकर भारत का मान बढ़ाया.

रवि दहिया

भारतीय पहलवान रवि दहिया ने भारत को एक ओर सिल्वर मेडल दिलाया. दहिया ने टोक्यो ओलंपिक में 57 किलोग्राम भार वर्ग कुश्ती में रजत पदक जीता था. अपनी मेहनत और सफलता के साथ दहिया ने भारत की झोली में एक और रजत पदक डाल दिया. हालांकि देश ने उनसे देश को गोल्ड की उम्मीदें लगा रखी थीं, लेकिन कुश्ती के फाइनल मुकाबले में दहिया बढ़त नहीं बना पा और हार गए.

पीवी सिंधु

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने टोक्यो ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया. सिंधु ओलंपिक में लगातार दूसरी बार मेडल जीतने वाली पहली बैडमिंटन खिलाड़ी भी हैं. इससे पहले सिंधु ने 2016 रियो ओलंपिक में रजत पदक जीता था. इस बार सिंधू ने ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में चीनी खिलाड़ी को धूल चटाकर पदक अपने नाम कर लिया.

भारतीय पुरुष हॉकी टीम (ब्रॉन्ज मेडल)

ओलंपिक में इस बार इंडियन पुरुष हॉकी टीम का भी प्रदर्शन शानदार रहा. हॉकी में भारत ने 41 साल बाद मेडल जीता है. आपको बता दें कि इससे पहले भारत ने वासुदेवन भास्करन की कैप्टनशिप में साल 1980 के मॉस्को ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था.

स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने दी देश की उम्मीदों को नई उड़ान

टोक्यो ओलम्पिक भारत के लिए अभी तक का सबसे अच्छा ओलम्पिक साबित हुआ है, जिसमें भारत ने 1 स्वर्ण, 2 रजत और 4 कांस्य सहित कुल 7 पदक जीते हैं। इससे पहले 2012 के लंदन ओलम्पिक में भारत 6 पदक जीतने में सफल हुआ था। 7 अगस्त 2021 का दिन तो भारत के लिए ओलम्पिक खेलों के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गया है। दरअसल ओलम्पिक खेलों के इतिहास में भारत ने न केवल पहली बार सर्वाधिक 7 पदक जीते हैं बल्कि 7 अगस्त को भारत का एथलेटिक्स (ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स) में पदक जीतने का 121 साल लंबा इंतजार भी खत्म हो गया और यह करिश्मा कर दिखाया जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने भारत को इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक दिलाकर। टोक्यो ओलम्पिक में भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा ने ऐसा इतिहास रच डाला, जो उनसे पहले एथलेटिक्स में 121 वर्षों में कोई भी एथलीट नहीं कर सका। एथलेटिक्स किसी भी ओलम्पिक का सबसे प्रमुख आकर्षण होते हैं लेकिन यह भारत का दुर्भाग्य ही रहा है कि 121 सालों में कोई भी भारतीय एथलीट ओलम्पिक में पदक नहीं जीत सका।

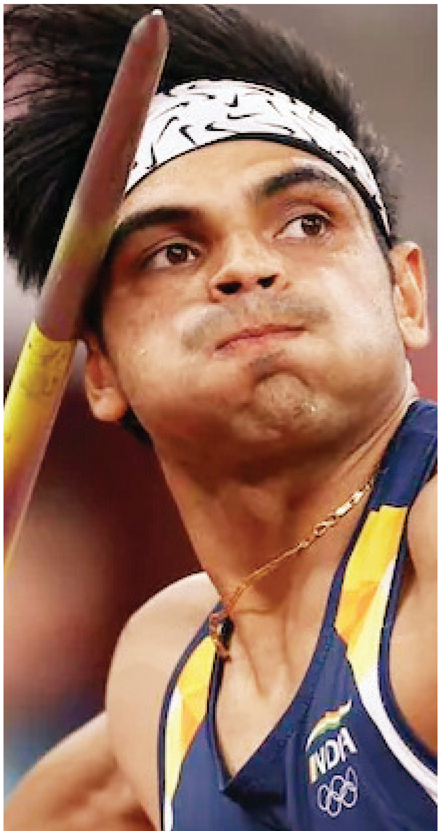

सन् 1900 में हुए ओलम्पिक में ब्रिटिश इंडिया की ओर से खेलते हुए नॉर्मन प्रिटचार्ड ने एथलेटिक्स में दो पदक जीते थे लेकिन नॉर्मन प्रिटचार्ड भारतीय नहीं बल्कि अंग्रेज थे। इस प्रकार नीरज भारत के लिए ओलम्पिक में एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी हैं।

23 वर्षीय जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा एथलेटिक्स में ओलम्पिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी होने के साथ ओलम्पिक में व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल करने वाले दूसरे खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनसे पहले 2008 के बीजिंग ओलम्पिक में निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने 10 मीटर एयर राइफल इवेंट का स्वर्ण अपने नाम किया था। इस तरह भारत को न सिर्फ 13 वर्षों के अंतराल बाद किसी इवेंट में स्वर्ण पदक मिला बल्कि 121 वर्षों में पहली बार एथलेटिक्स में भी स्वर्ण पदक जीतने में अप्रत्याशित सफलता मिली। नीरज की यह स्वर्णिम जीत भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण इसलिए भी है क्योंकि ओलम्पिक खेलों के इतिहास में यह भारत का अभी तक का केवल 10वां स्वर्ण पदक ही है। इससे पहले भारत को हॉकी में 8 और

शूटिंग में 1 स्वर्ण पदक मिला है। नीरज ने गत वर्ष साउथ अफ्रीका में आयोजित हुए सेंट्रल नॉर्थ ईस्ट मीटिंग एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 85 मीटर के अनिवार्य क्वालिफिकेशन मार्क को पार करते हुए 87.86 मीटर दूर जैवलिन (भाला) फेंककर ओलम्पिक का टिकट हासिल किया था। टोक्यो ओलम्पिक के पहले राउंड में 12 खिलाड़ियों में से 8 ने अगले और फाइनल राउंड में जगह बनाई थी। क्वालीफाइंग राउंड में नीरज ने 86.65 मीटर दूर भाला फैंका था और अपने ग्रुप में पहले स्थान पर रहे थे। नीरज चोपड़ा के मामले में सबसे अच्छी बात यही रही कि शुरु से आखिर तक वह एक बार भी शीर्ष स्थान से नीचे नहीं फिसले। ओलम्पिक के फाइनल मुकाबले में नीरज ने अपने पहले प्रयास में 87.03 मीटर दूर भाला फैंका जबकि दूसरे प्रयास में 87.58 तथा तीसरे प्रयास में 76.79 मीटर दूर भाला फैंका और 87.58 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतकर भारत के लिए ओलम्पिक खेलों में सफलता की नई इबारत रचने में कामयाब रहे। प्रतिस्पर्धा में दूसरे और तीसरे स्थान पर चेक खिलाड़ी रहे। 86.67 मीटर थ्रो के साथ चेक के जाकुब वेदलेच को रजत और 85.44 मीटर के थ्रो के साथ चेक के ही वितेस्लाव वेसेली को कांस्य पदक मिला।

24 दिसम्बर 1997 को हरियाणा के पानीपत जिले के खांद्रा गांव में एक छोटे से किसान के घर पर जन्मे नीरज चोपड़ा टोक्यो ओलम्पिक में इतिहास रचने से पहले भी कई बड़ी-बड़ी चैम्पियनशिप जीत चुके हैं। भारतीय सेना में कार्यरत नीरज ओलम्पिक में बेमिसाल जीत दर्ज कराने से पहले कुछ बड़े मेगा स्पोर्ट्स इवेंट में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय पहले ही दे

चुके हैं। वह एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों, एशियन चैम्पियनशिप, साउथ एशियन गेम्स और विश्व जूनियर चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम कर चुके हैं। इसी साल मार्च महीने में उन्होंने इंडियन ग्रैंड प्रिक्स-3 में 88.07 मीटर जैवलिन थ्रो के साथ अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया था, जो उनका अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है। इसके अलावा जून माह में पुर्तगाल के लिस्बन शहर में हुए मीटिंग सिडडे डी लिस्बोआ टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता। 2016 में पोलैंड में हुए आईएएएफ वर्ल्ड अंडर-20 चैम्पियनशिप में 86.48 मीटर दूर भाला फैंककर नीरज ने स्वर्ण पदक जीता था। उसी के बाद उन्हें सेना में जूनियर कमीशंड ऑफिसर के तौर पर नियुक्ति दी गई थी। 2016 में नीरज ने साउथ एशियन गेम्स में 82.23 मीटर दूर, 2017 में एशियन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 85.23 मीटर दूर और 2018 में इंडोनेशिया के जकार्ता में हुए एशियाई खेलों में 88.06 मीटर दूर भाला फैंककर स्वर्ण पदक जीते। एशियाई खेलों के इतिहास में अब तक भालाफैंक में भारत को केवल दो ही पदक मिले हैं और नीरज पहले ऐसे भारतीय एथलीट हैं, जिन्होंने एशियन खेलों में स्वर्ण पदक जीता। उनसे पहले वर्ष 1982 में गुरतेज सिंह को कांस्य पदक मिला था।

नीरज की एथलेटिक्स में आने की कहानी भी काफी दिलचस्प है। दरअसल उनके बचपन में उन्होंने या उनके परिवार के किसी भी सदस्य ने सपने में भी नहीं सोचा था कि वह एथलेटिक्स में किस्मत आजमाएंगे। बचपन में नीरज काफी मोटे और थुलथुले से थे। 13 वर्ष की आयु में उनका वजन करीब 80 किलोग्राम था और तब परिवारवालों के दबाव में उन्होंने एथलेटिक्स के जरिये अपना वजन कम करने का निश्चय किया। परिजनों ने उन्हें प्रतिदिन रेस लगाने को प्रोत्साहित किया ताकि उनका वजन कम हो सके लेकिन नीरज को दौड़ने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। एक दिन उनके चाचा उन्हें गांव से करीब 15 किलोमीटर दूर पानीपत के शिवाजी स्टेडियम ले गए। वहां जब नीरज ने कुछ खिलाड़ियों को भाला फैंक का अभ्यास करते देखा तो उन्हें इस खेल से ऐसा लगाव हुआ कि वे अपनी कुछ वर्षों की कड़ी मेहनत के बलबूते पर देश के लिए पूरी दुनिया में इतिहास रचने में सफल हो गए।

लाल किले से बोले पीएम मोदीःसर्जिकल स्ट्राइक और हवाई हमलों ने दुश्मनों को नए भारत का संदेश दिया, कड़े फैसले लेने में देश झिझकता ीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक और हवाई हमलों ने दुश्मनों को एक नए भारत के उदय का संदेश दिया है। ये बताता है कि भारत बदल रहा है। 75वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत कठिन से कठिन फैसले भी ले सकता है और कड़े से कड़े फैसले लेने में भी झिझकता नहीं है, रुकता नहीं है। चीन और पाकिस्तान का नाम लिए बिना मोदी ने कहा कि आज दुनिया, भारत को एक नए नजरिए से देख रही है और इसके दो अहम पहलू हैं। एक आतंकवाद और दूसरा विस्तारवाद। भारत इन दोनों ही चुनौतियों से लड़ रहा है और सधे हुए तरीके से बड़े हिम्मत के साथ जवाब भी दे रहा है।

सुरक्षा और रक्षा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास

पीएम ने कहा कि सुरक्षा और रक्षा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास लगातार जारी हैं। देश की सुरक्षा के लिए सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय संबंधों की प्रकृति बदल गई है और कोरोना वायरस महामारी के बाद एक नई विश्व व्यवस्था की संभावना है। भारत ने दुनिया के प्रयासों को देखा है और इसकी सराहना भी की है।

भारत अपना लड़ाकू विमान-सबमरीन बना रहा

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत आज अपना लड़ाकू विमान बना रहा है, सबमरीन बना रहा है, गगनयान भी बना रहा है। ये स्वदेशी मैन्यूफैक्चरिंग में भारत के सामर्थ्य को उजागर करता है। भारत को आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ ही इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण में होलिस्टिक अप्रोच

अपनाने की भी जरूरत है।

डॉक्टर्स, नर्स और वैज्ञानिकों के काम की सराहना

पीएम मोदी ने कोरोना महामारी के दौरान डॉक्टर्स, नर्स और वैज्ञानिकों के काम की सराहना की। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले की प्राचीर से उन्होंने कहा, कोरोना वैश्विक महामारी में हमारे डॉक्टर, नर्सेज, पैरामेडिकल स्टाफ, सफाईकर्मी, वैक्सीन बनाने मे जुटे वैज्ञानिक हों, सेवा में जुटे नागरिक हों, वे सब भी वंदन के अधिकारी हैं

वैक्सीन भारत आज किसी और देश पर निर्भर नहीं

पीएम ने कहा कि हमारे वैज्ञानिकों, उद्यमियों की ताकत का ये परिणाम है कि भारत को वैक्सीन के लिए आज किसी और देश पर निर्भर नहीं होना पड़ा। आज हम गौरव से कह सकते हैं कि दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीनेशन प्रोग्राम हमारे देश में चल रहा है।

ओलिंपिक खिलाड़ियों के सम्मान में बजवाईं तालियां

मोदी ने कहा, इस आयोजन में ओलिंपिक में भारत का नाम रोशन करने वाली युवा पीढ़ी एथलीट्स और हमारे खिलाड़ी मौजूद हैं। मैं देशवासियों को और हिंदुस्तान के कोने-कोने में मौजूद लोगों से कहना चाहता हूं कि हमारे खिलाड़ियों के सम्मान में कुछ पल तालियां बजाकर उनका सम्मान करें। भारत के खेलों का सम्मान, भारत की युवा पीढ़ी का सम्मान, भारत को गौरव दिलाने वाले युवाओं का सम्मान, करोड़ों देशवासी आज तालियों की गड़गड़ाहट के साथ देश के जवानों का, युवा पीढ़ी का सम्मान कर रहे हैं। एथलीट्स पर विशेष तौर पर हम ये गर्व कर सकते हैं कि उन्होंने दिल ही नहीं जीता, उन्होंने आने वाली पीढ़ियों को भारत की युवा पीढ़ी को प्रेरित करने का बहुत बड़ा काम किया है।

बेटियों के लिए खोले जाएंगे सभी सैनिक स्कूल

मोदी ने कहा कि खेल से लेकर हर जगह बेटियां कमाल कर रही हैं। आज भारत की बेटियां अपनी जगह लेने के लिए आतुर हैं। सड़क से लेकर वर्कप्लेस तक महिलाओं में सुरक्षा, सम्मान का भाव हो, इसके लिए शासन प्रशासन, पुलिस, नागरिकों को अपनी जिम्मेदारी निभानी है। इस संकल्प को आजादी के 75 साल का संकल्प बनाना है। मुझे लाखों बेटियों के संदेश मिलते थे कि सैनिक स्कूल में पढ़ना चाहती हैं। ढाई साल पहले मिजोरम के सैनिक स्कूल में बेटियों को प्रवेश देने का प्रयोग किया था। अब तय किया है कि देश के सभी सैनिक स्कूलों को देश की बेटियों के लिए भी खोल दिया जाएगा।

19 विपक्षी दल लामबंदः सोनिया बोलीं- 2024 में हमें भाजपा के खिलाफ साथ आना होगा

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी शुक्रवार को विपक्षी दलों के नेताओं व विपक्ष शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वर्चुअल मीटिंग की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई इस बैठक में देश के राजनीतिक हालात और विपक्ष की भावी रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में सोनिया गांधी ने कहा कि हमारा अंतिम लक्ष्य 2024 के लोकसभा चुनाव हैं, स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों में विश्वास करने वाली सरकार देने के लिए व्यवस्थित रूप से योजना बनानी होगी। बैठक करीब तीन घंटे चली। इसके बाद साझा बयान में 20 से 30 सितंबर तक विभिन्न मांगों को लेकर देशभर में प्रदर्शन का एलान किया गया। सोनिया गांधी ने यह भी कहा कि इस समय विपक्षी दलों की एकजुटता राष्ट्रहित की मांग है और कांग्रेस अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखेगी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने भी विपक्षी दलों का आह्वान किया कि देश के लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बचाने के लिए सभी को साथ मिलकर काम करना चाहिए सोनिया ने कांग्रेस समेत 19 विपक्षी दलों के नेताओं की डिजिटल बैठक में संसद के हालिया मानसून सत्र के दौरान दिखी विपक्षी एकजुटता का उल्लेख किया और कहा, ''मुझे भरोसा है कि यह विपक्षी एकजुटता संसद के आगे के सत्रों में भी बनी रहेगी। परंतु व्यापक राजनीतिक लड़ाई संसद से बाहर लड़ी जानी है।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''निश्चित तौर पर (हमारा) लक्ष्य 2024 का लोकसभा चुनाव है। हमें देश को एक ऐसी सरकार देने के उद्देश्य के साथ व्यवस्थिति ढंग से योजना बनाने की शुरुआत करनी है कि जो स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों और संविधान के सिद्धांतों एवं प्रावधानों में विश्वास करती हो।''उन्होंने विपक्षी दलों का आह्वान किया, '' यह एक चुनौती है, लेकिन हम साथ मिलकर इससे पार पा सकते हैं और अवश्य पाएंगे क्योंकि मिलकर काम करने के अलावा

कोई दूसरा विकल्प नहीं है। हम सभी की अपनी मजबूरियां हैं, लेकिन अब समय आ गया है जब राष्ट्र हित यह मांग करता है कि हम इन विवशताओं से ऊपर उठें।'' सोनिया कहा, ''देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ अपने व्यक्तिगत और सामूहिक संकल्प पर फिर जोर देने का सबसे उचित अवसर है। मैं यह कहूंगी कि कांग्रेस की तरफ से कोई कमी नहीं रहेगी।'' वर्चुअल बैठक के बाद जारी साझा बयान में कहा गया है कि सभी 19 दल 20 से 30 सितंबर तक पूरे देश में विरोध प्रदर्शन करेंगे। साझा बयान में तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने और राजनीतिक बंदियों को रिहा करने समेत 11 मांगें की गईं। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने सुझाव दिया कि विपक्ष के नेताओं का एक कोर ग्रुप बनना चाहिए, जो कि साझा कार्यक्रमों व आंदोलनों पर निर्णय करे। ममता ने विपक्षी नेताओं से कहा वे अपने मतभेद अलग रखें और 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को परास्त करने के लिए एकजुट होकर काम करें। लोकतांत्रिक जनता दल के प्रमुख शरद यादव ने बैठक के बाद कहा कि ममता बनर्जी ने कोर ग्रुप बनाने और उसकी हर तीन चार दिनों में बैठक करने का सुझाव दिया। लंबे अरसे बाद हुई विपक्ष की साझा बैठक में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह व कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी शामिल हुए। इनके अलावा द्रमुक प्रमुख एमके स्टालिन, टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे, राकांपा नेता शरद पवार, लोकतांत्रिक जनता दल के नेता शरद यादव, माकपा नेता सीताराम येचुरी भी जुड़े। कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा बुलाई गई इस अहम बैठक में कुल 19 दलों के नेताओं ने भाग लिया।

तालिबान के सामने बिना लड़े समर्पण किया अफगानिस्तान ने

अफगानिस्तान के खराब हालात को देखकर प्रत्येक देश अपने नागरिकों को वहां से निकालने में लगा है। सबको अपनी आपाधापी पड़ी है। अपने देशवासियों को बचाने, अफगानिस्तान से निकाल कर ले जाने की चिंता है। चिंता है कि उनके देश वाले किसी तरह बाहर आ जाएं। अफगानिस्तान रहने वालों को किसी का ख्याल नहीं, उनके बारे में कोई नहीं सोच रहा। वहां की महिलाओं और युवतियों का किसी को ख्याल नहीं। अफगानिस्तान की जनता जाए भाड़ में। किसी को उससे कुछ लेना-देना नहीं। तालिबानी युग में वहां के लोगों का जीवन कैसा होगा ? वह कैसे जीवन जिएंगे, इससे किसी को कोई लेना देना नहीं। काबुल एयरपोर्ट के हालत से अंदाजा लगाया जा सकता है कि अफगानिस्तान की हालत क्या होगी ? तालिबान शासन में उन पर क्या बीतेगी ?

काबुल के बुरे हालात

काबुल एयरपोर्ट के हालात, वहां के चित्र, वीडियो तो वह हैं, जो हम तक पहुँच रहे हैं। जहां मीडिया की पंहुच नहीं, उसकी सिर्फ कल्पना की जा सकती है। तालिबानी युग में जनता पर क्या-क्या जुल्म होंगे ये उसकी चिंता जाहिर करने को बहुत हैं। एयरपोर्ट के बाहर लगी कंटीले तारों की बाड़ से अपने आप अंदर आने में असमर्थ महिलाएं अपने बच्चों को बचाने के लिए तारों के ऊपर से जिस तरह उन्हें फेंक रही हैं, उसे देखकर वहां के हालात की गंभीरता समझी जा सकती है।

दरअसल अफगानिस्तान में तालिबान कहे कुछ भी पर आज वह वहां विजेता है। विजेता पराजित होने वालों के साथ जो करता रहा है, वह जगजाहिर है। पराजित देश की जनता उसकी गुलाम होती है। महिलाएं और युवती भोग्या। ये सदियों से चला आ रहा सिलसिला है। न कभी रूकेगा, न खात्म होगा।

विजयी होने के बाद सेना की चलती है। लूटपाट उसका अधिकार होता है। यही काबुल एयरपोर्ट पर एकत्र भीड़ का डर है। युद्ध में अन्य स्थान पर नियंत्रित सेना होती है, उसके अपने कमांडर होते हैं। जीतने के बाद वही आपा खो बैठती है। यहां तो लुटेरों के गिरोह हैं। वे किसी के नियंत्रण में नहीं हैं। अपनी मर्जी के मालिक हैं।

दूसरे अमेरिका कह रहा है कि सेना की मदद करने वालों को वह निकालेगा। लेकिन सबको निकाल कर ले जाना तो संभव नहीं है। कितनों को वह शरण देगा। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद वहां की जनता भाग रही है। आसपास के देशों के बॉर्डर पर भी उनकी भीड़ है। अपने देश की जनता के लिए साधन जुटाने में लगे देश दूसरे देश के कितने नागरिकों को शरण दें। मानवता की भी एक हद होती है। ऐसे में अफगान सीमा से लगे देशों को खुदगर्जी छोड़ अफगानिस्तान वालों को उनके ही देश में ही मदद करना ज्यादा बेहतर होगा। इन्हें यह भी ध्यान रखना होगा कि यहां सक्रिय तालिबानी अफगानिस्तान सरकार के ही दुश्मन नहीं हैं, यहां वह भी हैं जो चीन के उइगर मुसलमानों के कट्टर समर्थक हैं। अमेरिका का भी करोड़ों डॉलर का ईनामी एक आतंकवादी यहां सरेआम घूमता नजर आ रहा है। अमेरिका के सेना वापसी के कदम ने एक काम बढ़िया किया है कि अब तक तालिबान की मदद कर रहे चीन, पाकिस्तान और रूस अब अपनी बचाने में लग गए हैं। उन सबको अपने पर खतरा नजर आ रहा है। लग रहा है कि अफगानिस्तान पर कब्जा पाने के बाद ये तालिबानी उनके सामने परेशानी खड़ी कर सकते हैं।

जातिगत गणना की मांग

“ आज राजनीति की जो दिशा है, उसमें जातिगत जनगणना के पक्ष में माहौल बनना स्वाभाविक ही लगता है। इस मांग के गहरे सियासी मायने हैं, शायद इसीलिए आजाद भारत की सरकारें इस मोर्चे पर उदासीन रही हैं। हमें गौर करना चाहिए कि जातिगत जनगणना की मांग उस प्रदेश से दिल्ली पहुंची है, जो विकास के ज्यादातर पैमानों पर देश में सबसे पीछे है। बिहार के राजनीतिक दल जातिगत जनगणना के लिए एकमत नजर आ रहे हैं। सोमवार को बिहार में सक्रिय 10 राजनीतिक दलों के नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। इन नेताओं की मांग है कि केवल बिहार ही नहीं, बल्कि पूरे देश में जातिगत जनगणना होनी चाहिए। बिहार की मांग का वजन इस बात से भी बढ़ जाता है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ ही नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) से पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी, भाजपा की ओर से बिहार में मंत्री जनक राम भी शामिल थे। मतलब, भाजपा, कांग्रेस, जद-यू, वामपंथी, दलित, पिछड़े नेता जातिगत जनगणना के पक्ष में हैं।

जातिगत जनगणना: पीएम मोदी से मिले नीतीश समेत 11 नेता, तेजस्वी बोले- जानवरों की गणना होती है तो इंसानों की क्यों नहीं ?

केवल बिहार ही नहीं, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में भी जातिगत जनगणना की मांग होती रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समझाने की कोशिश की है कि पूरे देश में लोगों को इससे फायदा होगा। क्या सभी राजनीतिक दलों ने नफा-नुकसान का अनुमान लगा लिया है? गौरतलब है, इसी महीने जनता दल-यू का प्रतिनिधिमंडल गृह मंत्री अमित शाह से भी यह मांग कर चुका है। अब यदि प्रधानमंत्री के सामने भी मांग की गई है, तो संभव है आने वाले दिनों में सकारात्मक जवाब आए। सबसे बड़ी बात, प्रधानमंत्री ने जातीय जनगणना को नकारा नहीं है। जिस हिसाब से अन्य राज्यों में भी जातिगत जनगणना की मांग बढ़ रही है, उससे यही लगता है कि केंद्र सरकार पर दबाव बढ़ता चला जाएगा। विपक्षी दल चुनावी मैदान में इसे मुद्दा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

देश में जातिगत जनगणना की मांग उठने लगी है। इस बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ दस दलों के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दिल्ली में मुलाकात की। यह बैठक करीब 40 मिनट से ज्यादा चली। बैठक के बाद मीडिया से मुखातिब होते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार की सभी राजनीतिक पार्टियों का जातिगत जनगणना को लेकर एक मत है। हम सभी ने प्रधानमंत्री से इसकी मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार के एक मंत्री का बयान आया था कि जाति के आधार पर जनगणना नहीं होगी। इसलिए हम सभी ने प्रधानमंत्री

से मिलकर बात की। उन्होंने हमारी पूरी बात सुनी, उन्हें हर पहलू से अवगत कराया गया है।

वैसे जातिगत जनगणना के फायदे भी हैं और नुकसान भी। क्या इसके फायदे उठाने की समझदारी हमारे राजनीतिक दलों में पर्याप्त है? क्या इससे होने वाले नुकसान को संभालने के लिए भी पार्टियां तैयार हैं? क्या जातिगत आंकड़े दुरुस्त न होने के कारण जन-कल्याणकारी योजनाओं या आरक्षण देने में कोई परेशानी आ रही है? हमारे यहां चुनाव के समय ही जातिगत आंकड़ों की सबसे ज्यादा जरूरत पड़ती है। सबसे बड़ा खतरा यही है कि आंकड़े स्पष्ट होंगे, तो उनका इस्तेमाल भी बढ़ेगा। पिछली जाति आधारित जनगणना 1931 में हुई थी और उन्हीं आंकड़ों के आधार पर कटु सियासत होती है।

आंकड़े आने के बाद लागू होंगी कल्याणकारी योजनाएं

राजद नेता तेजस्वी यादव भी पीएम मोदी से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि जातियों को ओबीसी में शामिल करने का हक राज्य सरकारों को दे दिया गया है, लेकिन इससे कोई फायदा नहीं होगा। क्योंकि, हमारे पास कोई आंकड़े ही नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना राष्ट्रहित में ऐतिहासिक काम होगा। एक बार आंकड़े सामने आ जाएंगे तो सरकारें उसके हिसाब से कल्याणकारी योजनाओं को भी लागू कर पाएंगी। तेजस्वी बोले- जब देश में जानवरों, पेड़-पौधों की गणना होती है तो इंसानों की क्यों नही। उन्होंने कहा कि अगर धर्म के आधार पर जनगणना होती है तो जाति के आधार पर भी होकर रहेगी।

राजस्थान में गहलोत-पायलट में होगी सुलह ?

राजस्थान कांग्रेस में सत्ता को लेकर चल रहा संकट अभी नहीं निपट पाया है। इस कारण प्रदेश में बहु-प्रतीक्षित मंत्रिमंडल में फेरबदल व विस्तार रुका पड़ा है। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट में पिछले सवा साल से आर-पार की लड़ाई चल रही है। कांग्रेस आलाकमान के हस्तक्षेप के बाद भी दोनों गुटों के नेता झुकने को तैयार नहीं हैं। इस कारण राजस्थान में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के समक्ष असमंजस की स्थिति बनी हुई है। दोनों ही गुटों के नेता अपने-अपने समर्थकों को लामबंद करने में लगे हुए हैं।

कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी चाहती हैं कि राजस्थान में सचिन पायलट समर्थकों को भी पर्याप्त सम्मान मिले व उन्हें भी मंत्रिमंडल में शामिल किया जाए। इसके लिए कांग्रेस आलाकमान द्वारा पूरी कवायद की जा रही है। मगर इसके उपरांत भी राजस्थान में मंत्रिमंडल में फेरबदल व राजनीतिक नियुक्तियां नहीं हो पा रही हैं। अशोक गहलोत चाहते हैं कि मंत्रिमंडल का सिर्फ विस्तार किया जाए। मंत्रिमंडल में रिक्त स्थानों पर नए मंत्रियों की नियुक्ति हो। किसी भी वर्तमान मंत्री को हटाया नहीं जाए। जबकि कांग्रेस आलाकमान के पास राजस्थान सरकार के कई मंत्रियों के खिलाफ लंबी चौड़ी शिकायतें पहुंच रही हैं। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री सचिन पायलट भी अपने समर्थक 6 विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल करवाना चाहते हैं। जबकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पायलट समर्थक तीन लोगों को ही मंत्री बनाने की जिद पर अड़े हुए हैं। पायलट खेमे से मंत्री बनने वाले तीन विधायकों का चयन भी मुख्यमंत्री गहलोत अपनी मर्जी से करना चाहते हैं जो पायलट को मंजूर नहीं है।

पिछले महीने दिल्ली से आये वरिष्ठ नेता लगातार राजस्थान का दौरा कर गहलोत को मनाने का प्रयास करते रहे। मगर बात नहीं बन पाई। कांग्रेस के सबसे शक्तिशाली संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, राजस्थान के प्रभारी राष्ट्रीय महासचिव अजय माकन, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कुमारी शैलजा, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार भी इसी सिलसिले में राजस्थान का दौरा कर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मिलकर पायलट गुट को समायोजित करवाने का प्रयास कर चुके हैं। राजस्थान के प्रभारी महासचिव अजय माकन तो लगातार तीन दिनों तक कांग्रेस के सभी विधायकों, बसपा से आए 6 विधायकों, सरकार को समर्थन दे रहे निर्दलीय विधायकों से फीडबैक ले चुके हैं। फीडबैक के दौरान अधिकांश विधायकों ने माकन से सरकार में शामिल कई मंत्रियों की जमकर शिकायतें भी की थीं।

अपनी तीन दिवसीय यात्रा के बाद दिल्ली रवानगी से पूर्व पत्रकारों से बातचीत में एक सवाल के जवाब में माकन ने तो इतना भी कह दिया था कि मैं ही दिल्ली हूं। उनका इशारा था कि वह जो निर्णय करेंगे वही कांग्रेस आलाकमान का निर्णय माना जाएगा। मगर मकान द्वारा लिए गए फीडबैक का अभी तक कोई नतीजा नहीं निकल पाया है। वहीं मुख्यमंत्री गहलोत के नजदीकी स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल ने तो यहां तक कह दिया था कि राजस्थान में तो कांग्रेस के एकमात्र आलाकमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ही हैं। जैसा गहलोत चाहेंगे वैसा ही राजस्थान में होगा। धारीवाल के बयान को माकन के मैं ही दिल्ली हूं वाले बयान का जवाब माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि धारीवाल से बयान दिलवा कर गहलोत ने माकन को भी उनकी सीमा में बांध दिया है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी राजस्थान का पूरा मामला हैंडल कर रही हैं। सचिन पायलट की बगावत के बाद प्रियंका गांधी के प्रयासों से ही पायलट बगावत छोड़कर फिर से कांग्रेस के साथ आ गए थे। उस समय प्रियंका गांधी ने पायलट से वादा किया था कि उनकी सभी समस्याओं का समाधान करवाया जाएगा और पार्टी में उन्हें सम्मानजनक स्थान दिया जाएगा। प्रियंका गांधी के प्रयासों से ही गहलोत व पायलट के मध्य उपजे विवादों को दूर करवाने के लिए कांग्रेस आलाकमान ने वरिष्ठ नेताओं- अहमद पटेल, केसी वेणुगोपाल व अजय माकन की एक तीन सदस्यीय समिति बनाई गयी थी। उस समिति को पायलट व गहलोत के मध्य सुलह करवाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। मगर अचानक ही समिति के वरिष्ठ सदस्य अहमद पटेल का कोरोना से निधन हो जाने के कारण समिति एक तरह से निष्क्रिय होने से आगे की प्रक्रिया रुक गई थी।

कोरोना की तीसरी लहर: कितने तैयार हैं हम

कोरोना के नए केसों की संख्या में फिर बढ़ोतरी शुरू हो गई है। मई में दूसरी लहर की पीक के बाद से हर हफ्ते नए केसों की संख्या कम होते जाने का सिलसिला पिछले सप्ताह थम गया। खास बात यह कि कोरोना के सबसे ज्यादा मामले भले केरल में पाए जा रहे हों, नए केसों में बढ़ोतरी दिल्ली समेत 13 राज्यों में देखी गई है। खासकर पहाड़ी राज्यों- हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में तो यह बढ़ोतरी क्रमशः 64 फीसदी और 61 फीसदी की है। जाहिर है, तीसरी लहर के जिस खतरे की बात लगातार की जा रही थी, वह अब करीब आ गया है। दुनिया के कई अन्य देश कोरोना संक्रमण की तेजी से बढ़ती संख्या की चपेट में हैं। जापान में ओलिंपिक खेल तो कार्यक्रम के मुताबिक चल रहे हैं, लेकिन कोविड केसों की बढ़ती संख्या के चलते देश के कई हिस्सों में आपातकाल लागू करना पड़ा है। चीन तो कोरोना से उबर चुका था, लेकिन वहां भी इसने फिर तेजी से सिर उठाया है। नानजिंग शहर इसका नया केंद्र है। 50 फीसदी से ज्यादा आबादी का टीकाकरण हो जाने के बावजूद अमेरिका में भी कोरोना संक्रमण बढ़ रहा है और काफी हद तक यूरोपीय देशों में भी। अपने देश में तो टीकाकरण की रफ्तार भी काफी कम है। करीब 94 करोड़ की वयस्क आबादी में से जुलाई के अंत तक 10.3 करोड़ लोगों को ही वैक्सीन की दोनों डोज लगी थी। यानी लगभग 11 फीसदी।

हाल में सीरो सर्वे के आंकड़ों ने जरूर राहत दी थी, लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि उसी सर्वे के मुताबिक करीब 40 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिनमें एंटी बॉडीज नहीं डिवेलप हुई हैं। जाहिर है, किसी भी तर्क से हम तीसरी लहर के खतरे को कम करके नहीं आंक सकते। ऐसे में बचाव के उपायों को तेज करने के अलावा और कोई रास्ता नहीं है। ऐसा पहला उपाय टीकाकरण की रफ्तार को यथासंभव तेज करना ही है। पक्ष और विरोध में होने वाली राजनीतिक बयानबाजियों को किनारे करके देखें तो पिछले महीने सरकार ने करीब 66 करोड़ डोज टीकों के ऑर्डर बुक किए हैं। इसके मद्देनजर उम्मीद की जा सकती है कि टीकों की कमी की वैसी समस्या इस महीने नहीं रहेगी जैसी पिछले महीनों में दिखी थी। लेकिन तेज टीकाकरण की राह में यह एकमात्र बाधा नहीं है। सरकारी तंत्र की सीमाएं और आम लोगों की बेरुखी जैसी अड़चनें भी हैं। साल के अंत तक पूरी वयस्क आबादी को टीकाकरण के दायरे में लाने का लक्ष्य पूरा करना है तो रोज करीब 92 लाख डोज देने होंगे। मौजूदा औसत करीब 38 लाख का है। इसके अलावा नए-नए वैरिएंट पर टीकों का कितना असर होता है, यह भी देखना होगा। कुल मिलाकर, जितना हो सके टीकाकरण में तेजी जरूर लाई जाए, लेकिन बचाव का सबसे भरोसेमंद तरीका अभी भी मास्क पहनना, दूरी बनाए रखना और सावधानी बरतना ही होगा।

सर्व ह्रदय सम्राट थे कल्याण सिंह

कभी भाजपा और संघ परिवार में हिंदुत्व का सबसे बड़ा चेहरा रहे उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को राजनीति की सीढ़िया चढ़ने के लिए पार्टी के भीतर बाहर बहुत जूझना पड़ा। भारतीय जनता पार्टी आज जिस सोशल इंजीनियरिंग के लिए जानी जाती है, उसके प्रतिपादक भले ही पार्टी महासचिव के.एन.गोविंदाचार्य माने जाते हों, लेकिन उसके व्यवहारिक जनक कल्याण सिंह ही थे। दिलचस्प संयोग है कि कल्याण सिंह अकेले ऐसे नेता थे जो कमंडल की राजनीति से निकल कर न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश में भाजपा की मंडलवादी पहचान बने। एक तरह से कल्याण सिंह कमंडल राजनीति का मंडलवादी चेहरा थे।

भारतीय राजनीति के युगपुरुष, श्रेष्ठ राजनीतिज्ञ, कोमलह्रदय संवेदनशील मनुष्य, वज्रबाहु राष्ट्रप्रहरी, भारतमाता के सच्चे सपूत और भारतीय राजनीति में भगवान श्रीरामचन्द्र जी के हनुमान हिन्दू ह्रदय सम्राट कल्याण सिंह ऐसे नेताओं में गिने जाते हैं जिन्होंने भारतीय राजनीति में अनेकों मिसालें पेश की हैं। हिन्दू ह्रदय सम्राट कल्याण सिंह का राजनीतिक व व्यक्तिगत जीवन हमेशा से बेदाग रहा है। कल्याण सिंह के कुशल प्रशासन की मिसालें तब तक दी जायेंगी जब तक ये संसार रहेगा। कल्याण सिंह ने जमीन से जुड़े रहकर राजनीति की और ''जनता के नेता'' के रूप में लोगों के दिलों में अपनी खास जगह बनायी थी। एक ऐसे इंसान जो बच्चे, युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों सभी के बीच में लोकप्रिय थे। देश का हर हिन्दू युवा, बच्चा उन्हें अपना आदर्श मानता था। हिन्दू ह्रदय सम्राट कल्याण सिंह का व्यक्तित्व हिमालय के समान विराट था। कल्याण सिंह को भारतीय राजनीति में बाबूजी के रुप में जाना जाता था।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का जन्म 5 जनवरी सन् 1932 को उत्तर प्रदेश के अलीगढ जनपद की अतरौली तहसील के मढ़ौली ग्राम के एक सामान्य किसान परिवार में हुआ। कल्याण सिंह के पिता का नाम तेजपाल सिंह लोधी और माता का नाम सीता देवी था। कल्याण सिंह में बचपन से ही नेतृत्व करने की क्षमता थी। कल्याण सिंह बचपन में ही राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ से जुड़ गए थे और राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ की शाखाओं में भाग लेने लगे थे। कल्याण सिंह ने विपरीत परिस्थितियों में कड़ी मेहनत कर अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद कल्याण सिंह ने अध्यापक की नौकरी की। और साथ-साथ राष्टीय स्वंयसेवक संघ से जुड़ कर राजनीति के गुण भी सीखते रहे। कल्याण सिंह राष्टीय स्वंयसेवक संघ में रहकर गांव-गांव जाकर लोगों में जागरुकता पैदा करते रहे। कल्याण सिंह का विवाह रामवती देवी से हुआ। कल्याण सिंह के दो सन्तान है। एक पुत्र और एक पुत्री, पुत्र का नाम राजवीर सिंह उर्फ राजू भैया है और पुत्री का नाम प्रभा वर्मा है। कल्याण सिंह के पुत्र राजवीर सिंह उर्फ राजू भैया वर्तमान में उत्तर प्रदेश की एटा लोकसभा सीट से संसद सदस्य हैं। कल्याण सिंह ने अपना पहला विधानसभा चुनाव अतरौली से जीतकर 1967 में उत्तर प्रदेश विधानसभा पहुंचे। कल्याण सिंह 1967 से लगातार 1980 तक उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य रहे। इस बीच देश में आपातकाल के समय कल्याण सिंह 1975-76 में 21 महीने जेल में रहे। इस बीच कल्याण सिंह को अलीगढ और बनारस की जेलों में रखा गया। आपातकाल समाप्त होने के बाद 1977 में रामनरेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया। जिसमें कल्याण सिंह को स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया। सन् 1980 के उत्तर प्रदेश के चुनावों में कल्याण सिंह विधानसभा का चुनाव हार गये।

भाजपा के गठन के बाद कल्याण सिंह को उत्तर प्रदेश का संगठन महामंत्री बनाया गया। इस बीच कल्याण सिंह ने गाँव-गाँव, घर-घर जाकर भाजपा को उत्तर प्रदेश में पहचान दिलाने में अहम् भूमिका निभाई। कल्याण सिंह 1985 से लेकर 2004 तक लगातार उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य रहे। इस बीच कल्याण सिंह दो बार भाजपा के उत्तर पदेश से प्रदेश अध्यक्ष रहे। इस बीच राष्टीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई में उत्तर पदेश में राम मंदिर आंदोलन चलाया गया। इस आंदोलन में कल्याण सिंह ने भी अहम् भूमिका निभाई। राम मंदिर आंदोलन की वजह से उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में भाजपा का उभार हुआ। और जून 1991 में भाजपा ने उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत से सरकार बनायी। जिसमे कल्याण सिंह की अहम भूमिका रही। और कल्याण सिंह को मुख्यमंत्री बनाया गया। कल्याण सिंह के मुख्यमंत्री रहते कारसेवकों द्वारा अयोध्या में विवादित बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद वहाँ श्री राम का एक अस्थायी मन्दिर निर्मित कर दिया गया। कल्याण सिंह ने बाबरी मस्जिद विध्वंस की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुये 6 दिसम्बर 1992 को मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया। यहीं से भाजपा को कल्याण सिंह के रूप में हिंदुत्ववादी चेहरा मिल गया। इसके बाद उत्तर प्रदेश में भाजपा ने कल्याण सिंह के नेतृत्व में अनेक आयाम छुए। 1993 के उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में कल्याण सिंह अलीगढ के अतरौली और एटा के कासगंज से विधायक निर्वाचित हुये। इन चुनावों में भाजपा कल्याण सिंह के नेतृत्व में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। लेकिन सपा-बसपा ने मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में गठबन्धन सरकार बनायी। और उत्तर प्रदेश विधान सभा में कल्याण सिंह विपक्ष के नेता बने। इसके बाद कल्याण सिंह 1997 से 1999 तक पुनः दूसरी बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। कल्याण सिंह के मुख्यमंत्री काल में कानून व्यवस्था एक दम मजबूत थी। इसलिए आज तक उत्तर प्रदेश में लोग कल्याण सिंह के मुख्यमंत्री काल की मिसाल देते हैं। देश के भावी प्रधानमंत्री कहे जाने वाले कल्याण सिंह को राष्ट्रपति ने केंद्र सरकार की सिफारिश पर सितबर 2014 में राजस्थान का राज्यपाल बनाया। इसके बाद कल्याण सिंह को जनवरी 2015 से अगस्त 2015 तक हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया। लेकिन राजस्थान का राज्यपाल रहते हुए भी कल्याण सिंह का दखल उत्तर प्रदेश की राजनीति में रहा। कल्याण सिंह ने राजस्थान के राज्यपाल के रूप में अपना 05 साल का कार्यकाल पूरा किया और 08 सितम्बर 2019 तक कल्याण सिंह राजस्थान के राज्यपाल रहे। इसके बाद कल्याण सिंह ने 09 सितम्बर 2019 को लखनऊ में भाजपा की पुनः सदस्यता ली और फिर से भाजपाई हो गए।

जनसहयोग से ही होगा आत्मनिर्भर मप्र का नव निर्माण

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश के निर्माण के लिए हर नागरिक को अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करना होगा। प्रदेश के निर्माण के लिए जनता के साथ मिलकर निर्णय लेने के उद्देश्य से प्रदेश में जनभागीदारी मॉडल विकसित किया गया है। प्रदेश में विभिन्न वर्गों की पंचायतों का आयोजन पुनः आरंभ किया जाएगा। जनता के कल्याण की योजनाएँ जनता के साथ मिलकर बनाई जाएंगी और उनका क्रियान्वयन भी जनता के माध्यम से होगा। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का निर्माण जनभागीदारी से किया जाएगा। हमें जनता का सहयोग चाहिए जनसहयोग के बिना अकेली सरकार प्रदेश का नव निर्माण नहीं कर सकती है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज लाल परेड ग्राउंड पर आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह के राज्यस्तरीय कार्यक्रम में ध्वजारोहण तथा परेड की सलामी के बाद जनता को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए प्रदेश के नागरिकों को ईमानदारी से अपने कर्तव्य और दायित्वों का पालन करने, कोरोना अनुकूल व्यवहार के पालन, बेटियों का सम्मान करने और स्वच्छता अभियान में भाग लेने का संकल्प लेना होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हम मिलकर समृद्ध विकसित और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का निर्माण करेंगे। मैं ऐसे मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए स्वयं को समर्पित करता हूँ।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के संकल्प के अनुपालन में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में हमारा प्रदेश देश में प्रथम रहेगा। प्रदेश के मस्तक पर जनभागीदारी की कुम-कुम और सुशासन के अक्षत से आत्म-निर्भरता का तिलक करें। हमें कदम मिलाकर चलना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारी सरकार समावेशी विकास के साथ सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। अन्य पिछड़ा वर्ग का मामला हो, अनुसूचित जाति- जनजाति का कल्याण हो या महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान का विषय हो, राज्य सरकार प्रत्येक क्षेत्र में निरंतर कार्यरत है। अनुसूचित जनजाति के बहनों-भाइयों की भावनाओं, संस्कृति, जीवनमूल्य, परंपरा, रोजगार और शिक्षा के लिए 18 सितम्बर रघुनाथ शाह शंकरशाह के बलिदान दिवस से विशेष अभियान आरंभ किया जाएगा जो 15 नवम्बर भगवान बिरसा मुंडा की जयंती तक चलेगा। अभियान में कला और संस्कृति की रक्षा, रोजगार के अवसरों की उपलब्धता के साथ-साथ स्वास्थ्य रक्षा और जागरूकता के लिए विशेष गतिविधियां चलाई जाएंगी। सरकार द्वारा÷ देवारण्य÷ योजना प्रारंभ की जा रही है। योजना में जनजातीय बहुल क्षेत्रों में वहाँ के इको सिस्टम के अनुसार परंपरागत औषधीय पौधों और सुगन्धित पौधों को उगाने से लेकर उनकी प्रोसेसिंग,ब्रांडिंग, मार्केटिंग एवं विक्रय की सम्पूर्ण वैल्यू चेन विकसित की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अनुसूचित जनजाति के भाई-बहनों को सामुदायिक वन प्रबंधन के अधिकार देने की घोषणा की मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग की सुरक्षा, सम्मान, रोजगार और शिक्षा की भरपूर चिंता की जाएगी। बजट में इसके लिए 17 हजार 980 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संविधान में संशोधन कर पिछड़ा वर्ग के बहनों और भाईयों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक आयोग का दर्जा दिया गया है। हमारी सरकार पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। पिछड़े वर्गों के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक स्थिति का अध्ययन करने के लिए एक नया आयोग गठित किया जाएगा, जो व्यापक पैमाने पर पिछड़ा वर्ग की स्थितियों का अध्ययन कर उनकी स्थिति में सुधार के लिए अपनी अनुशंसाएँ देगा।

मुख्यमंत्री चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश बीमारू राज्य की पहचान से मुक्त हुआ: प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश, बीमारू राज्य की अपनी पहचान से मुक्त हुआ है। मध्यप्रदेश के शहर स्वच्छता और विकास में नए उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत आयोजित अनाज वितरण कार्यक्रम के लिए बधाई देते हुए कहा कि लगभग 5 करोड़ हितग्राहियों को मध्यप्रदेश में योजना में एक साथ अनाज उपलब्ध कराने का बड़ा अभियान चल रहा है। इस कार्यक्रम ने मुझे गरीबों के बीच बैठकर बात करने का मौका दिया है। इससे गरीबों के लिए कुछ न कुछ करते रहने की मुझे ताकत मिलती है। यह दुःखद है कि प्रदेश के कई जिलों में अति वर्षा और बाढ़ से लोगों का जीवन और आजीविका प्रभावित हुई है। केन्द्र सरकार प्रदेश की जनता के साथ है। मुख्यमंत्री श्री चौहान और उनकी पूरी टीम राहत और बचाव के हरसंभव कार्य कर रही है। केन्द्र सरकार की ओर से भी सभी आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में आयोजित निःशुल्क राशन वितरण कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने योजना के हितग्राही सतना के दिलीप कुमार कोरी, निवाड़ी के चंद्र बदन विश्वकर्मा, होशंगाबाद की माया धुर्वे और बुरहानपुर के राजेंद्र शर्मा से वर्चुअली संवाद भी किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने की। खाद्य मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह तथा सहकारिता मंत्री श्री अरविंद भदौरिया भी मिंटो हॉल में इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। उत्तराखंड के पूर्व मंत्री श्री सुदेश जोशी तथा मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह भी मंच पर उपस्थित थे। कार्यक्रम में लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

प्रधानमंत्री ने की मध्यप्रदेश की प्रशंसा

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने किसानों को मदद पहुँचाने की दिशा में सराहनीय कार्य किया है। प्रदेश में किसानों ने रिकार्ड उत्पादन किया और राज्य शासन ने एमएसपी पर रिकार्ड मात्रा में खरीद की व्यवस्था भी की। मध्यप्रदेश में गेहूँ की खरीद के लिए देश में सबसे अधिक खरीद केन्द्र बनाए गए। राज्य सरकार ने 17 लाख से अधिक किसानों से गेहूँ खरीदा और उनके खातों में 25 हजार करोड़ रूपए सीधे पहुँचाये।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि कोरोना 100 साल में आयी सबसे बड़ी आपदा है। हमारे देश की जनसंख्या अधिक होने के कारण हमें कई मोर्चों पर एक साथ लड़ना पड़ा। हमें स्वास्थ्य क्षेत्र में अधोसंरचना तैयार करने के साथ करोड़ों लोगों को राशन पहुँचाने, उनके रोजगार की व्यवस्था करने जैसी चुनौतियों का

भी सामना करना था। इन परिस्थितियों में सर्वोच्च प्राथमिकता गरीब को दी गई। 80 करोड़ से अधिक व्यक्तियों को निःशुल्क राशन पहुँचाने के साथ 08 करोड़ लोगों को गैस और 20 करोड़ से अधिक महिलाओं के जन-धन खातों में 30 हजार करोड़ रूपए ट्रांसफर किए गए। श्रमिकों और किसानों के बैंक खातों में भी हजारों करोड़ रूपए सीधे जमा कराए गए। इसी क्रम में दूसरे राज्यों में काम कर रहे श्रमिकों के लिए वन नेशन-वन राशन कार्ड की व्यवस्था की जा रही है।

डबल इंजन सरकार लाभकारी

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि डबल इंजन सरकार का सबसे बड़ा लाभ यही है कि केन्द्र सरकार की योजनाओं को राज्य सरकार और सँवार देती है। इससे योजनाओं की ताकत बढ़ती है। मध्यप्रदेश में स्किल डेव्हलपमेन्ट, स्वास्थ्य क्षेत्र में अधोसंरचना निर्माण, डिजिटल इन्फ्रा-स्ट्रक्चर, रेल तथा रोड कनेक्टिविटी आदि क्षेत्रों के कार्यों में अभूतपूर्व गतिशीलता है।

कोरोना काल में पेश की अनुकरणीय मिसाल

● ब्यूरो पुष्पांजली टुडे, ग्वालियर

अपनी पेंशन के साथ ही पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव ने अंचल के धार्मिक स्थल दंदरौआ धाम के महंत श्री रामदास महाराज से भी 2 लाख रूपये की राशि कोरोना मरीजों के लिए ऊर्जा मंत्री एवं कोविड प्रभारी प्रद्युम्न सिंह तोमर को भेंट की गई थी। दंदरौआ धाम के महंत रामदास महाराज ने पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव के आग्रह पर 2 लाख रूपए की राशि जयारोग्य चिकित्सालय समूह के अस्पताल में पहुंचकर प्रदान की। इस मौके पर ग्वालियर पूर्व के विधायक डॉ. सतीश सिंह सिकरवार, संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं एके दीक्षित, अधीक्षक जेएएच डॉ. आरकेएस धाकड़, शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा, सहकारिता नेता दशरथ सिंह गुर्जर व महाराज सिंह पटेल उपस्थित थे। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने दंदरौआ धाम के महंत रामदास महाराज द्वारा कोविड नियंत्रण के लिये जो सहयोग किया गया है उसके लिये आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में सरकार के साथ समाज के सभी लोगों को आगे आकर सहभागी बनना चाहिए। कोरोना संकट से मुक्ति के लिये सभी का सहयोग अपेक्षित है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने यह भी कहा कि पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव द्वारा भी अपनी पेंशन से एक लाख रूपए की राशि का जो सहयोग प्रदान किया गया है वह भी एक सराहनीय पहल है। कोरोना काल म पूर्व मंत्री एवं मप्र कांग्रेस सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रांताध्यक्ष भगवान सिंह यादव ने ग्वालियर में स्वास्थ्य सेवाओं की वृद्धि के लिए एक अनुकरणीय पहल की है। उन्होंने अपनी पेंशन से एक लाख रुपए की राशि जयारोग्य अस्पताल के अधीक्षक को अस्पताल में ऑक्सीजन एवं दवाओं के लिए प्रदान की है। वहीं दूसरी ओर कोरोना काल में भी विधायक और सांसद अपनी सरकारी निधि को ही सरकार को देते हुए नजर आए जबकि वर्तमान में सरकार द्वारा लगभग 7 सौ पूर्व विधायकों के परिवारों को पेंशन और 7 सौ विधायकों को पेंशन दी जा रही है लेकिन इनमें से कोरोना काल में सिर्फ पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री भगवान सिंह ही सामने आए और उन्होंने अपनी पेंशन राशि को जनता के लिए दान कर दिया। जो वाकई में काबिले तारीफ है उन्होंने एक सच्चे जनसेवक होने का परिचय दिया है उनकी इस अनुकरणीय पहल की चहुंओर प्रशंसा की जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक भगवान सिंह यादव द्वारा दी गई राशि उनकी पेंशन की तीन महीने की राशि थी जो कि उनको पूर्व विधायक के तौर पर हर माह मिलती है।

किसी भी बात की चिंता न करें शासन एवं प्रशासन दुख की घड़ी में आपके साथ है: गृहमंत्री मिश्रा

● ब्यूरो पुष्पांजली टुडे, दतिया

मध्यप्रदेश शासन के गृह, जेल, संसदीय कार्य एवं विधि विधायी कार्य विभाग के मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने दतिया जिले के बाढ़ प्रभावित चार ग्रामों के 117 परिवारों को 1 करोड़ 17 लाख 34 हजार की राशि प्रदाय की। इसके साथ ही उन्होंने पीढ़ित परिवारों को निशुल्क खाद्यान्न एवं दैनिक जीवन की वस्तुएं भी प्रदाय की। गृह मंत्री डॉ. मिश्र ने पहुंचहीन ग्राम चिड़िया टोला में चार बाढ प्रभावित ग्रामों के लिए बनाए गए राहत शिविर पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों से कुशल क्षेम पूछा और कहा कि आप किसी भी बात की चिंता न करें। शासन एवं प्रशासन दुख की घड़ी में आपके साथ है। उन्होंने इस मौके पर धौर्रा गांव के 49 पीड़ित परिवारों को चूनाघाट में 39, चैकी में 18 और बडोनकलां के 11 पीड़ित परिवारों को 1 करोड़ 17 लाख 34 हजार रूपये की राहत राशि एवं ,खाद्यान्न सामग्री प्रदान की। गृह मंत्री डॉ. मिश्र ने ग्राम चिड़िया टोला में संचालित राहत शिविर में बाढ़ से पीड़ित परिवारों के नाम सहित उन्हें दी गई राहत राशि की सूची भी पढ़कर सुनाई। उन्होंने कहा कि सूची पढ़ने का मुख्य उद्देश्य है कि पीड़ित परिवारों को मिलने वाली राहत राशि की जानकारी हो सके और विचोलिया इसका फायदा नहीं उठा सकें।

श्योपुर शहर सहित प्रभावित ग्रामों का पुर्ननिर्माण होगा

बाढ़ प्रभावित श्योपुर जिले को तेजी से उबारने के प्रयास होगें: केन्द्रीय मंत्री तोमर

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं श्योपुर-मुरैना संसदीय क्षेत्र के सांसद एवं केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने नगरपालिका के मैरिज गार्डन में बाढ़ प्रभावित लोगो से मुलाकात कर उन्हे ढांढस बंधाया तथा हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कविता मीणा, भाजपा के जिला अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र जाट, पूर्व विधायक श्री दुर्गालाल विजय, श्री बृजराज सिंह चौहान, भाजपा के प्रदेश कार्य समिति के सदस्य श्री महावीर सिंह सिसौदिया एवं श्री कैलाशनारायण गुप्ता, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष श्री अशोक गर्ग सहित प्रशासनिक अधिकारी आदि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इस अवसर पर कहा कि श्योपुर शहर सहित सभी प्रभावित ग्रामों का पुर्ननिर्माण कराया जावेगा। उन्होने कहा कि संकट बडा है, पर सरकार आपके साथ खडी है। चिंता की कोई बात नही है। इस संकट से हम जरूर उबरेगे। शासन, प्रशासन सब प्रकार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रहा है। उन्होने तात्कालीक रूप से सहायता करने वाले श्योपुर के विभिन्न समाजजनों, व्यापारियों आदि के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि जिसका भी नुकसान हुआ है, हर एक की मदद की जावेगी। उन्होने कहा कि आप संकट में थे, तो मैं भी चैन की नीद नही सोया। उन्होने कहा कि

नुकसान का सर्वे पारदर्शितापूर्ण तरीके से कराये जाने के निर्देश दे दिये गये है। कोई भी प्रभावित छूटना नही चाहिए। चाहे सर्वे दो बार तीन बार करना पडे। प्रशासन को कहा गया है कि उदारतापूर्वक सर्वे का कार्य किया जावे। जिनके मकान टूटे है अथवा ध्वस्त हो गये है। उन्हे मकान बनाने के लिए 01 लाख 20 हजार रूपयें की राशि दिये जाने का प्रावधान किया है। यह राशि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के प्रभावितों को दी जावेगी। 06-06 हजार रूपयें की राशि तात्कालीक रूप से आवास व्यवस्था तथ गृहस्थी के सामान के लिए 05-05 हजार रूपयें की राशि प्रदाय कर दी गई है। उन्होने कहा कि फसलों के नुकसान के लिए सर्वे कराया जावेगा तथा क्षति का आंकलन कर नुकसान की भरपाई की जावेगी। उन्होने कहा कि किसी भी व्यक्ति की राहत राशि में से कोई भी बैंक किसी भी प्रकार की राशि नही काटेगा। ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए उन्होने कलेक्टर श्री शिवम वर्मा को निर्देशित किया। बाढ़ प्रभावित व्यापारियों से चर्चा के बाद उन्होने कहा कि जिन व्यापारियों, दुकानदारों का पानी के कारण नुकसान हुआ है।

ग्वालियर-चंबल संभाग की अर्थव्यवस्था के लिये अटल प्रोग्रेस-वे मील का पत्थर साबित होगा: केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री तथा मुरैना सांसद श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी देश के चौतरफा विकास की परिकल्पना को सतत साकार कर रहे है। उनकी दूरदृष्टि के कारण हर क्षेत्र में विकास हो रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा अटल प्रोग्रेस-वे (चंबल एक्सप्रेस-वे) को भारतमाला परियोजना में शामिल करने से समूचे ग्वालियर-चबंल संभाग का चहुंमुखी विकास होगा और यह प्रोजेक्ट इस अंचल की अर्थव्यवस्था के लिए मील का पत्थर साबित होगा। श्री तोमर ने इसके लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी तथा केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गड़करी को धन्यवाद दिया है। अटल प्रोग्रेस-वे की मंजूरी के लिए केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने विभागीय मंत्री श्री गड़करी से अनेक बार चर्चा की थी, वहीं श्री गड़करी, श्री तोमर तथा मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में केंद्र एवं म.प्र., उत्तर प्रदेश व राजस्थान के संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त बैठक भी आयोजित की गई थी। श्री तोमर ने बताया कि अटल प्रोग्रेस-वे को भारत माला फेज-1 में शामिल करते हुए ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के रूप में विकसित किया जाएगा। श्योपुर, मुरैना व भिंड जिलों से होते हुए यह

एक्सप्रेस-वे म.प्र. में 312किलोमीटर लंबाई का होगा, जो पूर्व में झांसी (उत्तर प्रदेश) से और पश्चिम में कोटा (राजस्थान) से जोड़ते हुए बनाया जाएगा। इस एक्सप्रेस-वे के आसपास इंडस्ट्रियल कारिडोर भी बनाया जाएगा, जो इस पूरे क्षेत्र के आर्थिक विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा।इस नए मार्ग से आवाजाही के समय की तो बचत होगी ही, औद्योगिक क्षेत्रोंके विकास से अंचलवासियों को बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर ने बताया कि चंबल क्षेत्र की उत्तर भारत के प्रमुख

प्रधानमंत्री श्री मोदी व केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गड़करी के प्रति तोमर ने जताया आभार

औद्योगिक क्षेत्रों (दिल्ली व हरियाणा) एवं राजस्थान तथा उ.प्र. से निकटता एवं कनेक्टिविटी को देखते हुए यह भविष्य में हाई पोटेंशियल इंडस्ट्रियल जोन के रूप में विकसित होगा तथा चंबल क्षेत्र दिल्ली, उ.प्र., हरियाणा तथा पूर्वी राजस्थान, कुल लगभग 22 करोड़ जनसंख्या के बड़े बाजार के लिए उद्योग/विनिर्माण का केंद्र बन सकेगा। तहसील श्योपुर के 36 गाँव, वीरपुर के 19, मुरैना के 11, जौरा के 18, सबलगढ़ के 21, अंबाह के 6, पोरसा के 16 तथा अटेर के 25 गांव इस प्रोजेक्ट से सीधे-सीधे विकास की राह पर जुड़ेंगे। चंबल नदी किनारे एक्सप्रेस-वे का निर्माण होने से पूरे क्षेत्र को काफी फायदा होगा।

रक्षा क्षेत्र एवं अर्द्ध सैनिकबलों केजवानों की शिकायतों के त्वरितनिराकरण के लिये "सशस्त्र बल हेल्पडेस्क" का गठन

पुलिस अधीक्षक ग्वालियर की एक और अभिनव पहल

पुलिस अधीक्षक ग्वालियर अमित सांघी,भापुसे द्वारा एक और अभिनवपहल करते हुए रक्षा क्षेत्र एवं अर्द्ध सैनिकबलों के जवानों की शिकायतों के त्वरितनिराकरण के लिये पुलिस अधीक्षक कार्यालय ग्वालियर में ''सशस्त्रबल हेल्पडेस्क'' का गठन किया गया है। इस हेल्पडेस्क का नोडल अधिकारीअति0 पुलिस अधीक्षक(शहर मध्य)ग्वालियर श्रीमती हितिका वासल,भापुसे को तथा हेल्पडेस्कप्रभारीउप निरीक्षक शिवमराजावत को बनायागया है।''सशस्त्रबल हेल्पडेस्क'' के गठन का मुख्य उद्देश्य दूरदराज एवं दुर्गम क्षेत्रों में तैनातजवानोंतथा उनके परिजनोंकी समस्याओं का शीघ्रता से निराकरण करना है। इसके लिये ''सशस्त्र बल हेल्पडेस्क''नोडल अधिकारी व प्रभारी अधिकारी के मोबाइलनम्बर भी जारी किये गयेहैं।हेल्प डेस्क नोडल अधिकारी मोबाइल नम्बर 7587644762 तथा हेल्प डेस्क प्रभारी मोबाइल नम्बर 9981339217 है। इननम्बरों पर जवानों द्वारा अपनी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है या उनके परिजन

अथवा स्वयं हेल्पडेस्क में उपस्थित होकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायतजांच के निराकरण व प्रगति से संबंधित को दूरभाष पर अवगत कराया जावेगा। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा हेल्पडेस्क का गठन करते हुए कहा कि सैनिकों, रिटायर्डसैनिक और उनके परिजनों की समस्याओं को सहानुभूतिपूर्वकसुनाजाकरवरीयता से निराकरण कराया जावे। ग्वालियर अंचल रक्षा क्षेत्र एवं अर्द्ध सैनिकबलों का एक प्रमुख केन्द्र है। ग्वालियर में बीएसएफ एकेडमी, सीआरपीएफ एकेडमी, मुरार क्षेत्र में आर्मीकेंट तथा एयर फोर्सस्टेशन मौजूद हैं। रक्षा क्षेत्र एवं अर्द्ध सैनिकबलों के जवानदेश के विभिन्नभागों तथा दूरदराज एवं दुर्गम क्षेत्रों में तैनातहैं, जिनकेपरिजन ग्वालियर में निवासरत् हैं और उनकी जमीनजायदादयहां पर स्थित है। जिससे आये दिन जमीन जायदाद तथा आपसीविवाद संबंधी शिकायतें पुलिस थानों में आती रहती हैं लेकिन उनका शीघ्रता से निराकरण नहीं होपाता है, जिससे ड्यूटी पर तैनातजवानमानसिकपीड़ा से ग्रस्तरहता है। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर के संज्ञान में यह बातआने पर उनके द्वारा दूरदराज एवं दुर्गम क्षेत्रों में तैनातजवानों तथा उनके परिजनों की समस्याओं का शीघ्रता से निराकरण करने के लिये ''सशत्र बल हेल्पडेस्क'' का गठन किया गया है।

सड़क दुर्घटनायें एवं लोगों की जान बचाने के लिये बना 'विजन जीरो मध्यप्रदेश'

ग्वालियर परिवहन विभाग ने सड़क दुर्घटनाएँ रोकने और दुर्घटना में घायल लोगों की जान बचाने के लिए सुरक्षित प्रणाली पर आधारित ÷विजन जीरो मध्यप्रदेश÷ योजना तैयार की है। प्रदेश के परिवहन एवं राजस्व विभाग के मंत्री गोविंदसिंह राजपूत ने बुधवार को इस योजना का वर्चुअल शुभारंभ किया। शुभारंभ कार्यक्रम में उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एवं उच्चतम न्यायायल स्तर पर गठित सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष श्री अभय मनोहर सप्रे भी बतौर विशिष्ट अतिथि वर्चुअल रूप से शामिल हुए। यहाँ भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान के सभागार में विजन जीरो मध्यप्रदेश योजना का शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर परिवहन मंत्री ने कहा कि सभी के सहयोग से विजन जीरो मध्यप्रदेश लागू कर मध्यप्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जायेगा। परिवहन मंत्री ने शुभारंभ कार्यक्रम को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए कहा कि आजादी को मिले 75 साल हो चले हैं। इस दौरान देश ने काफी तरक्की की है। मगर सड़क दुर्घटनायें अभी भी चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा खेद की बात है कि सड़क दुर्घटनाओं में मध्यप्रदेश देश में दूसरे नम्बर पर है। इस बात को प्रदेश सरकार ने गंभीरता से लिया है और परिवहन विभाग के जरिए ÷विजन जीरो मध्यप्रदेश÷ योजना तैयार कराई है। उन्होंने कहा कि यह योजना पाँच स्तम्भों पर आधारित है। इसमें सुरक्षित गति, सुरक्षित रोड़, सुरक्षित वाहन, सुरक्षित चालक व्यवहार और दुर्घटना उपरांत सहायता शामिल है। श्री राजपूत ने कहा कि परिवहन, पुलिस, राष्ट्रीय सड़क विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग, शिक्षण संस्थाओं, चिकित्सक व स्वयंसेवी संस्थाओं सहित सम्पूर्ण सामाज की भागीदारी से ÷विजन जीरो मध्यप्रदेश÷ को अमलीजामा पहनाया जाएगा। कार्यक्रम में आयुक्त परिवहन मुकेश जैन, पुलिस उप महानिरीक्षक राजेश हिंगणकर,

कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, अपर परिवहन आयुक्त अरविंद सक्सेना, पुलिस अधीक्षक अमित सांघी व संयुक्त परिवहन आयुक्त अनूप कुमार सिंह मंचासीन थे। उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अभय मनोहर सप्रे ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा ÷विजन जीरो मध्यप्रदेश÷ लागू करने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इससे निश्चित ही दुर्घटनाओं में कमी आयेगी। साथ ही दुर्घटनाग्रस्त लोगों का जीवन बचाया जा सकेगा। उन्होंने कहा यह योजना तभी फलीभूत होगी जब प्रदेश का हर नागरिक इसे एक मिशन के रूप में अपनायेगा। सभी को यातायात नियमों का न केवल खुद पालन करना होगा बल्कि दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना होगा। तभी हम सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतों में कमी लाने में सफल होंगे। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व की 11 प्रतिशत सड़क दुर्घटनायें भारत में होती हैं। दुःखद पहलू है कि सड़क दुर्घटना में पूरे विश्व में भारत पहली पायदान पर है। श्री सप्रे ने कहा कि वर्ष 2019 में देश में लगभग 4 लाख 49 हजार सड़क दुर्घटनाएँ हुई जिनमें एक लाख 51 हजार 113 लोगों की मृत्यु हुई और 4 लाख 51 हजार 631 लोग घायल हुए।

ग्रामवासियों को स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती ऊषा देवी
सरपंच

अपील

कोरोना से बचाव के लिए मास्क लगाकर रखें, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें घर में रहें स्वस्थ रहें।
ग्राम को स्वच्छ बनाए रखें
पानी को बर्बाद न करें

HAPPY Rakhi

वंदे मातरम

रामकृष्ण प्रजापति
सरपंच पति

निवेदक : ग्राम पंचायत अम्लहलेड़ा, तहसील अटेर जिला भिण्ड

नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षा बंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं

वंदे मातरम

उपेन्द्र सिंह परमार
जनसेवक, वार्ड नंबर 7, ग्वालियर

नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षा बंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं

बालाजी ट्रेडर्स

HAPPY RAKSHA BANDHAN

हर्ष तोमर, प्रोपराईटर
हाऊस नंबर 384, न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मुरैना

ग्रामवासियों को स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं
निवेदक
ग्राम पंचायत पढराई,
जनपद गोहद, भिण्ड
HAPPY RAKSHA BANDHAN
कांति देवी, सरपंच
हीरेश मौर्य, सचिव

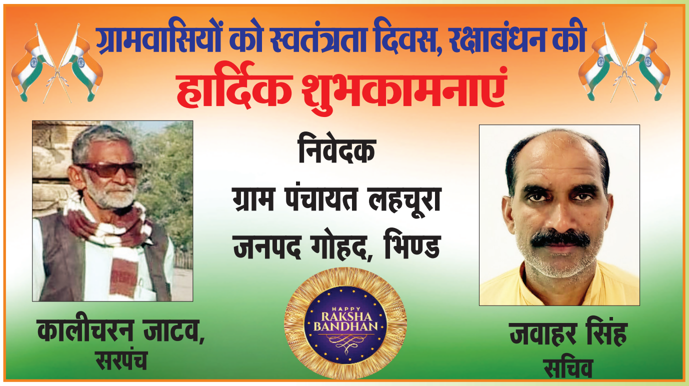
ग्रामवासियों को स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं
निवेदक
ग्राम पंचायत लहचूरा
जनपद गोहद, भिण्ड
HAPPY RAKSHA BANDHAN
कालीचरन जाटव,
सरपंच
जवाहर सिंह
सचिव

ग्रामवासियों को स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
निवेदक
ग्राम पंचायत ऐंडोरी
जनपद गोहद, भिण्ड
HAPPY RAKSHA BANDHAN
राम कल्याण
सरपंच
हरेन्द्र सिंह तोमर
सचिव

ग्रामवासियों को स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं
15th Aug
निवेदक
ग्राम पंचायत आलोरी
जनपद गोहद, भिण्ड
HAPPY RAKSHA BANDHAN
शारदा देवी
सरपंच
दामोदर शर्मा
सचिव

ग्रामवासियों को स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती निर्मला कमल सिंह तोमर
सरपंच
नवीन शर्मा
सचिव
निवेदक : ग्राम पंचायत सर्वा जनपद गोहद, भिण्ड

ग्रामवासियों को स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
श्रीमती उर्मिला विश्वनाथ सिंह तोमर
सरपंच
चुम्मन भदौरिया
सचिव
निवेदक : ग्राम पंचायत शेरपुर जनपद गोहद, भिण्ड

ग्रामवासियों को स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती मन्जू रामौतार कुशवाह
सरपंच
सुरेन्द्र शर्मा
सचिव
निवेदक : ग्राम पंचायत गिंगरखी, जिला भिण्ड

ग्रामवासियों को स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती गुड्डी ताजू खान
सरपंच
रामसेवक
सचिव
निवेदक : ग्राम पंचायत लोधे की पाली, जनपद गोहद जिला भिण्ड

ग्रामवासियों को स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं
निवेदक
ग्राम पंचायत बनीपुरा
जनपद गोहद, भिण्ड
HAPPY RAKSHA BANDHAN
बाबू राम पाठक
सरपंच
जबर सिंह चौरसिया
सचिव

ग्रामवासियों को स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
अशोक बाबू शर्मा
थाना प्रभारी, दिनारा, जिला शिवपुरी

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं

वंदे मातरम्

डॉ. जयदीप सिंह भदौरिया
समाजसेवी, ग्वालियर

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं

वंदे मातरम्

डॉ. प्रवीण अग्रवाल
मानसेवी सचिव, चैंबर ऑफ कॉमर्स, ग्वालियर

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं

HAPPY RAKSHA BANDHAN

रामदत्त सिंह
सरपंच

रामनरेश यादव
सरपंच

ग्राम पंचायत भजपुरा, जिला भिण्ड, मध्य प्रदेश

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं

प्रदीप सिंह सिकरवार
राष्ट्रीय अध्यक्ष

युवा जन कल्याण सेवा समिति, ग्वालियर

ग्रामवासियों को स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं

अपील
कोरोना से बचाव के लिए मास्क लगाकर रखें, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें घर में रहें स्वस्थ रहें।
ग्राम को स्वच्छ बनाए रखें
पानी को बर्बाद न करें

श्रीमती ममता नरवरिया
सरपंच

HAPPY RAKSHA BANDHAN

निवेदक : ग्राम पंचायत पीपरी, जनपद अटेर जिला भिण्ड

ग्रामवासियों को स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं

HAPPY RAKSHA BANDHAN

शशिकांत पाठक
सरपंच
ग्राम पंचायत आरूषी, जनपद लहार, भिण्ड

VEDANTA PVT. ITI
ESTD : 2015
प्रवेश प्रारंभ
TRADE
ELECTRICIAN
FITTER
I.T.I. पास को माना जायेगा 12वीं पास
योग्यता 10वीं पास
Add.: Near Agrawal Petrol Pump, Bhind Road, Mehgaon, Bhind (M.P.)
Mob.7000404914, 7694927881

दत्ताजी और जनकोजी सिंधिया ने पेशवा का विश्वास अर्जित किया

डॉ. सुरेश सम्राट
वरिष्ठ संपादक, लेखक
9406502099

औरंगजेब की मृत्यु के बाद, मुगल सल्तनत के बुरे दिन शुरू हो गए। उसके उत्तराधिकारी बहादुरशाह प्रथम (1707) जहांदार शाह (1702) और फर्रूखशियर (1713) के बाद सन् 1719 में तो हालात इतने बदतर हो गए कि एक के बाद एक तीन सम्राट बदले। पहले रफीउद्दाराजात, फिर रफी उद्दौला और फिर मोहम्मद शाह एक साल के भीतर सम्राट बने। मोहम्मद शाह (1719-1748) अहमद शाह (1748-1754) के बाद आलमगीर द्वितीय ने सन् 1954 में गद्दी संभाली। लेकिन औरंगजेब की मृत्यु से आलमगीर द्वितीय के सम्राट बनने की लगभग 47 वर्ष की अवधि में ग्वालियर क्षेत्र आगरा सूबे के अधीन बना रहा। आलमगीर द्वितीय के काल में जब कसवर अली ग्वालियर दुर्ग का किलेदार था, उसी समय एक आकस्मिक घटना के कारण दुर्ग, गोहद के राणा के हाथों में जाने के बाद मराठों के कब्जे में चला गया।

सन् 1755 में ग्वालियर दुर्ग पर पेशवा का झण्डा फहरा देने के आसपास के दौर और बाद की अवधि में मराठों और विशेषकर सिंधिया परिवार को कठिन परिस्थितियों ने घेर लिया। सिंधिया परिवार को तो जनहानि का बहुत बड़ा वज्रपात झेलना पड़ा। हालांकि उस दौर में दत्ताजी सिंधिया ने पेशवा की नजर में अच्छा रूबता हासिल कर लिया था और जनकोजी ने भी मराठा सेना में अपनी धाक जमा ली थी। लेकिन यह वह समय था, जब परिस्थितियों का चक्र बड़ी तेजी से उतार-चढ़ाव वाला इतिहास रच रहा था। यदि थोड़ा पीछे हटकर देखें तो मुगलों और मराठों के बीच हुए एक समणैते के बाद मराठा शक्ति सन् 1753 तक, लगभग दो वर्ष, दिल्ली की राजनीति में उमझी रही। उधर सिंधिया और होल्कर के बीच की ईर्ष्या के कारण, राजस्थान में भी मराठों की राजपूत-नीति की आलोचना होने लगी। लेकिन इस दौरान मराठों और मुगलों ने अफगानों को पराजित करके, इतिहास की दिशा बदल देने के अवसर को न्यौता दे दिया। तब पराजित पठानों के मुखिया नजीब खां ने अफगानिस्तान के बादशाह अहमद शाह अब्दाली को भारत पर आक्रमण करने का आमंत्रण भेजा। अब्दाली पहले से ही ऐसे अवसर की तलाश में था। उसने मार्च 1752 में ज्यों ही लाहौर पर कब्जा किया, मुगल सम्राट के पैरों तले जमीन खिसक गई। उसने घबराहटपूर्ण स्थिति में 12 अप्रैल 1752 को मराठों से एक संधि की। इस संधि से मराठों को अनेक लाभ मिलने वाले थे। लेकिन इसी बीच भयभीत सम्राट ने पंजाब और सिंध पर अब्दाली के अधिकार को मान्यता दे दी। तब मराठा उत्तर पश्चिम में ही अपने लिए संभावनाएं तलाशने तक सीमित हो गए। दूसरी ओर सम्राट के साथ हुए समझौते की पुष्टि के बाद अब्दाली लाहौर वापस लौट गया। इन परिस्थितियों ने मुगल सल्तनत के समक्ष ब्राह्य एवं आंतरिक दोनों स्तरों पर अनेक जटिल चुनौतियां खड़ी कर दीं। इस मौके का लाभ उठाते हुए होल्कर ने सल्तनत के इमाद-उल-मुल्क गाजीउद्दीन के साथ मिलकर सिकन्दरबाद के निकट मुगल सम्राट अहमद शाह के शिविर पर आक्रमण कर दिया और 2 जून 1754 को दिल्ली पहुंचकर अहमदशाह के स्थान पर आलमगीर द्वितीय को गद्दी पर बैठा दिया। होल्कर द्वारा 82 लाख रुपए के लोभ में किए गए इस कृत्य से मराठों की प्रतिष्ठा को भारी धक्का लगा। इसी बीच मुगलों और मराठों से खफा और इतिहास पटल पर तेजी से उभरते पठान सरदार नजीब खां ने अब्दाली की ताकत में ही अपना भविष्य तलाशना शुरू कर दिया। वह गोपनीय तरीके से मराठों और मुगलों के बारे में अब्दाली को सूचनाएं देकर

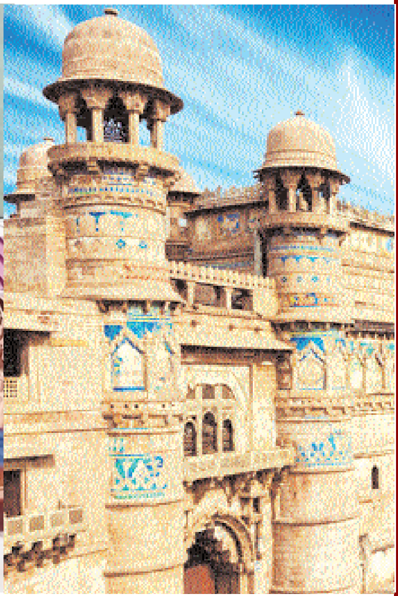

पुनः आक्रमण के लिए भटकता रहा। इन सूचनाओं के आधार पर जब अब्दाली ने दिल्ली के लिए कूच किया, तब पेशवा ने रघुनाथ राव को सम्राट की सहायता के लिए दिल्ली पहुंचने का आदेश दिया। लेकिन फरवरी-मार्च 1757 में जब अब्दाली दिल्ली में कत्लेआम करके वहां से वापस भी हो लिया, तब तक रघुनाथराव दिल्ली नहीं पहुंचा। उसने बीच में ही होल्कर के साथ एक निरर्थक से विवाद में उलझकर महत्वपूर्ण समय गवां दिया। जब वह दिल्ली पहुंचा तो अब्दाली तो नहीं, उसका प्रतिनिधि नजीब खां उसके हाथ लगा। लेकिन उसने नजीब को सबक सिखाए बिना, रिश्वत लेकर उसे छोड़ दिया। यही नहीं आलमगीर द्वितीय को पुनः दिल्ली सिंहासन पर बिठा दिया। नजीब को छोड़ देने की रघुनाथराव की यह भूल इतनी बड़ी थी कि आगे चलकर मराठा शक्ति को भारी जनहानि और अपनी प्रतिष्ठा से उसकी कीमत चुकानी पड़ी। हालांकि आगे की कार्रवाई में रघुनाथ राव ने कुंजपुरा और सरहिन्द को जीतकर लाहौर और पेशावर पर भी पकड़ बना ली, लेकिन पेशवा जानता था कि इसमें स्थायित्व नहीं है। अतः उसने होल्कर को आदेश दिया कि वह लाहौर जाकर मराठों की स्थिति को मजबूत करे। पेशवा ने यह भी कहा कि जब तक दत्ता जी सिंधिया लाहौर न पहुंच जाएं, तब तक होल्कर वहीं रहे। लेकिन होल्कर ने ऐसा नहीं किया।

उधर रघुनाथराव भी दत्ता जी के लाहौर पहुंचने के आठ माह पूर्व सन् 1758 में वहां से पूना रवाना हो गया। तब वहां तुकोजी और साबा जी सिंधिया ने सीमा प्रांत की कमान संभाली और अटक को जीतकर उन्होंने वहां वसूली अभियान को गति दी। पेशवा के आदेश पर दत्ता जी सिंधिया भी लाहौर पहुंच गया। वहां उसने अप्रैल 1759 में साबाजी को पंजाब पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए नियुक्त किया और स्वयं ने शुक्रताल में अपना डेरा जमा लिया। दत्ताजी सिंधिया और जनकोजी ने इस समय तक होल्कर और रघुनाथ राव की तुलना में पेशवा का अधिक विश्वास अर्जित कर लिया था। इसका प्रमाण वह पत्र है, जिसमें पेशवा ने मुगलों के संबंध में मराठों की नीति स्पष्ट करते हुए दत्तजी और जनकोजी को 21 मार्च 1759 को लिखा था कि जो कोई पचास लाख रुपए देने का वचन दे, उसी को बजीर बना दिया जाएगा।

लेकिन निजी स्वार्थों को लेकर मराठा सरदारों के बीच जो आंतरिक कलह चल रही थी, उसमें पेशवा के ऐसे विश्वसनीय लोगों का मार्ग बहुत सरल नहीं रह गया था। यही वजह रही कि आगे के मात्र दो वर्षों में मराठों के सामने जो जटिल चुनौतियां आईं, उनमें दत्ताजी सिंधिया, तुकोजी सिंधिया और जनकोजी सिंधिया जैसे विश्वसनीय सहयोगियों को जान से हाथ धोना पड़ा। उधर रघुनाथ राव और होल्कर जैसे मराठा सरदार अपनी कूटनीति या पलायन के कारण बचे रहे और इतिहास की गाड़ी खींचते रहे। लेकिन सिंधिया परिवार का एक सदस्य अभी भी इतिहास के अंधेरे में था। उसका नाम था महादजी सिंधिया अत्यंत जटिल और विसंगतिपूर्ण परिस्थितियों में उसने स्वयं के बल पर, अपने लिए जमीन बनाई और आगे चलकर, अपनी तलवार की नौंक पर ऐसा इतिहास लिखा कि सिंधिया परिवार का पराक्रम एक बार फिर चमक उठा।

ग्रामवासियों को स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं

अपील
कोरोना से बचाव के लिए मास्क लगाकर रखें, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें घर में रहें स्वस्थ रहें।
ग्राम को स्वच्छ बनाए रखें
पानी को बर्बाद न करें

कमलेश बघेल
सरपंच

HAPPY RAKSHA BANDHAN

रामकुमार बोहरे
सचिव

निवेदक : ग्राम पंचायत कछपुरा जनपद अटेर जिला भिण्ड

ग्रामवासियों को स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं

अपील
कोरोना से बचाव के लिए मास्क लगाकर रखें, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, घर में रहें स्वस्थ रहें।
ग्राम को स्वच्छ बनाए रखें
पानी को बर्बाद न करें

कमलेश भारद्वाज
सरपंच प्रतिनिधि

HAPPY Rakhi

मुन्नी देवी
सरपंच

निवेदक : ग्राम पंचायत बढ़पुरा, जनपद अटेर जिला भिण्ड

ग्रामवासियों को स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं

अपील
कोरोना से बचाव के लिए मास्क लगाकर रखें, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, घर में रहें स्वस्थ रहें।
ग्राम को स्वच्छ बनाए रखें
पानी को बर्बाद न करें

HAPPY Rakhi

चमेली बाई
सरपंच

वंदे मातरम

निवेदक : ग्राम पंचायत पावई, जनपद अटेर जिला भिण्ड

ग्रामवासियों को स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं

अपील
कोरोना से बचाव के लिए मास्क लगाकर रखें, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें घर में रहें स्वस्थ रहें।
ग्राम को स्वच्छ बनाए रखें
पानी को बर्बाद न करें

हरिसिंह बघेल (सरपंच)

HAPPY RAKSHA BANDHAN

निवेदक : ग्राम पंचायत नरसिंहगढ़, जनपद अटेर जिला भिण्ड

ग्रामवासियों को स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं

अपील
कोरोना से बचाव के लिए मास्क लगाकर रखें, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें घर में रहें स्वस्थ रहें।
ग्राम को स्वच्छ बनाए रखें
पानी को बर्बाद न करें

गायत्री देवी
सरपंच

वंदे मातरम

अनूप तिवारी
सचिव

निवेदक : ग्राम पंचायत सिमराव, जनपद अटेर जिला भिण्ड

प्राकृतिक जल आपदा ने कई लोगों को किया बेघर तथा कई जिंदगियां छीनी

मप्र में बारिश और बाढ़ का तांडव

ताश के पत्तों की तरह बह गए पुल,सरकार ने जांच बैठायी

● उमाकान्त शर्मा, भिण्ड संवाददाता

मध्य प्रदेश के भिण्ड जिले और ग्वालियर चंबल में आसमान से बरस रही बारिश ने तांडव मचा दिया है. बाढ़ और बारिश के कारण ना सिर्फ मकान-दुकान,

खेत-खलिहान, सड़क तबाह हो गया बल्कि बांधों ने तो कहर बरपा दिया. बांध के गेट खोलने से सिंधु, सीप नदी ने तबाही मचा दी और करोड़ों की लागत से तैयार हुए 6 पुल ताश के पत्तों की तरह बह गए. इनमें से चार पुल ऐसे थे जो 10 से 12 साल पहले ही शिवराज सरकार के दौरान बनाए गए थे. पुल बारिश और बाढ़ का बहाव नहीं झेल पाए. पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने पूरे मामले में उच्च स्तरीय जांच और जवाबदेही तय करने की मांग की है.सिंधु नदी के तेज पानी में रतनगढ़ वाली माता मंदिर का पुल, दतिया में सिंध नदी पर बना बड़ा पुल बह गया जानकारी के मुताबिक इन 6 पुलों के निर्माण में 35 से ?40 लाख की लागत आई थी. हालांकि विभागीय सूत्रों का कहना है अभी भी पानी का बहाव खासा तेज है. जब पानी उतरेगा तो पुलों को पहुंचे नुकसान का आंकलन किया जाएगा. इस बात की भी जांच होगी कि क्या पुल का निर्माण करते वक्त मानकों का ध्यान रखा गया या नहीं

ताश के पत्तों की तरह बहे पुल

सिर्फ पुल पुलिया ही नहीं बल्कि बाढ़ और बारिश के कारण कई जगह पर सड़क बुरी तरह उखड़ गई. सड़कों के छोटे-छोटे टुकड़े पानी के बहाव के साथ बह गए. शुरुआती आंकलन में सड़कों में 8 से 10 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है. हालांकि बाढ़ का पानी उतरने के बाद इस बात का आंकलन होगा कि कितने मीटर और कितने किलोमीटर की सड़कों को पानी के बहाव से नुकसान पहुंचा है. नुकसान का आंकड़ा और बढ़ सकता है

कमलनाथ ने उठाए सवाल

हाल ही में बने पुल जब बाढ़ में बहे तो विपक्ष हमलावर हो गया. नेता प्रतिपक्ष और पूर्व सीएम कमलनाथ ने ट्वीट कर कहा प्रदेश के दतिया जिले में बारिश से रतनगढ़ और संकुआ पुल बहना बेहद गंभीर और चिंताजनक है. करोड़ों की लागत से हाल ही में बने पुल बारिश के पानी में पत्ते की तरह बह गए. कैसा निर्माण कार्य? इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच हो,जवाबदेही तय हो

इन छह पुलों पर पानी और बाढ़ ने कहर बरपाया-

- रतनगढ़-बसई का पुल 2010 में बना था. लागत थी 5.9 करोड़

- इंदरगढ़-पिछोर का पुल 2013 में बना लागत थी 10 करोड़।

दतिया-सेवढ़ा पर 1982 में पुल बना लेकिन लागत का रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है

श्योपुर जिले में गिरधरपुर-मानपुर में 1985 में पुल बना इसका रिकॉर्ड नहीं है

- श्योपुर-बड़ौदा पर 2013 में पुल बना लागत आई 3.94 करोड़।

- भिंड के गोरई-अडोखर में तो 2017 में 13.71 करोड़ से पुल बना था

जांच का आदेश

राज्य सरकार ने जांच शुरू कर दी है. पीडब्ल्यूडी मंत्री गोपाल भार्गव ने दतिया के रतनगढ़ बसई में सिंध नदी पर बने पुल और इंदरगढ़ पिछोर मार्ग पर निर्मित पुल के क्षतिग्रस्त होने की जांच का आदेश दे दिया है. अधीक्षण यंत्री सेतु मंडल एमपी सिंह की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की गई है, जो 7 दिन के अंदर जांच कर अपना प्रतिवेदन देगी. समिति में कार्यपालन यंत्री सागर संभाग पीएस पंत और एसडीओ सेतु संभाग भोपाल अविनाश सोनी को भी शामिल किया गया है

चाचोडी हरियालो राजस्थान अभियान में ग्राम पंचायत स्तर पर पौधा रोपण कर किया शुभारंभ

● नेनाराम सीरवी, ब्यूरो रानी-पाली, पुष्पांजली टुडे

रानी ब्लाक के ग्राम पंचायत चाचोडी हरियालो राजस्थान अभियान के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र राजकीय प्राथमिक विद्यालय मुख्य तालाब एवं नर्सरी अलग-अलग स्थानों पर 500 वृक्ष लगाए गए। सरपंच राजपुरोहित ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण एवं हरियालो राजस्थान महा अभियान 2021 के तहत किया वृक्षारोपण । कोराना काल में ऑक्सीजन की कमी को देखते हुए प्रदेश भर में वृक्षारोपण का अभियान चलाया जा रहा है। इसी संदर्भ में चाचोडी ग्राम पंचायत स्तर पर अलग-अलग स्थानों पर वृक्षारोपण किया गया और प्रत्येक वृक्ष की देखभाल करने की आमजन को शपथ दिलाई गई। वृक्ष ही हमारी मुख्य जान हैं और इनकी रक्षा करना हमारी पहली प्राथमिकता रहेगी। प्रधानाचार्य सोनल ने बताया कि वृक्ष का महत्व के बारे में वर्णन तो नहीं कर सकते लेकिन प्रकृति वृक्ष के ऊपर ही निर्भर हैं। वृक्षारोपण करने से हम ऑक्सीजन की कमी को पूरा नहीं कर सकते लेकिन हर व्यक्ति को संकल्प के साथ प्रत्येक वर्ष एक वृक्ष लगाने की प्रेरणा ले तो आने वाले समय में प्रकृति के साथ खिलवाड़ भी नहीं होगी और ऑक्सीजन की कमी महसूस नहीं होगी । अध्यापक नाथूराम सिरवी ने पर्यावरण संरक्षण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सभ्यता को विनाश से बचाने हेतु पर्यावरण संरक्षण अति आवश्यक है। और पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण पर अधिक से अधिक जोर देना होगा। वृक्ष धरती मां का शृंगार है। हम सबको इस पुनीत कार्य में सहयोग करना होगा। वृक्षारोपण को हमें एक आंदोलन के रूप में लेने की आवश्यकता है। ग्राम रोजगार सहायक भगवान लाल बामणिया ने बताया कि मनरेगा श्रमिको सहित लोगों को लगाए गए प्रत्येक वृक्ष की देखभाल करने का जिम्मा दिया गया।राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप जिले के अलग-अलग ग्रामीण क्षेत्रों में आयुर्वेदिक औषधि पौधे चयनित परिवारों को ग्राम पंचायत स्तर पर वितरित किए जा रहे हैं। मां बापू वृक्षारोपण महा अभियान के तहत रानी ब्लॉक के अलग-अलग ग्राम पंचायत स्तर पर वृक्षारोपण किया गया।बालराई सरपंच केसाराम कुमावत ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हरियालो राजस्थान वृक्षारोपण अभियान के तहत लगाए गए वृक्षों की देखभाल ग्राम पंचायत स्तर पर की जाएगी। खोड वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ रानी उपखंड अधिकारी गोमती शर्मा के अध्यक्षता में किया गया। सरपंच दुर्गा दाधिच सरपंच कार्यकाल के दौरान वृक्षारोपण को प्राथमिकता देते हुए ग्राम पंचायत क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर वृक्षारोपण किया गया इस मौके पर सरपंच पूनम सिंह राजपुरोहित ।ग्राम विकास अधिकारी तेजपाल सिंह। प्रधानाचार्य मांगीलाल सोनल उप सरपंच जगाराम सिरवी। ग्राम रोजगार सहायक। भगवान लाल बामणिया अध्यापक नाथूराम सिरवी पंचायत सहायक भवर लाल सिरवी खीमा राम देवासी वार्ड पंच अमृत सिंह राजपुरोहित सोहन सिंह राजपुरोहित भोपाजी कालू सिंह राजपुरोहित। पत्रकार पुखराज चौहान ग्राम पंचायत जनप्रतिनिधि गणमान्य ग्रामीण आदि मौजूद रहे।

हर खुशी के मोके पर वृक्षारोपण किया जाएः थाना प्रभारी रविंद्र पाल सिंह राजपुरोहित

रानी पाली गुड़ा एंडला थाना प्रभारी रविंद्र पाल सिंह राजपुरोहित के सानिध्य में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजन किया गया। खोड पुलिस चौकी परिसर में वृक्षारोपण कर सुरक्षा और देखभाल का लोगो को जिम्मा दिया द्य थाना प्रभारी राजपुरोहित ने कहा कि पौराणिक काल से वृक्ष को देव स्वरूप मानकर पूजा करते आए हैं। साथ ही प्राणवायु पेड़ों से ही मिलती इसलिए इनका परिवार के सदस्य के समान संरक्षण करना चाहिए द्य उन्होंने कहा कि पेड़ पर्यावरण के रक्षक ही नहीं बल्कि बच्चों व युवाओं के पेड़ पौधों के निकट रहने से दिमागी विकास भी बेहतर होता है साथ ही परिवार में हर खुशी के मौके पर अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर साल संभाल करने का संकल्प लेना चाहिए द्य कोरोना जैसी वैश्विक महामारी में ऑक्सीजन लेवल गिर जाता है तथा कोरोना काल में हमें पेड़ पौधों का महत्व समझ में आया है ।वृक्ष प्रकृति के अनमोल उपहार है ।इस अनमोल उपहार को सुरक्षित रखने के लिए सभी के प्रयासों की आवश्यकता है। पर्यावरण संतुलन व पर्यावरण प्रदूषण से निपटने के लिए वृक्षारोपण आवश्यक है। और वृक्षों का वर्णन तो हम नहीं कर सकते लेकिन वृक्षों को हम लगा सकते हैं और प्रत्येक व्यक्ति को संकल्प के साथ प्रतिवर्ष एक वृक्ष लगाया जाएइस मौके पर गुड़ा एंडला थाना प्रभारी रविंद्र पाल सिंह राजपुरोहित। खोड चौकी प्रभारी चोथाराम नागोरा। भामाशाह गौतम चंद जैन । प्रेम राज मेहता असल राज मेहता ।अजीत लोढ़ा। भाजपा पाली जिला प्रतिनिधि मुकेश सिरवी। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी पर्यावरण प्रकोष्ठ पूर्व सचिव नारायण सिंह सेवड राजपुरोहित चाचोडी। नारायण लाल रावल। सुरेश मीणा ।किरण सिंह चौहान। पेमाराम मीणा कॉन्स्टेबल रमेश कुमार बालोटिया। कॉन्स्टेबल चंद्रशेखर। एजाज खा पादरली। समाराम चौधरी आदि मौजूद रहे।

विशेष

ज्योतिष का मनुष्य पर प्रभाव

नमस्कार मित्रों

ज्योतिष अपने आप में एक गूढ़ विषय है। वैदिक ज्योतिष में नवग्रहों का बड़ा महत्व है। जैसा कि हम जानते हैं कि चंद्रमा का स्वयं का कोई प्रकाश नही होता परंतु जिस प्रकार सूर्य की किरणें चंद्रमा पर पड़ती हैं एवम वही किरणें जब चंद्रमा से परावर्तित होकर पृथ्वी पर पहुँचती है तो हम शीतलता(चंद्रमा का प्रभाव एवम प्रकृति) का अनुभव करतें हैं।

आचार्य सुमित कुमार पाण्डेय

इसीप्रकार जब सूर्य की यही किरणें अन्य गृहों से परावर्तित होकर पृथ्वी पर आती हैं तो उस ग्रह का जो स्वभाव है जो प्रकृति है उस से पृथ्वी पर उपस्थित हर मनुष्य निश्चित रूप से प्रभावित होता है। इन किरणों के परावर्तन एवम इनके द्वारा मनुष्यों पर पड़ने वाले प्रभावों का सटीक आंकलन करना ही ज्योतिषीय अध्ययन है। किरणों के प्रभाव को हम आज के परिवेश में कुछ इस प्रकार समझ सकतें हैं जैसे हम टीवी के रिमोट का बटन दबाते हैं और बिना किसी प्रत्यक्ष गतिविधि के टीवी शुरू हो जाता है।

अतः यह जानना कि कौन मनुष्य किस ग्रह की किरणों के संपर्क में है और वो उसके जीवन को किस प्रकार प्रभावित कर रहीं हैं। इसका आंकलन करना ज्योतिष के अध्ययन से ही सम्भव है।

किरणों के प्रभाव को जानने एवम अमुक ग्रह की किरणों को निश्चित समय के लिए आकर्षित करने के लिए हम भिन्न भिन्न प्रकार के रत्न धारण करते हैं।वास्तव में रत्न एक चुम्बक(मैगनेट) की तरह काम करते हैं। जैसे एक चुम्बक कितने ही पदार्थों की उपस्तिथि में सिर्फ लोहे को अपनी ओर आकर्षित करती है उसी प्रकार ब्रह्मांड में उपस्थित ऊर्जा रूपी किरणों में किस व्यक्ति को किस प्रकार की ऊर्जा(एनर्जी) को आकर्षित करना भी रत्नों का काम है किंतु रत्न यदि असली हो तो। बड़ी विडंबना है कि आज (वर्तमान) में ज्योतिष एवम रत्न सिर्फ एक व्यापार का माध्यम बन कर रह गए हैं।

अतः मैं पुनः यही कहूंगा कि ज्योतिष एक वृहद विषय हैं। और इसमें सम्पूर्णता प्राप्त करना आज के समय में संभव नहीं, यह एक ज्ञान है जो जितना ज्यादा अध्ययन कर लेता है, उसका आंकलन उतना ही सटीक होता है।

आज होने वाली ग्रहों की गोचरीय स्थिति की जानकारी मिलने से आप विभिन्न क्षेत्रों में होने वाली हलचलों का पूर्वानुमान लगा सकते हैं। मान लीजिये आप अगर यह जानना चाहते है कि नौकरी के लिहाज से आज का दिन मेरा कैसा रहने वाला है, तो आप शनि की गोचरीय स्थिति से इसका अंदाजा लगा सकते हैं। क्योंकि वैदिक ज्योतिष में शनि को सेवा और कर्म का कारक कहा गया है और यह नौकरी में होने वाले परिवर्तन को दर्शाता है। ठीक इसी प्रकार दूसरे ग्रह भी अन्य विषयों के कारक हैं-

सूर्यः ज्योतिष में सूर्य को सरकारी नौकरी, उच्च पद, मान-सम्मान, आत्मा, पूर्वज, नेत्र पीड़ा, पिता, राजनीति आदि का कारक माना गया है।

चंद्रमाः चंद्रमा को मन, माँ, यात्रा, जल, मनोविकार और धन आदि का कारक माना गया है।

मंगलः मंगल को साहस, पराक्रम, ऊर्जा, क्रोध, शक्ति, विवाद, युद्ध,शत्रु और भूमि आदि का कारक होता है।

बुधः वैदिक ज्योतिष में बुध को बुद्धिमता, तर्कशक्ति, गणित, वित्तिय, व्यापार, मामा और मित्र आदि का कारक कहा गया है।

गुरुः बृहस्पति को ज्ञान, दर्शन, विवेक, धर्म, गुरु, आध्यात्मिकता, परोपकारी कार्य का कारक माना जाता है।

शुक्रः शुक्र ग्रह जीवनसाथी, कला, प्रेम, सौंदर्य, भौतिक सुख, वाहन, संगीत और शयन सुख का कारक होता है।

शनिः न्याय प्रिय शनि देव को आयु, नौकरी, दु:ख, गरीबी, आकस्मिक संकट, विदेशी भाषा, लोहा और तेल समेत विभिन्न वस्तुओं का कारक होता है।

राहूः राहू कठोर वाणी, जीवन में अस्थिरता, जुआ, भ्रमित बुद्धि, जहर, चोरी, दुष्टता, त्वचा की बीमारियाँ और धार्मिक यात्राएँ, अचानक धन लाभ, राजनीति आदि का कारक कहा गया है।

केतुः केतु को तंत्र-मंत्र, जादू-टोना, दर्द, बुखार, घाव, शत्रुओं को नुकसान पहुंचाना और मोक्ष का कारक माना गया है।

अर्थात हर ग्रह का अपना एक प्रभाव, एक प्रकृति रहती है। प्रत्येक ग्रह भिन्न भिन्न व्यक्तियों पर भिन्न भिन्न प्रभाव देते हैं उदाहरण के लिए यदि राहु एक व्यक्ति के लिए अच्छा फल नही देता है, तो दूसरे व्यक्ति को राहु मालामाल कर देता है। यह निर्भर करता है। कि वह ग्रह व्यक्ति के किस घर एवम किस राशि में बैठा है, उसका बलाबल क्या है - उच्च का है - नीच का है आदि। अतः फलादेश करने से पूर्व प्रत्येक स्तिथि को जानना, समझना एवम तत्पश्चात ही फलादेश ही करना चाहिए।

प्रभारी मंत्री, नोडल अधिकारी ने लाभार्थियों को राशन वितरण योजना की दी जानकारी

● **ब्यूरो पुष्पांजली टुडे, एटा**

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत जनपद के पात्र लाभार्थियो को 5 अगस्त गुरूवार को खाद्यान्न वितरण हेतु अन्न महोत्सब कार्यक्रम का आयोजन जनपद की समस्त 806 राशन की दुकानों पर किया गया। खाद्यान्न वितरण कार्यक्रम का आयोजन समस्त स्थानों पर कोरोना प्रोटोकाल का पालन कराते हुये उत्सव के रूप में किया गया। इस दौरान मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा कुछ जनपद के लाभार्थियों से संवाद करते हुए योजना के बारे में जानकारी की गई। लाभार्थियों ने इस दौरान मोदी जी को धन्यवाद दिया। मा0 प्रधानमंत्री जी, मा0 मुख्यमंत्री जी के संबोधन का जनपद में प्रत्येक राशन की दुकान पर सजीव प्रसारण टीवी के माध्यम से किया गया, जिसे मौजूद लाभाथियों आदि द्वारा गहनता से देखा गया।

राज्य मंत्री चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण उत्तर प्रदेश एवं जनपद के प्रभारी मंत्री अतुल गर्ग ने जिलाधिकारी अंकित कुमार अग्रवाल, एसएसपी उदय शंकर सिंह, एडीएम प्रशासन विवेक कुमार मिश्र, भाजपा जिलाध्यक्ष संदीप जैन आदि की मौजूदगी में जनपद स्तर पर शुक्ला गार्डन में आयोजित भव्य अन्न महोत्सब कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सरकार की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के संबंध में मौजूद लाभार्थियों को जानकारी दी। नोडल अधिकारी प्रांजल यादव आईएएस विशेष सचिव चिकित्सा शिक्षा उ0प्र0 शासन ने जनपद मुख्यालय पहुंचकर उप जिलाधिकारी अलंकार अग्निहोत्री के साथ प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत राशन वितरण का राशन की दुकानों पर पहुंचकर जायजा लिया। विधायक मारहरा वीरेन्द्र सिंह लोधी, अलीगंज विधायक सत्यपाल सिंह राठौर, सदर विधायक विपिन वर्मा डेविड, जलेसर विधायक संजीव कुमार दिवाकर आदि ने भी राशन की दुकान पर लाभार्थियों को बैग, राशन वितरण किया। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा भेजे गए प्रचार साहित्य को भी पात्र लाभार्थियों में

वितरण किया गया। इस अवसर पर एएसडीएम राजीव पाण्डेय, डीएसओ राजीव कुमार मिश्र सहित अन्य अधिकारीगण, भाजपा महामंत्री सुशील गुप्ता, मण्डल अध्यक्ष ब्रजेश गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि, भारी संख्या में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के लाभार्थीगण, मीडिया बंधु आदि मौजूद रहे।

एसडीएम रविंद्र परमार की कुशल प्रशासनिक क्षमता और भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश भटेरे के नेतृत्व की बदौलत
लांजी ने टीकाकरण में हासिल किया अव्वल दर्जा

● रितेश कटरे, बालाघाट पुष्पांजली टुडे

किसी भी कार्य को बड़े क्षेत्र में सफल बनाने के लिए कुशल नेतृत्व का होना जरूरी होता है और इसके लिए चाहिए निर्णय लेने की क्षमता जिसके सहकारक के रूप में निर्देशन, सामंजस्य और कार्य को परिणाम में रूपांतरित करने की कला का होना आवश्यक है,

आसान नहीं थी कोरोना की लड़ाई और सर्वाधिक वैक्सीनेशन की राह

यदि ऐसे गुण हो तो नेतृत्व सफलता हासिल कर ही लेता है। लांजी में इसका अनुपम उदाहरण देखने को मिला जब एक एसडीएम ने क्षेत्र में कोरोना की लड़ाई से लेकर टीकाकरण अभियान तक अपनी क्षमता की ऐसी मिशाल पेश की जिसके कारण बालाघाट जिले की लांजी तहसील में सर्वाधिक टीकाकरण संभव हो पाया और उनकी कार्यशैली कोरोना काल में कैसी रही यह कोरोना योद्धाओं से मिलकर हमने जाना।

नवागत से सफलता तक

जब कोरोना क्षेत्रवासियों के लिए घातक रूप लेकर आया तो नवागत एसडीएम रविंद्र परमार के सामने अनेक कठिनाईयां थी, क्योंकि क्षेत्र नया था तो ऐसे में नए लोगों के बीच मेलजोल बिठाने से लेकर यहां की भौगोलिक संरचना का ज्ञान और उसे कार्यान्वित करने में समय तो लगने वाला था लेकिन इस बात को उन शिक्षकों और कोरोना सुरवीरों की जबानी सुने तो बात सामने आती है कि लांजी एसडीएम श्री रविन्द्र परमार और भाजपा जिलाध्यक्ष श्री रमेश भटेरे कैसे क्वारंटाईन सेंटर में बाहर से आने वाले लोगों के लिए रहने की व्यवस्था की गई तो वहीं भोजन आदि के लिए भी प्रबंध करने के साथ शिक्षकों व चिकित्साकर्मियों के मनोबल को बढ़ाकर क्वारंटाईन सेंटरों में सुविधाएं व शासकीय कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई और यह कार्य बिना किसी भारी विवाद के संपन्न हो गया, जो कि कोरोना काल में पहले पड़ाव की लड़ाई में सफलता के रूप में देखी जा सकती है।

पंचायत से योगदान ऐसे हुआ संभव

जनपद पंचायत लांजी बहुत बड़ा क्षेत्र है, असल में लगभग 77 ग्राम पंचायतों और उनके अंतर्गत आने वाले गांवों में सबसे पहले कोरोना के नियमों का पालन करवाना, मेडिकल कीट, मास्क आदि का वितरण करवाना यह सब बड़ा ही मुश्किल काम था, इसे मूर्तरूप प्रदान करने के लिए एसडीएम रविंद्र परमार ने लांजी एसडीओपी श्री दुर्गेश आर्मो, तहसीलदार श्री आर पी मार्को, नायब तहसीलदार सारिका परस्ते जनपद सीईओ रंजित ताराम के साथ मिलकर काम करने का निर्णय लिया जो दरअसल स्वाभाविक व प्रायोगिक योजना थी। गांवों के सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक ही अपने पंचायत के लोगों को समझा सकते थे जिसके लिए ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता थी जो इस कार्य को कर सके तो जनपद सीईओं इस कार्य के लिए सबसे उचित प्रतीत हुए और इसे सीईओ रंजित ताराम ने बखूबी अपना कर्तव्य एसडीएम व सभी पंचायतों के मध्य पुल बनकर कार्य किया।

व्हाटअप ग्रुप बना निर्देश का शसक्त मिडियम

आजकल सोशल मिडिया ने जितनी तरक्की की है उसका जीता-जागता उदाहरण लांजी में देखने को मिला जब एसडीएम परमार ने सोशल मिडिया का इस्तेमाल चिकित्साकर्मियों से लेकर पंचायत स्तर व अन्य सभी ऐसे कर्मियों को निर्देशित करने के लिए आसान उपाय था। सबको अलग-अलग निर्देशित करना बड़ी ढेढ़ी खीर है ऐसे में यह जानकारी सामने आयी कि एसडीएम रविंद्र परमार ने सोशल मिडिया के सबसे बड़े प्लेटफार्म व्हाटसअप पर एक ग्रुप बनाया जिसमें चिकित्साकर्मी, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, नगर परिषद कर्मी, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आदि ऐसे सभी लोग जुड़े है जो कोरोना योद्धा के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे है और यह निर्देशन मिडियम एक बेहतर विकल्प के रूप में सभी को साधने में कारगर सिद्ध हुआ।

बैठकों में किया प्रेरित

लांजी को जिस तरह सर्वाधिक टीकाकरण का दर्जा मिला और जिले मे सिंगोला और देवलगांव ग्राम पंचायतों ने शत प्रतिशत का लक्ष्य सबसे पहले हासिल किया तो लोगों में इस बात को जानने की भी उत्सुकता थी कि यह कैसे किया गया? इस बात की छानबीन के दौरान यह बात भी सामने आयी कि कोरोना से मौतों का सिलसिला जब अपने चरम पर था तब से लेकर टीकाकरण तक अनेक बैठकें आयोजित की गई जिसमें जनपद पंचायत कार्यालय में पंचायत कर्मियों व सरपंचों की बैठकों के अलावा कुछ ग्रामों में पंहुचकर सरपंच, सचिव, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर मेडिकल कीट से लेकर टीकाकरण तक इस बात हेतु निर्देशित किया गया कि घर-घर जाकर ग्रामीणों को इसके लिए प्रेरित किया जाए और यह की-फैक्टर के रूप में काम कर गया जिसके कारण कोरोना से लड़ाई में मदद मिली।

विरोधी लहर पर पाई जीत

एक दौर ऐसा भी कोरोना काल में आया कि जब लोगों ने शासन से मिल रही दवाओं को विरोधी नजर से देखना शुरू किया तो वहीं कोरोना से बचाव हेतु लगाए जाने वाले टीके को भी विरोधी लहर का कहर झेलना पड़ा, ऐसे में शासकीय कर्मचारियों द्वारा दवाओं का उपयोग कर स्वयं व मरीजों को ठीक करने का उदाहरण देकर ग्रामीणों को मेडिकल कीट का सेवन करने हेतु जागरूक किया गया तो यहीं प्रक्रिया वैक्सीनेशन के दौरान भी अपनाई गई। लोगों को विशेषकर बुजुर्गो को इस बात का हवाला देकर आश्वस्त किया गया कि शासकीय कर्मचारियों द्वारा टीका लगाया गया और यहीं कारण है कि वे सुरक्षित है इसलिए कोरोना का टीका बचाव का सबसे बड़ा हथियार है, यहीं से लोगों ने शासकीय कर्मचारियों आदि के टीकाकरण से प्रेरित होकर खुद को टीका लगाने के लिए तैयार किया जिसकी बदौलत आज यह यह दृश्य उभरकर सामने आता है कि युवा से लेकर बुजुर्गो तक सभी टीके के महत्व को समझ चुके है और अब खुद टीका लगाने टीकाकरण केंद्र पंहुचते है।

ऐसे मिला विभागों से मिला समन्वय

बतौर क्षेत्र के एसडीएम पूरी जवाबदारी रविंद्र परमार के कंधो पर थी ऐसे में कार्यालयीन कार्यो के साथ ही टीकाकरण के कार्य को अंजाम तक पंहुचाना था, जिसके लिए पुलिस विभाग के अनुभाग अधिकारी दुर्गेश आर्मो, थाना प्रभारी रजनीकांत दुबे, नप प्रशासक व तहसीलदार आर.पी. मार्को, नप प्रभारी सीएमओ सारिका परस्ते, जनपद सीईओ रंजित ताराम, बीएमओ डॉ. प्रदीप गेडाम व उनकी टीम के साथ मिलकर बेहतर टीम वर्क का उदाहरण प्रस्तुत किया। जहां पुलिस विभाग ने इस बात पर जोर दिया कि कोई भी वैक्सीनेशन के खिलाफ विरोधाभास निर्मित ना कर पाए तो वहीं अन्य विभागों ने अधिक से अधिक टीकाकरण करने पर अपना ध्यान केंद्रित किया।

महाअभियान ने बदली तस्वीर

समुचे मध्यप्रदेश में सर्वप्रथम लांजी में कोरोना वैक्सीन लगवाने के लिए टीकाकरण महाअभियान चलाया गया जिसका नतीजा कि पुरे हिंदुस्तान में केंद्र सरकार और मध्यप्रदेश सरकार ने महाअभियान का निर्वहन किया। फलस्वरूप लांजी क्षेत्र में टीकाकरण केंद्र बनाए गए थे इसके बावजूद भी लोगों की सुविधा को देखते हुए लगाए गए कैंप और वैक्सीनेशन के बड़े लक्ष्य को हासिल करने की ललक ने महाअभियान के साथ मिलकर टीकाकरण की राह को आसान बना दी। ऐसे में जब महाअभियान के कारण लोगों को वैक्सीन लगानी प्रारंभ की गई तो पहले वैक्सीन लगाने वालो को जब कुछ बेहतर स्वास्थ्य व विपरित परिणाम नहीं आए तो लोगों ने भरोसा करना शुरू किया और एक दिन में 2800 से लेकर 6 हजार से अधिक टीके लगाने का लक्ष्य हासिल कर लिया गया।

जनप्रतिनिधियों का सहयोग

जनप्रतिनिधी नाम से ही स्पष्ट है कि ऐसे लोग जो जनता का प्रतिनिधत्व करते है और इन जनप्रतिनिधियों के द्वारा वैक्सीन लगाकर सोशल मिडिया जैसे व्हाटसअप, फेसबुक में पोस्ट करने हुए बताया गया कि वैक्सीन सुरक्षित है तो इससे लोगों को प्रेरणा मिली और ऐसे लोगों को एसडीएम व उनके दल ने सराहना के तौर पर मनोबल बढ़ाने का सकारात्मक कार्य किया जिससे अधिक से अधिक वैक्सीन को बढ़ावा मिला, विदित हो कि छोट से लेकर बड़े नेताओं के टीकाकरण को मिडिया के सोशल प्लेटफार्म, प्रिंट मिडिया, इलेक्ट्रॉनिक मिडिया आदि के जरिये प्रसारित किया गया जिससे लोगों ने वैक्सीन के प्रति विश्वास प्रकट किया।

आयुष मंत्री कावरे ने कोरोना योद्धाओं का किया सम्मान

आयुष मंत्री श्री कावरे ने अपने परिवार के साथ कोटेश्वर धाम मंदिर में विधि-विधान पूर्वक शिवलिंग पूजन एवं अभिषेक किया। श्रद्धालुओं की अटूट आस्था के केंद्र दादा कोटेश्वर धाम मंदिर लांजी में सपरिवार, पूजन एवं अभिषेक कर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की है। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री रमेश भटेरे साथ रहे। श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का केन्द्र कोटेश्वर धाम पुरातात्विक धरोहर के रुप में धार्मिक-पौराणिक महत्व का तीर्थ है। जो 108 उपलिंगों में शामिल है। यहां वर्ष भर मेले जैसा माहौल रहता है, पर श्रावण मास में लगने वाला मेला कुछ खास होता है। यहां सावन शुरू होते ही कोटेश्वर महादेव कांवड़ चढ़ती है, जो परंपरा का प्रतीक है। सावन में पहले दिन से ही कावड़ से जल चढ़ाने का सिलसिला शुरू हो जाता है, जो पूरे माह निरंतर जारी रहता है। गुरु पूर्णिमा से ही यहां सावन के चलते आयोजनों की तैयारियां शुरू हो जाती है। कोटेश्वर महादेव में मध्य प्रदेश के विभिन्न इलाकों से ही नहीं महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ व इसके अलावा विभिन्न प्रांतों से भी लोग पवित्र नदियों का जल चढ़ाने आते हैं। दर्शन पश्चात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लांजी में आयोजित कोरोना योद्धा सम्मान समारोह में शामिल कार्यक्रम में कोरोना योद्धाओं का सम्मान किया। आयुष मंत्री श्री कावरे के मुख्य आतिथ्य एवं पूर्व विधायक श्री रमेश भटेरे भाजपा जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बालाघाट पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक तिवारी बालाघाट, सुश्री निकिता मंडलोई प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लांजी, श्री दुर्गेश आर्मो अधिकारी पुलिस लांजी, श्री रामप्रसाद मार्को जी तहसीलदार लांजी, श्रीमती सारिका परस्ते जी नायब तहसीलदार लांजी, डा प्रदीप गेडाम, श्री आलोक चौरसिया भा.ज.पा. मंडल अध्यक्ष लांजी, गौरव बैस,अनिल धुवारे , संजय मिश्रा, दिलीप चौरसिया, राजू श्रीवास्तव, डॉ अमृत मेश्राम, विजय खेरे, हीराचंद आसटकर,कपिल अग्रवाल, निलचंद हरिनखेडे, अशोक बापूरे, योगेश रामटेक्कर, श्रीमती उषा पसीने, सुशीला दुग्गगढ़ , प्रगति पालीवाल सुनीता राय, मोना कौर , दुर्गा रामटेक्कर , डॉ प्रीतेश मते,डा योगेश कुर्वे ,लीलाधर रावते, सीताराम रावते, गोविंद उमरे, सुरेश लिल्हारे, उज्जवल श्रीवास्तव एवं क्षेत्र के सामाजिक धार्मिक संगठन के पदाधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, नगर परिषद के कर्मचारी, तहसील कार्यालय के कर्मचारी , सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इनका किया गया शाल, श्रीफल, प्रशस्त्री पत्र और पुरस्कार से सम्मान-स्वास्थ्य विभाग लांजी से डॉ प्रदीप गेडाम, डॉक्टर सुजाता गेडाम, डा एम के सिंह, डॉ प्रशांत पाटील, डॉ ओपी नेवारे, डॉ रूचि रामटेक्टर, डा वर्षा सिंह, डॉ रत्नेश रतोने, मनीष पांडे, डॉक्टर गुरूकुमार बमोरे, जागृति रीनायत, श्रद्धा राठौर, मोरेश्वरी कबीरे, सत्यवती वामनकर, चंपा बैठवार, नितेश्वर राहंगडाले, प्रियंका नागेश्वर, रेखा कुमारे, संदीप रामटेक्कर, इमरान सेख, जयवंता झलपे, नेहा उइके, मीना राऊत, भारती नागदौने, कविता रहमतकर, सोनेश्वरी लिल्हारे, संतोष कुमार साहू, शंकर सोनवाने, संघमित्रा मेश्राम, संतोष धरते, रोशनी मडावी, रेशमा बिलथरे, एंजलीना जैफरीन, इंद्रजीत अहिरवार, डॉ सुशील गेडाम, दीपाली भोस्कर, लोकेश नंदनकर, नीता पांडे , अमित करहे, यादेश कुमार टेंभरे, डेविड चौरे, यशवंत लिल्हारे, नारायण मेश्राम, भाउलाल मंसूरे, धर्मजीत खोबरागडे, प्रदीप बंसोड़, अंकित गणवीर,संजय कबीरे, नवनीत गणवीर, शैलू गणवीर, आयुष गोंडाने, प्रदीप चौधरी , प्रद्युम्न बड़घैया, अजय नेवारे, दिक्षांश लहरे, तुलसी बिसेन, रितु कंकरायने, प्रियंका कुणारकर, निशा धोड़ेश्वर, अखंडज्योती गौतम, वीणा येटरे, गुणेश किरनापुरे, लक्ष्मण वरकड़े, दिनाराम वल्के,धनेश किरनापुरे, आशा बोरकर, दुर्गा खोब्रागडे,सालिनी रामटेके,पूनम बोरकर को सम्मानित किया गया। वहीं नगर परिषद लांजी से कोरोना योद्धा नितिन बरघैया, उपकेन वराड़े, आकाश महोबिया, शंकर रणदिवे, समीम खान, हरी दुरूग्गर, ललित सिरामे, रविंद्र भोंडेकर, जितेंद्र सोनवाने, ठाकुर वानखेड़े, श्याम वघारे, अनमोल मेश्राम, दीपक खांडेकर, कृष्णा सातपुते, दीपक मेश्राम, सागर पांडे, राजेश पुरी गोस्वामी, दिपम मोंगरे किशोर खाण्डेकर , बिहारी महोबीया, विनोद तिवारी, संतोष भार्गव, लक्ष्मीकांत सोनवाने, कैलाश भण्डारकर, विजय पालेवार, संतोष नगपुरे, नेकराम रामटेक्कर, शैलेन्द्र पांडे, शतीश खानोरकर, रमेश आसटकर, दिलीप मलिक, प्रविण पांडे, समीर शेख, रवि रगड़े, हितेश विक्की काड़े, फुलचंद पांडे, ओमप्रकाश, भूपेंद्र नेवारे, नंदनसिंह सोलंकी, लखनसिंह हट्टेवार,सरदार सिंह सोलंकी को सम्मिनित किया गया।तहसील कार्यालय लांजी के कोरोना योद्धा चन्द्रकिशोर काकोड़िया, राजेंद्र करहे, सुरेंद्र दुरूगकर , अशोक कुमार नागदेवे, कुलदीप रावत , अजय चौरे, संजय पारधी, संजय शेंडे, शैलेंद्र रामावत, सत्यप्रकाश कावरे, आशीष ठाकुर, आदर्श पटले, विशाल कोडापे, गजेंद्र कोरचे, राहुल दौने, जितेंद्र बांधे, रूपचंद राणे, दिनेश मेरावी को सम्मानित किया गया। मां लंजकाई मंदिर ट्रस्ट से हिराचंद आसटकर और कपिल अग्रवाल,बोलबम सेवा समिति से अनु श्रीवास्तव, कलार समाज लांजी से संतोष तिड़के, भारतीय बौद्ध महासभा से श्री के के भालाधरे, बुद्धघोष जनकल्याण समिति से लक्ष्मीकांत मड़ामे, अंजुमन इस्लामियां समिति से इकराम शेख,काली मंदिर समिति से मधुकर आसटकर,शिक्षक संघ एंव अध्यापक संघ से गोविंद सोनवाने बी आर गुर्दे, जैनेन्द्र बेदरे, हरदेव लोधी समाज से ललित देवगड़े, पाण्ढरी पाठ देवी मंदिर से रेखलाल कावरे, सामाजिक कार्यकर्ता योगेश रामटेक्कर, अशोक कलपुरे, आभा श्रीवास्तव, एन के भटेरे, मोसिन खान, हरिकिशन अग्रवाल, मुकेश पटेल, अजिन बन्देली, रूपेश रावते, पुनम शरद आसटकर का सम्मान किया गया।

'नक्सलवाद एक चुनौती'

आज हम देश में व्यवस्था की समस्या से पनप रहे बेरोजगारी और मंहगाई से उपज रहीं सुरक्षा की समस्या पर बात कर रहे हैं। एक समय था जब भारतीय श्रमिकों एवं किसानों की दुर्दशा के लिये सरकारी नीतियाँ उत्तरदायी होती थी जिसके कारण उच्च वर्गों का शासन तन्त्र और फलस्वरुप कृषितन्त्र पर वर्चस्व स्थापित हो गया । और आम इंसान निचले तबके में अपना जीवन यापन करने लगा, लेकिन उन्हीं में से उग्र प्रवत्ती के युवाओं ने अपने अधिकारों को पाने के लिए नक्सलवाद का रास्ता अपनाया और सरकार के विरुद्ध भूमिगत होकर सशस्त्र लड़ाई छेड़ दी। सामाजिक जागृति के लिए आरंभित इस आंदोलन पर कुछ वर्षो पश्चात राजनीति का वर्चस्व बढ़ने लगा और आंदोलन शीघ्र ही अपने मुद्दों और मार्गो से भटक गया। नक्सलवाद लुट और डर का एजेंडा बन कर रह गया। सवाल यह उठता है कि आखिर आम इंसान को नक्सलवादी क्युं बनना पड़ा ? क्या मजबूरी है कि उन्हें अपने घर परिवार से दूर जंगल झाड़ी में छुपकर रहना पड़ रहा है? ना कोई उद्देश्य ना लक्ष्य। बस लोगों में दहसत और पुलिस विभाग को परेशान करना, मुठभेड़ कर अख़बार में सुर्खियां बटोरना। और मुखबिर के नाम पर आम लोगों की निर्मम हत्या करना , क्या यही है नक्सलियों का लक्ष्य या फिर कुछ और!

रितेश कटरे
ब्यूरो चीफ बालाघाट

भारत में नक्सलवाद की बड़ी घटनाएँ

हम आगे भारत में हुए नक्सलीय हमलों की बात करते हैं । देश के 8 राज्यों के लगभग 60 ज़िलों में यह समस्या बनी हुई है उनमें ओडिशा के 5, झारखंड के 14, बिहार के 5, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 10, मध्य प्रदेश के 8, महाराष्ट्र के 2 तथा बंगाल के 8 ज़िले शामिल हैं। वहीं हमलों की बात करें तो 2007 छत्तीसगढ़ के बस्तर में 300 से ज्यादा विद्रोहियों ने 55 पुलिसकर्मियों को मौत के घाट पर ?उतार दिया था। 2008 में ओडिसा राज्य के नयागढ़ में नक्सलवादि?यों ने 14 पुलिसकर्मियों और एक नागरिक की हत्या कर दी। 2009 में महाराष्ट्र के गढ़चिरोली में हुए एक बड़े नक्सली हमले में 15 सीआरपीएफ जवान शहीद हो गये। 2010 नक्सलवादियों ने कोलकाता-मुंबई ट्रेन में 150 यात्रियों की हत्या कर दी। 2010 पश्चिम बंगाल के सिल्दा केंप में घुसकर नक्सलियों ने हमला कर दिया जिसमें अर्द्धसैनिक के 24 जवान शहीद हो गए। 2011 छत्तीसगढ के दंतेवाड़ा में हुए एक बड़े नक्सलवादी हमले में कुल 76 जवान शहीद हो गए जिसमें सीआरपीएफ के जवान समेत पुल?सकर्मी भी शामिल थे। 2012 झारखंड के गढ़वा जिले के पास बरिगंवा जंगल में 13 पुलिसकर्मीयों की हत्या कर दी 7 2013 छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों ने कांग्रेस के बड़े नेता समेत 27 व्यक्तियों की हत्या कर दी। 2021 में छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षा बलों के 23 जवान शहीद हो गए और 31 जवान घायल हुए। इसके अलावा मुठभेड़ की तो गिनती ही नहीं है। इन तमाम हमलों में एक बात साफ है कि नक्सली हमारी सेना को अपना शिकार बना रहीं हैं जिससे कि उनकी झुठी लोकप्रियता बनी रहें और लुट का व्यापार फलता फूलता रहे।

बालाघाट जिले में आवश्यकता है ग्रीनहंट और प्रहार जैसे अभियान की

देश में नक्सल गतिविधियों को अंकुश लगाने के लिए वर्ष 2009 में चलाए गए ग्रीनहंट अभियान और 2017 में चलाए गए प्रहार अभियान जैसा ही क्लीन स्वीप अभियान चलाया जाना जरूरी है। मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में लगातार नक्सलियों की गतिविधियां तेज होती जा रही है। जिससे आम जनमानस प्रभावित हो रहा है। बालाघाट जिला वन बाहुल्य जिला है जहां पर ऐसे ऐसे स्थान हैं जहां पर नक्सलि छिपकर आसानी से रहते है। बालाघाट जिले की वन संपदा नक्सलियों के लिए संरक्षण का गढ़ माना जाता है। कंही ना कहीं इनके ठिकानों को खोज कर धव्वस्त किया जाना जरूरी है। नक्सलियों ने संवाद का रास्ता अपनाना चाहिए, नक्सलियों को अपनी समस्याओं को जिला प्रशासन के पास रखना चाहिए। जिससे कि उनकी समस्याओं को सुलझाया जा सकें।एक ओर नक्सलियों के द्वारा आम जन को पुलिस का मुखबिर कहकर जान से मार दिया जाता है ,दुसरी ओर उन्ही परिजनों के मसिहा बनने की कोशिश में लगे रहते हैं। अमन और शांति से बढ़कर जिले की खुशहाली के लिए और कुछ नहीं। यदि जिले

में रोजगार उन्मुखीकरण किया जाए, उद्योगों की स्थापना की जाए तो रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे और शायद भुला भटका युवा आत्मसमर्पण कर एक नया जीवन शुरू कर सकें। मैंने शुरुआत में कहा था कि व्यवस्था की समस्या से पनप रहे बेरोजगारी और मंहगाई से उपज रहीं समस्या भी इन हालातो के लिए जिम्मेदार है। इस पर निजात पाना नक्सलवाद की चुनौती से निपटने का एक आसान और सटीक तरीका है। लेकिन इन सब बातों के बीच विकास कार्यों में बाधा पहुंचाना भी नक्सलियों का एजेंडा होता है। ऐसे में नक्सलवाद से निपटना जिला प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती है।

ठाकुरद्वारा स्कूल के बच्चों द्वारा मनाया गया ऑनलाइन स्वतंत्रता दिवस

● कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश पुष्पांजली टुडे ब्यूरो

राजकीय उच्च विद्यालय ठाकुरद्वारा द्वारा मनाया गया ऑनलाइन स्वतंत्रता दिवस इस मौके पर विद्यालय के बच्चों ने सुन्दर-सुन्दर पेंटिंग, सलोगन आदि बनाये । सभी बच्चों ने इस में बढ़ चढ़ कर भाग लिया जैसे अलीशा, मानसी, श्रुति,प्रियांशा, आकृति, राशि, सुहानी, गौरव, खुशी, दीक्षा, सारांश प्रथम, पूजा,शिनाम,सिया आदि।मुख्याध्यापक प्रवेश कुमार और अन्य अध्यापकों जैसे अध्यापक राजीव डोगरा, रविंदर कुमार , ज्योतिप्रकाश, राकेश कुमार, अमीचंद, सुनील कुमार, और मैडम प्रवीण लता ने 75वे स्वतंत्रता दिवस पे सभी की शुभकामनायें दी।

फ्री फ़ायर गेम की आईडी खरीदने के लिए,18 वर्ष के युवक ने की आठ लाख रुपये को मांग,पुलिस ने धर दबोचा

● पुष्पांजली टुडे दबोह

भिण्ड जिले के दबोह नगर में वार्ड क्रमांक 11 में रहने बाले रामेश्वर दयाल पुत्र ग्याप्रसाद शर्मा से अज्ञात युवक ने आठ लाख रुपये की मांग कर डाली।नही देने पर जान से मारने की धमकी भी दे डाली।जिसकी जानकारी रामेश्वर दयाल पुत्र ग्याप्रसाद शर्मा ने थाने दी बताया उन्होंने बताया कि रविवार को मैं घर पर था तभी कोई अज्ञात व्यक्ति आया और मेरे सामने एक पत्र फेंक गया जिसे खोलकर पढ़ा तो ज्ञात हुआ कि उसने अपना फोन नम्बर 9770918855 लिखा एवम इस नम्बर पर तुरन्त फोन करो नहीं तो तुम बहुत कुछ खो दोगे फिर मेरी बहु के नम्बर पर धमकी भरा टैक्स मेसेग आया जिसमें मेरे परिवार को जान से मारने धमकी दी।फिर दिनांक 09 अगस्त 2021 को सुबह फोन आया और बोला कि मेरे नम्बर पर आठ लाख रुपये डाल दो नहीं तो 12 बजे तक जान से मार देंगे।जिसकी जांच पड़ताल कर दबोह पुलिस ने धारा 507 अपराध पंजिबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।जिसके बाद दबोह पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए आरोपी सुरेंद्र कुशवाह को दबोह थाना क्षेत्र के ग्राम अमाहा से गिरफ्तार किया गया।पुलिस उसके कब्जे से मोबाईल जप्त किया गया पूछताछ की गई जिसमें आरोपी ने दो साथी और सम्मिलित होना बताया है।जिन्होंने यह प्लान बनाया था फ्री फायर गेम की आईडी खरीदना था जिसमे एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है विवेचना की जा रही है।सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रमोद साहू के साथ ए.एस.आई अवनीश शर्मा,लक्ष्मीनारायण शर्मा,महेन्द उचाडिया,प्रधान आरक्षक कमलेश,अशोक यादव,अभिषेक चौहान,राजू यादव,अभिषेक यादव आदि की आहिम भूमिका रही।

Powered by THE LOCAL KALAAKAAR

Gifting Partner THE 28

Printing Partner

Media Partner

ODISHA TODAY

Made by KALAAKAAR SINCE 2021

द लोकल कलाकार'द्वारा ऑनलाइन कला, क्राफ्ट, हैंडीक्राफ्ट व हैडलूम प्रदर्शनी सम्पन्न

● अर्पित गुप्ता, भोपाल

द लोकल कलाकार द्वारा एक ऑनलाइन कला, क्राफ्ट, हंडीक्रफ्ट एवं हैंडलूम प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमे देश के 50 कलाकारों ने भाग लिया।यहां बता दें कि द लोकल कलाकार द्वारा मैड बाय कालाकार एक पहल शुरू किया गया।जिससे 10 लाख से अधिक कारीगरों और महिला उद्यमियों को कोविड-19 के कारण हुए आर्थिक व्यवधान से उबरने में मदद मिले।यह पहल द लोकल कलाकार के इंस्टाग्राम एवं फेसबुक पेज के माध्यम से कलाकार(कारीगरौ)अथवा खरीदार को जोड़ेगी के लक्ष्य से चलाया गया। द लोकल कलाकार के संस्थापक श्री गोविंदा का कहना है,इस महमारी में कालाकारो के लिए भी लोगो को सोचना चाहिए उनके द्वारा बनाई गई हाथ से बने वस्तु हमें खरीदने चाहिए, जिससे इस महमारी में उनको भी मदद होगी तथा पीएम मोदी के अभियान लोकल के लिए वोकल बनें पर भी जोर देने की जरूरत,और हमारे देश को आत्मानबीर भारत बनने में मदद मिलेगी।साथ ही यहां बता दें की शहर की जनता के साथ देशवासियों ने भी द लोकल कलाकर के कार्य की सराहते हुए तारीफ भी की है।

प्रदर्शनी में देश के 50 कलाकार हुए शामिल

स्वदेशी जागरण मंच मध्य भारत प्रांत विचार वर्ग 31 जुलाई से 1 अगस्त दो दिवसीय श्याम वाटिका ग्वालियर 8 सत्रों में संपन्न हुआ

● महेंद्र शर्मा, ग्वालियर संभाग रिपोर्टर, पुष्पांजली टुडे

हमें ऐसे विकास मॉडल की आवश्यकता है जो स्वरोजगार और ग्राम संस्कृति के माध्यम से लोक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करे

स्वदेशी जागरण मंच मध्य भारत प्रांत विचार वर्ग 31 जुलाई से 1 अगस्त दो दिवसीय श्याम वाटिका ग्वालियर 8 सत्रों में संपन्न हुआ उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में माननीय सतीश कुमार जी केंद्रीय सह संगठन मंत्री, द्वितीय सत्र में श्री राघवेंद्र चंदेल जी, श्री साकेत राठौर

जी एवं संजीव गोयल जी प्रांत प्रचार प्रमुख, तृतीय सत्र में माननीय कश्मीरी लाल जी केंद्रीय संगठन महामंत्री, चतुर्थ सत्र में श्रीकांत बुधौलिया प्रांतीय संयोजक, पंचम सत्र में केशव दुबौलिया जी प्रांत संगठन मंत्री, षष्टम सत्र में श्री राघवेंद्र चंदेल जी क्षेत्रीय संयोजक एवं डॉ प्रतिभा चतुर्वेदी प्रांत महिला प्रमुख एवं समापन सत्र में माननीय श्री कश्मीरी लाल जी मुख्य वक्ता के रूप में रहे। इसी बीच आचार्य श्री पुष्कर जी महाराज श्री डॉ पुरेंद्र भशीन, डॉ प्रियंबधा भशीन एवं आर. पी. माहेश्वरी आदि पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे।

माननीय कश्मीरी लाल जी स्वदेशी जागरण मंच के दो दिवसीय विचार वर्ग का समापन ग्वालियर मध्य भारत स्वदेशी जागरण मंच के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय विचार वर्ग श्याम वाटिका में संपन्न हुआ वर्ग के समापन समारोह के अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय संगठन मंत्री माननीय श्री कश्मीरी लाल जी मुख्य वक्ता के रूप में कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा के विकास के लिए समर्पण की आवश्यकता है इसके लिए कुछ लोगों को स्थित समर्पित करना होगा आज विकास बाद में शोषण तंत्र शामिल हो गया है विकास के नाम पर विनाश की परंपरा प्रारंभ हो गई है हाय सप्लीमेंट के नाम पर दवाओं के माध्यम से और बीटी केयर के नाम पर युवा एवं मातृशक्ति को भ्रमित करके शोषण किया जा रहा है आज सुंदरता के वस्त्र पहनकर कुरूपता तांडव करती हुई दिखाई दे रही है उन्होंने कहा गांधी और नेहरू दोनों के मॉडल अलग-अलग थे आज गांधी मॉडल देश में प्रचलित है नेहरू मॉडल समाप्त प्राय हो गया है नेहरू मॉडल जो रसिया के चिंतन पर आधारित था उसने नेहरू के नहर विकासवाद को लेकर नदी संस्कृति को नष्ट कर दिया है आज हमें युवा एवं

स्वदेशी जागरण मंच

नदी संस्कृति का विकास करने की आवश्यकता है पश्चिमी विकास की अवधारणा के चलते आज शहरीकरण के कारण जल संकट पर्यावरण संकट की समस्याएं सामने

आ रही हैं आज स्वामी विवेकानंद के चिंतन की आवश्यकता है जिसमें कहा गया है यदि हम दृष्ट बदल देंगे तो दृष्टिकोण बदल जाएगा माननीय कश्मीरी लाल जी ने आगे कहा की चारों आश्रमों में ग्रह आश्रम व्यवस्था की दूरी है जिसे कमाना है धन संग्रह करना है लेकिन यह संग्रह है व्यक्तिगत में होना चाहिए उन्होंने विवेकानंद जी के चिंतन को स्पष्ट करते हुए कहा कमाने का अधिकार है लेकिन उसकी संपत्ति पर समस्त आश्रमों का अधिकार है यह संस्कृति नेहरू मॉडल ने नष्ट कर दी रसिया मॉडल 1991 में समाप्त हुआ और 2007 में अमेरिका की बैंकिंग व्यवस्था ध्वस्त हो गई और अमेरिका टूटने के घर पर पहुंच गई दुर्भाग्य से हमने विवेकानंद जी और लाल बाल पाल के मॉडल को नहीं अपनाया परिणाम यह हुआ इस्पात क्षेत्र में भी पिछड़ गए चाइना ने अपने देश में 600 इकोनामिक जोन विकसित किए जब भारत में 650 इकोनामिक जोन विकसित कर शोषण प्रारंभ कर दिया चाइना मॉडल युवाओं को भ्रमित करने वाला है आज हमें विदेशी व्यवस्था को छोड़कर स्वदेशी व्यवस्था अपनाते हुए विकेंद्रीकरण करना चाहिए गांव आधारित संस्कृति को अपनाते हुए विकास का मॉडल बनाना चाहिए प्रमुख शहरी संस्कृति के विरोधी नहीं है परंतु ग्रामीण व्यवसाय संस्कृति हमारे विकास का आधार है जो रोजगार आधारित विकास के मॉडल को प्रमुखता देती है हम जीव आधारित विकास को जाते हैं जहां पर लोक कल्याण की भावना को महत्व दिया जाता है आज हम रक्षा अनुसंधान रोजगार के क्षेत्र में चढ़ते जा रहे हैं वर्तमान में स्वदेशी जागरण मंच और केंद्रीय नेतृत्व ने विकास का नया मॉडल करने का संकल्प लिया है जो शास्त्री और गांधी के मॉडल को आधार मानकर कार्य करता है नेहरू मॉडल तो विनाश को ही निमंत्रण देता है अतः नेहरू मेडल का कोई नाम लेने वाला नहीं बचा है आदरणीय कश्मीरी लाल जी ने कहा कि हमारे यहां तो ऐसी व्यवस्था थी के खाना पीना वेशभूषा भाषा और विचार तक स्वदेशी होने चाहिए किसी भी राष्ट्र को श्रेष्ठ बनाने के लिए आवश्यक है की भाषा वेशभूषा भावना भोजन भेषज औषधि यहां तक कि भवन भी ऐसा होना चाहिए जो स्वदेशी की प्रेरणा देता हो इसके लिए हमें लोगों के व्यंग विरोध से दूर रहते हुए अपने आधार को केंद्र मानकर बिना भ्रम में फंसे छोटी-छोटी बातों का चिंतन करते हुए स्वदेशी का विचार लाना चाहिए इसके लिए आवश्यकता है कि हम संपूर्ण समाज का चिंतन करते हुए स्वदेशी का नया मॉडल तैयार करें तभी हम देश को सर्वश्रेष्ठ थर्ड बे की ओर ले जाकर माननीय दत्तोपंत ठेंगड़ी पंडित दीनदयाल उपाध्याय और स्वामी विवेकानंद के सपनों को साकार कर सकते हैं।

क्यों बहु-बहु ही रहती है बेटी नहीं बन पाती

एक बेटी जब ससुराल आती है तो अपने साथ मन में बहुत सारे सपने,ख्वाहिशें,उम्मीदें,अपनापन,प्यार और संस्कार लाती है।ससुराल उनके लिये बिल्कुल अंजान होता है फिर भी वो अपना समझ के सब को प्यार,सम्मान और ईमानदारी से अपनापन देती है वो एक अंजान लड़के को सिर्फ अपना सब कुछ इसलिए दे देती है कि वो लड़का उसके परिबार बालो ने उसके पापा मम्मी ने उसे अपनी बेटी के पति के रूप में चुना,एक बेटी को सबसे ज़्यादा विश्वास अपने पिता पर होता है तभी तो वो एक अंजान घर में अंजान लोगो के बीच अकेली ही चली आती है ससुराल में वो अपने संस्कार ले के आती है पराये लोगो को वो अपना मान लेती है अपने पति के माँ- बाप को वो अपने माँ- बाप का दर्जा दे देती है,अपने ससुराल के सारे रिति - रिवाज को पूरे मन से निभाती है ससुराल के रिश्ते नातो को अपना लेती है और पूरा मान सम्मान और इज्जत देती है अपने सपनो को मार कर वह ससुराल के सारे फर्ज निभाती है ससुराल के बंश को आगे बढ़ाने के लिये वो अपना शरीर और अपनी जान तक दाव पर लगा देती है अपनी जान की फिक्र ना करके वो एक नन्नी सी जान को अपने गर्भ में पालती है और उसे जन्म देती है बेटी ससुराल आते ही अपने सारे फर्ज निभाने लगती है बिना ये सोचे की ससुराल बाले उसे अपना पायेगे की नही,एक बेटी डोरी पर आने से लेकर अर्थी पर जाने तक एक पत्नी का,एक बहु का,एक माँ का,एक भाभी का फर्ज निभाती है डोली से अर्थी तक अपने सारे फर्ज निभाती है फिर भी वो बहु ही बन के रहे जाती है एक बेटी बनना जितना आसान है उतना ही मुश्किल एक बहू बनना है बेटी कुछ भी ना करे तो भी घर की जान होती है और बहू सब कुछ कर के भी उसी घर में अंजान रहती है जो प्यार और आजादी एक बेटी को अपने घर में मिलती है वो एक बहू को क्यों नही मिल पाती। जिस दिन बहु बहु की नही बल्कि एक बेटी की तरह नजर आने लगेगी उस दिन से किसी भी बेटी का पिता अपनी बेटी को रो के बिदा नही करेगा बेटी का जन्म होते ही उसके माँ बाप को उसकी बिदा होने तक जो चिंता होती है उस दिन से पिता इस चिंता से हमेशा के लिए मुक्त हो जायेगें और बेटी को लाड़ - प्यार देते ही उनकी आँखों में आंसू नही आएंगे कि पता नही ससुराल में उसे ये सब मिलेगा भी या नही जब बहु अपने सारे फर्ज निभाती है तो ससुराल वालो को भी उसे अपनाकर अपना फर्ज निभाना चाहिए और जिस दिन बहु को बेटी मान लिया उस दिन से बहु की बुराईया नही बल्कि उसकी सारी अच्छाईया और उसके संस्कार नजर आने लगेंगे जिस तरह बेटी अपने परिवार के लिए पूरी दुनिया से लड़ जाती है उसी तरह वो अपने ससुराल के लिए भी पूरी दुनिया से लड़ जायेगी लेकिन अपने ससुराल का साथ कभी नही छोड़ेगी..!

काजल गुप्ता
करैरा शिवपुरी मप्र

शीर्षकः होंगे कामयाब

हम होंगे कामयाब,
रखो स्वयं पर विश्वास,
माना वक्त है सख्त,
पर फिर पलटेगा तख्त,
नहीं खोना है आत्मविश्वास,
है जब अपनों का साथ,
हंसते गाते समय कट जाएगा,
खुली हवा में फिर मनुष्य सांस ले पाएगा,
स्थिर तो कुछ नहीं इस दुनिया में,
वक्त का पहिया चलता जाएगा,
है जो अवसाद का वातावरण,
प्रोत्साहन में बदल जाएगा,
आत्मिक शक्ति से,
डर का अंत हो जाएगा,
मन में रखो विश्वास,
हम होंगे कामयाब।

निशांत सक्सेना
गाजियाबाद

पुलिस लाइन में आयोजित हुआ तीज का त्योहार

● सोनू कुमार माथुर ब्यूरो एटा, पुष्पांजली टुडे

पुलिस लाइंस स्थित बहुउद्देशीय हॉल में जनपद अध्यक्षा वामा सारथी पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन श्रीमती शिखा सिंह पत्नी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री उदय शंकर सिंह, उपाध्यक्षा वामा सारथी पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन श्रीमती शैलजा सिंह पत्नी अपर पुलिस अधीक्षक एटा श्री ओम प्रकाश सिंह एवं श्रीमती कमलेश त्रिवेदी क्षेत्राधिकारी सकीट एवं थाना प्रभारी महिला थाना श्रीमती रजिया सुल्ताना एवं निरीक्षक कंचन कटियार के तत्वाधान में पुलिस कर्मचारियों के परिवारजनों को हरियाली तीज के अवसर पर स्वयं निर्मित राखी , तीज क्वीन एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें प्रथम , द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार महिलाओं को पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम के अंत मे झूला झूलन का भी आयोजन हुआ एवं पुलिस अधिकारियों की पत्नी एवं अन्य सम्मानीय महिलाओं को मोमेंटो / ट्रॉफी के माध्यम से प्रतीक चिन्ह प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त अंत में समस्त उपस्थित महिलाओं एवं महिला अधिकारियों को सूक्ष्म जलपान एवं भोजन की व्यवस्था भी कराई गई समस्त कार्यक्रम की व्यवस्था को सुचारू रूप से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार श्री हरपाल सिंह प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइंस एटा के द्वारा की गई।

साधु संतों की प्रेरणा से गौ सेवा करने का लिया संकल्प

श्री चारभुजा गौशाला कि महिमा निराली

● नेनाराम सीरवी, ब्यूरो रानी-पाली, पुष्पांजली टुडे

जिला मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूरी पर स्थित श्री चारभुजा गौशाला गिराडडा।शुरुआती क्षणों में आर्थिक रूप से काफी मुश्किलें आई लेकिन धीरे-धीरे आर्थिक सहयोग मिलने से अब काफी सार्थक प्रयास नजर आ रहा है। मौजूदा समय में श्री चारभुजा गौशाला समाजसेवी एवं भामाशाह के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र बना। श्री चारभुजा गौशाला के संस्थापक भीकाराम देवासी ने साधु संतों की प्रेरणा से गौ सेवा करने का जिम्मा लिया। देवासी को संतो द्वारा जीवो के प्रति दया भावना के रूप में मिली प्रेरणा से लोटपोट हो कर चाय की थड़ी चलाते-चलाते अपने जीवन को सार्थक कार्य हेतु समर्पित करने के लिए मुक बधिर बेजुबान पशुओं की चिंताजनक हालात को देखते देखते श्री चारभुजा गौशाला की नींव रखी। देवासी ने अपने जीवन को सार्थक बनाने के लिए पर्यावरण संरक्षण के तहत वृक्षारोपण अभियान के साथ साथ गौ सेवा जैसे सार्थक कार्यों की शुरुआत की। भीकाराम उर्फ नाथूराम देवासी ने संकल्प लिया कि रोजी रोटी की जुगाड़ के साथ-साथ अपने पैतृक मूल गांव गिराडडा में ग्राम वासियों के सहयोग के सहारे पर्यावरण संरक्षण के तहत 1000 वृक्ष लगाए। पर्यावरण प्रेमी गौ भक्त देवासी ने चाय की थड़ी पर एक एक रुपैया इकट्ठा करके जमा की हुई धनराशि को पर्यावरण संरक्षण हेतु पुण्य कार्य के लिए लगाया । पर्यावरण संरक्षण अभियान एवं गौ सेवा कि शुरुआत अकेले ने की लेकिन धीरे धीरे ग्राम वासियों का देवासी द्वारा चलाई गई मुहिम में सहयोग मिला। महंत श्यामदास महाराज का आशीर्वाद ग्रहण करके पूरे गांव में 1000 पौधे लगाने का संकल्प लिया। प्रथम शुरुआत में ग्राम वासियों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा और निरंतर पुण्य कार्य के लिए सेवाएं दी। गौरतलब है कि परिवार बीपीएल श्रेणी में ।खुद चाय की थड़ी। पत्नी श्रम रोजगार के अंतर्गत मजदूरी। लेकिन अपने जीवन को सार्थक बनाने के लिए दृढ़ संकल्प लिया कि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ गौ सेवा ही सर्वोपरि हैं । गोवंश को चिंताजनक बीमार हालात में लगातार एक सप्ताह तक देखने के बाद मन में जीवो के प्रति दया भाव के अनुसार गौ रक्षा की सेवा करने के लिए गौशाला की मुहिम चलाई । गोपाष्टमी पर्व पर ग्राम वासियों के सहयोग से गौ रक्षा के नाम धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें ग्राम वासियों के सर्व सहमति से भीकाराम उर्फ नाथूराम को अध्यक्ष बनाया गया। 2015 कार्तिक पूर्णिमा श्री श्री 1008 बालक दास महाराज की असीम कृपा से श्री चारभुजा गौशाला मैं गौ सेवा के लिए अपने निजी धनराशि 21 00 का चारा गौ माता को समर्पित किया। शुरुआत धीरे-धीरे लेकिन अब समाजसेवी दानदाताओं के सहयोग से निरंतर श्री चारभुजा गौशाला एक कदम प्रगति की ओर बढ़ने लगी। और गौशाला परिसर स्थित अलग-अलग दानदाताओं के सहयोग से गौ सेवा हेतु निर्माण कार्य करवाया गया। कोराना जैसी महामारी में प्रतिदिन गौ सेवा के लिए दानदाताओं की प्रेरणा से हरा चारा वितरित किया जा रहा है। वर्तमान में लगभग 400 बेजुबान गोवंश के लिए सुखमय जीवन बिताने के लिए समय-समय पर गौ माता की देखरेख की जा रही है। पर्यावरण संरक्षण के तहत गौशाला परिसर दानदाताओं ने अलग-अलग किस्मों के सैकड़ों वृक्ष लगाए । संतों की प्रेरणा से हर संभव जीव दया भावना के साथ समय सेवा के रूप में कार्य करने की चाहत से पुण्य के रूप में कार्य करके जीवो के प्रति सेवा हेतु पुण्य कार्य किया जा रहा है। श्री चारभुजा गौशाला में इनका रहा सहयोग। विक्रम सिंह जोधा आई जी पी ढाणी। हरिकिशन गहलोत सोजत। नगराज राम लाल सोनी पाली। नवरत्न सोनी पाली। शांतिलाल नाबरिया अध्यक्ष श्री चारभुजा गौशालागिराडडा । मोती लाल बौहरा भावरी। खीम सिंह राजपुरोहित ग्रुप पाली । देवी सिंह चौहान मंडली कोषाध्यक्ष श्री चारभुजा गौशाला। विंजा राम जोधा राम सिरवी गुलाबपुरा की ढाणी। पिंजरापोल गौशाला। केवल चंद मुथा पाली। गुमान सिंह गिराडडा। एवं समाजसेवी भामाशाह और ग्रामवासी।

राष्ट्र प्रथम, सदैव प्रथम के सिद्धांत पर आजीवन चलते रहे

अटल बिहारी वाजपेयी

भारत माँ के सच्चे सपूत, राष्ट्र पुरुष, राष्ट्र मार्गदर्शक, सच्चे देशभक्त ना जाने कितनी उपाधियों से पुकार जाता था भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी को वो सही मायने में भारत रत्न थे। इन सबसे भी बढ़कर पंडित अटल बिहारी वाजपेयी जी एक अच्छे इंसान थे। जिन्होंने जमीन से जुड़े रहकर राजनीति की और ''जनता के प्रधानमंत्री'' के रूप में लोगों के दिलों में अपनी खास जगह बनायी थी। एक ऐसे इंसान जो बच्चे, युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों सभी के बीच में लोकप्रिय थे। देश का हर युवा, बच्चा उन्हें अपना आदर्श मानता था। अटल बिहारी वाजपेयी जी ने आजीवन अविवाहित रहने का निर्णय लिया और जिसका उन्होंने अपने अंतिम समय तक निर्वहन किया। बेशक अटल बिहारी वाजपेयी जी कुंवारे थे लेकिन देश का हर युवा उनकी संतान की तरह था। देश के करोडो बच्चे और युवा उनकी संतान थे। पंडित अटल बिहारी वाजपेयी जी का बच्चों और युवाओं के प्रति खास लगाव था। इसी लगाव के कारण पंडित अटल बिहारी वाजपेयी जी बच्चों और युवाओं के दिल में खास जगह बनाते थे। भारत की राजनीति में मूल्यों और आदर्शों को स्थापित करने वाले राजनेता और प्रधानमंत्री के रूप में पंडित अटल बिहारी वाजपेयी जी का काम बहुत शानदार रहा। उनके कार्यों की बदौलत ही उन्हें भारत के ढांचागत विकास का दूरदृष्टा कहा जाता है। सब के चहेते और विरोधियों का भी दिल जीत लेने वाले बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी पंडित अटल बिहारी वाजपेयी का सार्वजनिक जीवन बहुत ही बेदाग और साफ सुथरा था इसी बेदाग छवि और साफ सुथरे सार्वजनिक जीवन की वजह से अटल बिहारी वाजपेयी जी का हर कोई सम्मान करता था। उनके विरोधी भी उनके प्रशंसक थे। पंडित अटल बिहारी वाजपेयी जी के लिए राष्ट्रहित सदा सर्वोपरि रहा। तभी उन्हें राष्ट्रपुरुष कहा जाता था।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक से लेकर प्रधानमंत्री तक का सफर तय करने वाले युग पुरुष अटल बिहारी वाजपेयी जी का जन्म ग्वालियर में बड़े दिन के अवसर पर 25 दिसम्बर 1924 को हुआ। अटल जी के पिता का नाम पण्डित कृष्ण बिहारी वाजपेयी और माता का नाम कृष्णा वाजपेयी था। पिता पण्डित कृष्ण बिहारी वाजपेयी ग्वालियर में अध्यापक थे। कृष्ण बिहारी वाजपेयी साथ ही साथ हिन्दी व ब्रज भाषा के सिद्धहस्त कवि भी थे। अटल बिहारी वाजपेयी मूल रूप से उत्तर प्रदेश राज्य के आगरा जिले के प्राचीन स्थान बटेश्वर के रहने वाले थे। इसलिए अटल बिहारी वाजपेयी का पूरे ब्रज सहित आगरा से खास लगाव था। अटल बिहारी वाजपेयी जी की बीए की शिक्षा ग्वालियर के वर्तमान में लक्ष्मीबाई कालेज के नाम से जाने वाले विक्टोरिया कालेज में हुई। ग्वालियर के विक्टोरिया कालेज से स्नातक करने के बाद अटल

बिहारी वाजपेयी ने कानपुर के डीएवी महाविद्यालय से कला में स्नातकोत्तर उपाधि भी प्रथम श्रेणी में प्राप्त की। अटल बिहारी वाजपेयी एक प्रखर वक्ता और कवि थे। ये गुण उन्हें उनके पिता से वंशानुगत मिले। अटल बिहारी वाजपेयी जी को स्कूली समय से ही भाषण देने का शोक था और स्कूल में होने वाली वाद-विवाद, काव्य पाठ और भाषण जैसी प्रतियोगिताएं में हमेशा हिस्सा लेते थे। अटल बिहारी वाजपेयी छात्र जीवन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक बने और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाओं में हिस्सा लेते रहे। अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने जीवन में पत्रकार के रूप में भी काम किया और लम्बे समय तक राष्ट्रधर्म, पांचजन्य और वीर अर्जुन आदि राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत अनेक पत्र-पत्रिकाओं का सम्पादन भी किया। अटल बिहारी वाजपेयी जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य थे और उन्होंने लंबे समय तक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे प्रखर राष्ट्रवादी नेताओं के साथ काम किया।

कारगिल युध्द में विजयश्री के बाद हुए 1999 के लोकसभा चुनाव में भाजपा फिर अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने के बाद भाजपा ने अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में 13 दलों से गठबंधन करके राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के रूप में सरकार बनायी। और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने अपना पूरा पांच साल का कार्यकाल पूर्ण किया। इन पाँच वर्षों में अटल बिहारी वाजपेयी ने देश के अन्दर प्रगति के अनेक आयाम छुए। और राजग सरकार ने गरीबों, किसानों और युवाओं के लिए अनेक योजनाएं लागू की। अटल सरकार ने भारत के चारों कोनों को सड़क मार्ग से जोड़ने के लिए स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना की शुरुआत की और दिल्ली, कलकत्ता, चेन्नई व मुम्बई को राजमार्ग से जोड़ा गया। 2004 में कार्यकाल पूरा होने के बाद देश में लोकसभा चुनाव हुआ और भाजपा के नेतृत्व वाले राजग ने अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में शाइनिंग इंडिया का नारा देकर चुनाव लड़ा। लेकिन इन चुनावों में किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला। लेकिन वामपंथी दलों के समर्थन से कॉंग्रेस ने मनमोहन सिंह के नेतृत्व में केंद्र की सरकार बनायी और भाजपा को विपक्ष में बैठना पड़ा। इसके बाद लगातार अस्वस्थ्य रहने के कारण अटल बिहारी वाजपेयी ने राजनीति से सन्यास ले लिया। अटल जी को देश-विदेश में अब तक अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने 2015 में भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनके घर जाकर सम्मानित किया। भारतीय राजनीति के युगपुरुष, श्रेष्ठ राजनीतिज्ञ, कोमलहृदय संवेदनशील मनुष्य, वज्रबाहु राष्ट्रप्रहरी, भारतमाता के सच्चे सपूत, अजातशत्रु पूर्व प्रधानमन्त्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी का 16 अगस्त 2018 को 93 साल की उम्र में इसी साल दिल्ली के एम्स में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनका व्यक्तित्व हिमालय के समान विराट था। अटल जी भारत देश के लोगों के जीवन में अपनी महान उपलब्धियों और अपने विचारों का ऐसा उजाला डाल कर गए हैं जो कि देश के नौजवानों को सदा राह दिखाते रहेंगे।

भाई–बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन

भारत त्योहारों का देश है और इसके प्रमुख त्योहारों में से एक है रक्षाबंधन। इस दिन सभी बहनें अपने भाइयों को राखी बांधती हैं, चाहे उनका भाई उनसे उम्र में छोटा हो या बड़ा। इस दिन सभी उम्र केभाई अपनी बहनों से राखी बंधवाने के बाद उन्हें वचन देते हैं कि वे हर परिस्थिति में उनकी रक्षा करेंगे। हर साल रक्षाबंधन के त्योहार का सभी बहनों को बेसब्री से इंतजार रहता है। इस दिन भाई जहां कहीं भी हो, वे अपनी बहन से मिलने और उनसे राखी बंधवाने उनके पास पहुंच ही जाते हैं। मौका और भी खास हो जाता यदि बहन की शादी हो चुकी हो और वह दूसरे किसी शहर में रहती हो। ऐसे में तो इस त्योहार का इंतज़ार महीनों पहले से ही शुरू हो जाता है। कई दिनों पहले से बहन को ससुराल से मायके लाने की तारीख निश्चित कर ली जाती है।

बच्चे भी राखी के त्योहार के लिए बहुत उत्साहित रहते हैं। यह दिन भाई-बहन के बीच प्रेम के अटूट रिश्ते को दर्शाता है। इस दिन सभी बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं, उन्हें मिठाई खिलाकर उनका मुंह मीठा करती हैं और अपनी रक्षा का वचन लेती हैं। राखी बांधने से पहले उनकी आरती उतारने के लिए सुंदर सी थाली सजाती हैं। भाई भी राखी बंधवाने के बाद अपनी बहनों को वचन देने के साथ ही कोई तोहफा व लिफाफा भी देते हैं।

रक्षाबंधन का त्योहार श्रावण पूर्णिमा के दिन मनाए जाने वाले इस पर्व का ऐतिहासिक, सामाजिक, धार्मिक और राष्ट्रीय महत्व भी है भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को मजबूत प्रेम पूर्ण आधार देता है इस दिन बहन भाई की कलाई पर रेशम का धागा बांधती है तथा उसके दीर्घायु जीवन एवं सुरक्षा की कामना करती है। बहन के इस स्नेह से बंधकर भाई उसकी रक्षा के लिए कृत संकल्प होता है। हालांकि रक्षाबंधन की व्यापकता इससे भी कहीं ज्यादा है। राखी देश की रक्षा, पर्यावरण की रक्षा, धर्म की रक्षा, हितों की रक्षा आदि के लिए भी बांधी जाने लगी है।

रक्षा सूत्र बन्धन

यह पर्व प्रतिवर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। श्रावण (सावन) में मनाये जाने के कारण इसे श्रावणी (सावनी) या सलूनो भी कहते हैं। रक्षाबन्धन में राखी या रक्षासूत्र का सबसे अधिक महत्त्व है। राखी कच्चे सूत जैसे सस्ती वस्तु से लेकर रंगीन कलावे, रेशमी धागे तथा सोने या चाँदी जैसी मँहगी वस्तु तक की हो सकती है। राखी सामान्यतः बहनें भाई को ही बाँधती हैं परन्तु ब्राह्मणों, गुरुओं और परिवार में छोटी लड़कियों द्वारा सम्मानित सम्बंधियों (जैसे पुत्री द्वारा पिता को) भी बाँधी जाती है। कभी-कभी सार्वजनिक रूप से किसी नेता या प्रतिष्ठित व्यक्ति को भी राखी बाँधी जाती है। सभी धार्मिक अनुष्ठानों में रक्षासूत्र बाँधते समय कर्मकाण्डी पण्डित या आचार्य संस्कृत में एक श्लोक का उच्चारण करते हैं, जिसमें रक्षाबन्धन का सम्बन्ध राजा बलि से स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है।

रक्षासूत्र

प्रातः स्नानादि से निवृत्त होकर लड़कियाँ और महिलाएँ पूजा की थाली सजाती हैं। थाली में राखी के साथ रोली या हल्दी, चावल, दीपक, मिठाई और कुछ पैसे भी होते हैं। लड़के और पुरुष तैयार होकर टीका करवाने के लिये पूजा या किसी उपयुक्त स्थान पर बैठते हैं। पहले अभीष्ट देवता की पूजा की जाती है, इसके बाद रोली या हल्दी से भाई का टीका करके चावल को टीके पर लगाया जाता है और सिर पर छिड़का जाता है, उसकी आरती उतारी जाती है, दाहिनी कलाई पर राखी बाँधी जाती है और पैसों से न्यौछावर करके उन्हें गरीबों में बाँट दिया जाता है। भारत के अनेक प्रान्तों में भाई के कान के ऊपर भोजली या भुजरियाँ लगाने की प्रथा भी है। भाई बहन को उपहार या धन देता है। इस प्रकार रक्षाबन्धन के अनुष्ठान को पूरा करने के बाद ही भोजन किया जाता है। प्रत्येक पर्व की तरह उपहारों और खाने-पीने के विशेष पकवानों का महत्त्व रक्षाबन्धन में भी होता है। आमतौर पर दोपहर का भोजन महत्त्वपूर्ण होता है और रक्षाबन्धन का अनुष्ठान पूरा होने तक बहनों द्वारा व्रत रखने की भी परम्परा है। पुरोहित तथा आचार्य सुबह-सुबह यजमानों के घर पहुँचकर उन्हें राखी बाँधते हैं और बदले में धन, वस्त्र और भोजन आदि प्राप्त करते हैं। यह पर्व भारतीय समाज में इतनी व्यापकता और गहराई से समाया हुआ है कि इसका सामाजिक महत्त्व तो है ही, धर्म, पुराण, इतिहास, साहित्य और फ़िल्में भी इससे अछूते नहीं हैं।

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम
परमानंद शर्मा
थाना प्रभारी, इंदरगढ़

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं
HAPPY RAKSHA BANDHAN
रवि मेश्राम
सहायक सचिव, ग्राम पंचायत पाथरगांव
तहसील, लांजी, बालाघाट

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम
पवन सिंह यादव
(डायरेक्टर, ग्वालियर चंबल संभाग)
परि होम केयर मानव सेवा संस्थान, ग्वालियर

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम
मनोज कुमार ओझा जिलाध्यक्ष,
ओझा मैथिक समाज कल्याण समिति भिण्ड
फर्मः एम. के. स्टील, ग्वालियर रोड भिण्ड

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम
रूपसिंह उर्फ बंटी
जिलाध्यक्ष, युवा किसान मोर्चा, प्रगतीशील
समाजवादी पार्टी लोहिया जिला जालौन

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं
मिर्जापुर जागीर, रामपुरा
जिला जालौन
उत्तर प्रदेश
श्रीमती चंद्रवती पाल
HAPPY RAKSHA BANDHAN
श्री रामशंकर पाल
प्रतिनिधि

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम
श्री ईश्वर बसोड़ प्राथमिक शिक्षक
ग्राम कलपाथरी, लांजी जिला बालाघाट

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम
श्री तपेश कालबेले लोधी प्रखर वक्ता
युवा समाजसेवी जिला बालाघाट, मप्र

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम
श्री भरत कालबेले प्रदेश सचिव
असंगठित कामगार कांग्रेस मध्य प्रदेश

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की
हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम
महेन्द्र सिंह राजपुरोहित
बन्नूर

हुमा ने कहा, महिला केंद्रित फिल्में अधिक होनी चाहिए, ऐसी फिल्मों की कमी

अदाकारा हुमा कुरैशी का कहना है कि बाजार महिला केन्द्रित फिल्मों के लिए तैयार है लेकिन ऐसी फिल्मों की कमी है जिसमें महिला को मुख्य किरदार के तौर पर पेश किया गया हो। वेब सीरीज 'लैला' और 'महारानी' में मुख्य भमिका निभाने वाली हुमा कुरैशी अपनी आने वाली फिल्म 'बेल बॉटम' में एक 'अंडरकवर एजेंट' की भूमिका में नजर आएंगी। कुरैशी ने कहा, ''महिला केन्द्रित फिल्मों की संख्या कम है। ऐसी फिल्में बनाई जा रही हैं, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसी और फिल्में बननी चाहिए। ऐसी फिल्मों की जरूरत है और बाजार भी ऐसी कहानियों के लिए तैयार है।'' कुरैशी ने यह भी बताया कि कोविड-19 के दौरान खाली समय में उन्होंने लिखना भी शुरू किया है। उन्होंने कहा, ''एक अभिनेता के तौर पर, हमें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है जो हमारे लिए कहानियां लिखते हैं। आखिर मैं अपने लिए खुद क्यों नहीं लिख सकती हूं? मुझे तो ऐसा करने में मजा आ रहा है।'' फिल्म 'बेल बॉटम' में अक्षय कुमार, लारा दत्ता, वाणी कपूर, आदिल हुसैन भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण वाशु भगनानी, जैकी भगनानी, दीपशिखा देशमुख, मोनिशा आडवाणी, मधु भोजवानी और निखिल आडवाणी ने किया है। फिल्म को पहले अप्रैल में रिलीज होना था फिर इसकी रिलीज की तारीख बढ़ाकर 27 जुलाई की गई, लेकिन कोविड-19 की दूसरी लहर के कहर के कारण यह तब भी रिलीज नहीं हो पाई।

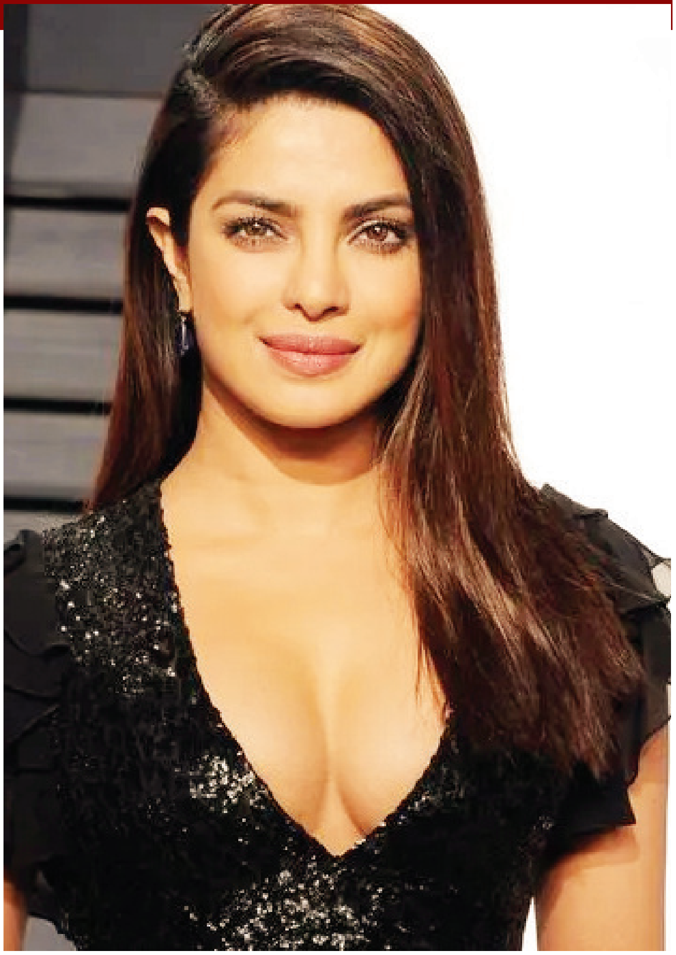

टाइगर श्रॉफ की फिल्म गणपथ में कृति सेनन होंगी हीरोइन

टाइगर श्रॉफ इन दिनों अपनी नई फिल्म गणपथ की शूटिंग कर रहे हैं, 31 वर्षीय अभिनेता ने फिल्म की अपनी लुक शेयर की है। शेयर किए हुए वीडियो में टाइगर श्रॉफ उग्र अवतार में दिखा रहे हैं। वीडियो में उन्हें हाथों में बॉक्सिंग हैंड रैप लपेटते देखा जा सकता है। टाइगर श्रॉफ ने इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करते हुए खुलासा किया कि गणपथ 23 दिसंबर, 2022 को रिलीज होने वाली है। गणपथ के टीजर को टाइगर श्रॉफ के प्रशंसकों के साथ-साथ अन्य हस्तियों के कई कमेंट्स मिले। रणवीर सिंह ने भी उनकी पोस्ट पर टिप्पणी किया है। गणपथ का निर्देशन विकास बहल करेंगे और इसे वाशु भगनानी की पूजा एंटरटेनमेंट द्वारा प्रोड्यूस किया जाएगा। गणपथ में टाइगर श्रॉफ एक्ट्रेस कृति सेनन के अपोजिट नजर आएंगे। फिल्म हीरोपंती के बाद टाइगर और कृति की एक साथ दूसरी फिल्म होगी। टाइगर श्रॉफ और कृति सेनन दोनों ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत हीरोपंती से की थी। टाइगर श्रॉफ भी हीरोपंती के सीक्वल में अभिनय करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने हाल ही में हमें एक झलक दी कि कैसे वह अपने वर्कआउट सेशन के एक वीडियो के साथ फिल्म के सीक्वल के लिए तैयारी कर रहे हैं।

कैटरीना और आलिया के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगी प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा जल्द ही बॉलीवुड में वापसी करने वाली हैं। इस फिल्म में प्रियंका कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। यह एक महिला प्रधान फिल्म है, जिसमें तीनों दोस्त हैं और रोड ट्रीप पर जाती हैं।जी ले जरा की घोषणा दिल चाहता है और एक्सेल एंटरटेनमेंट के 20 साल पूरे होने के मौके पर की गई थी। यह फिल्म फरहान अख्तर के निर्देशन में बनी है, उन्होंने आखिरी बार 2011 में डॉन 2 को डायरेक्ट किया था। प्रियंका ने अपनी को स्टार्स के साथ फोटो पोस्ट की है। इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने लिखा है कि कोरोनोवायरस महामारी के प्रसार के कारण दुनिया के बंद होने से पहले जी ले जरा के विचार की कल्पना की गई थी। यह प्रोजेक्ट फरहान अख्तर, जोया अख्तर और रीमा कागती के हाथों में है। उसी क्लिक को शेयर करते हुए कैटरीना कैफ ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, इससे मेरा दिल मुस्कुराता है। मुझे बस इन लड़कियों से प्यार है और एक-दूसरे के आस-पास रहना हमेशा बहुत मजेदार होता है। आलिया भट्ट ने अपनी ओर से पोस्ट किया कि 2 साल पहले 3 लड़कियां एक सपने के साथ आई थीं। प्यार और उत्साह से भरे दिलों के साथ, यहां हम हैं।

जल जीव जगत की जरूरत

जल की जरूरत सबको है। धरती पर जितने भी जीव जंतु पेड़ पौधे खेतीवाड़ी जैसे क्रियाकलाप को जीवंत बनाए रखना है तो जल की आवश्यकता हर जगह है जल के बिना कोई भी कार्य संभव नहीं है। जल मनुष्य की प्यास बुझाता है तो भूख के लिए धरती पर अन्न उपजता है वह भी जल के कारण ही संभव है अगर हम कहें की जल के बिना जीवन संभव नहीं है तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी हकीकत यही है कि जीवन की कल्पना जल के बिना अधूरी ही है पीने की पानी की जरूरत से लेकर दैनिक उपयोग की अन्य जरूरत की पूर्ति भी जल से ही होती है अगर हम बात करें उद्योग का काम भी जल के बिना नहीं हो सकता उद्योग जगत की पूर्ति के लिए जल के स्रोत का होना परम आवश्यक है इसके बिना उद्योग धंधे भी नहीं चलते है। मनुष्य के जीवन की अहम जरूरत है है भोजन भोजन तभी मिल पाता है जब खेती को जल मिलेगा जल के बिना धरती भी अन्न नहीं उप जाएगी । आज हमें विकास के किसी भी आयाम को स्थापित करने के लिए कहीं ना कहीं जल जैसे प्रमुख स्रोत की हमेशा आवश्यकता है इसके बिना हम जीवन की परिकल्पना नहीं कर सकते हैं जल है तो कल है का नारा बिल्कुल उपयुक्त है आज हम देख रहे हैं कि बरसात के मौसम में जल की जरूरत खेती के लिए बहुत होती है अगर हम जल का सही सदुपयोग करेंगे तो यह हम सबके जीवन को सुधार देगा और अगर हम इसका दुरुपयोग करेंगे तो आने वाले समय में जल संकट से जूझना पड़ेगा आज देखने को मिल रहा है कि जहां वर्षा के जल को ठीक से संरक्षित किया जा रहा है बांध बनाए जा रहे हैं वहां जल की कोई परेशानी नहीं है और जिस अंचल में जल का संरक्षण नहीं किया जा रहा है वहां जल के लिए त्राहिमाम मचा हुआ है वर्षा के जल को सहेजना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है अगर हमने उसको नहीं सहेजा तो आने वाले समय में जल संकट के दौर से हमें गुजारना पड़ेगा अभी कुछ समय पूर्व का घटनाक्रम है जिसमें राजस्थान में दादी और बेटी जल के अभाव में जीवन भी चला गया बिटिया प्यास प्यास चिल्लाकर इस दुनिया से अलविदा हो गई और दादी जैसे तैसे संघर्ष करते हुए बड़ी मुश्किल से बच पाई । आज भी हमारे देश में जल समस्या एक विकराल समस्या बनी हुई है इसका प्रमुख कारण हैं कि हम लोगों ने प्राकृतिक जल स्रोत या तो नष्ट कर दिए हैं या फिर उनका इतना दोहन किया है कि वह स्वत समाप्त हो गए हैं लेकिन इसके पीछे मानव की लापरवाही ही जिम्मेदार है अगर हमने समय रहते प्राकृतिक स्रोतों को संरक्षित किया होता तो वह आज भी अपने पुराने स्वरूप में हम लोगों को देखने को बने रहते जिससे मनुष्य की प्यास बुझती एवं जीव जंतु भी अपनी प्यास उससे बुझा सकते थे परंतु मनुष्य ने लापरवाही करते हुए उन प्राकृतिक स्रोतों को हमेशा हमेशा के लिए विलुप्त कर दिया है जो हमें प्रकृति ने दिए थे आज हम अपने बुजुर्गों से पूछते हैं तो वह बताते हैं की हमारे आसपास बहुत सारी छोटी छोटी नदियां कुएं तालाब बावड़िया विद्यमान थी परंतु मनुष्य की हड़प नीति के कारण जल की परंपरागत स्रोत नष्ट कर दिए गए जिसका खामियाजा आने वाले समय में हम सबको उठाना पड़ेगा । भूमिगत जल स्रोत भी दिन प्रतिदिन नीचे जा रहा है कभी हम लोग 60 70 फुट पर पानी कुओं में आसानी से भरते थे कुछ समय बाद उनका जलस्तर 100 फिट पर पहुंच गया फिर हमने ट्यूब बैलों का खनन किया जिससे हमारा जलस्तर ढाई सौ से 300 फिट तक पहुंच गया आज देखा जा रहा है वही जलस्तर 1000 फुट के आस पास पहुंच गया है और जलस्तर में भारी गिरावट देखने को मिल रही है यह कहीं ना कहीं चिंता का विषय है अगर हम अभी भी सजग नहीं हुए तो आने वाले समय में यह समस्या एक विकराल समस्या बन जाएगी जिससे निजात पाना हम सबके लिए चुनौती रहेगी हम सब आज सजग नागरिक बनकर इस पर चिंतन मनन करें और इस समस्या के निदान के लिए अभी से ठोस रणनीति बनाएं तभी हम आने वाली पीढ़ी के लिए जल का संचय कर पाएंगे । जल है तो कल है।। आओ हम सब जल को बचाये तभी भविष्य के लिए जल बच सकता है ।

शैलेश सिंह कुशवाह
(प्रबंध संपादक)
वरिष्ठ पत्रकार ग्वालियर मध्य प्रदेश

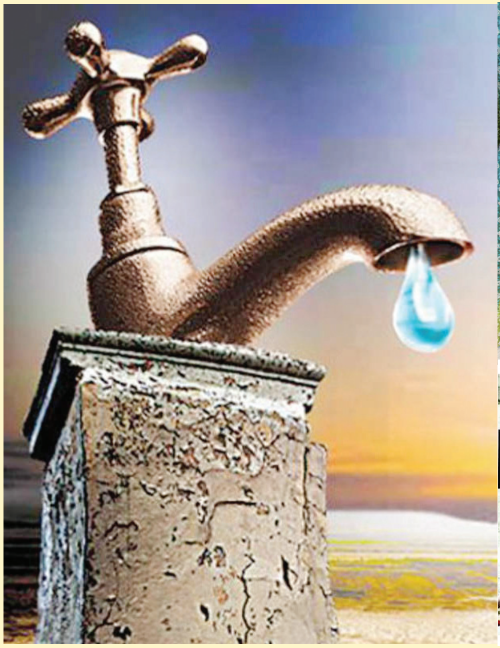

ब्रम्हाणी हॉस्पीटल

चिकित्सक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. ब्रजेश सिंह राजपूत
(बंटी), संचालक

विशेष सुविधाएं

* 24 घण्टे मेडीकल ऑफीसर एवं एम.एल.सी. सुविधा उपलब्ध
* आधुनिक गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) एवं वेंटिलेटर, वाईपेप, सी. पेप।
* स्ट्रोक यूनिट फालिस के मरीजों के लिये।
* न्यूरो सर्जरी एवं न्यूरोलॉजी की सुविधा
* सर्व सुविधायुक्त ऑपरेशन थियेटर
* महिलाओं से संबंधित सीी तरह के ऑपरेशन एवं सुरक्षित प्रसव की सुविधा

महावीर सिंह भदौरिया
ब्राह्माणी सिविल टेक प्राइवेट लिमिटेड

अपील : कोरोना से बचाव के लिए मास्क लगाकर रखें, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, घर में रहें स्वस्थ रहें।

माँ वैष्णोपुरम, गदाईपुरा ग्वालियर मध्य प्रदेश

7354900036, 8889437489